

ओटीटी पर दिखेगी 'छठी मैया' की महागाथा, सिद्धार्थ मल्होत्रा की द वन कब और कहां होगी स्ट्रीम?

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 29
न्यूनतम - 18

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 305 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर मंगलवार 03 नवम्बर 2026 ● अश्विन शुक्ल 9 विक्रमी संवत ● पृष्ठ :12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में करंट लगने से 8 मजदूरों की मौत

● झुंझुनूं में सड़क बनाते समय मशीन हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई

उदयपुरवाटी (एजेंसी)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के छापोली गांव में सोमवार सुबह सड़क बना रहे 8 मजदूरों की करंट लगने से मौत हो गई। 5 अन्य मजदूर झुलस गए। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। उदयपुरवाटी के एसएचओ रामपाल ने बताया- सड़क पर काम कर रही रोड़ी-बजरी मिक्सर मशीन का हाइड्रोलिक जैक ऊपर से गुजर रही



हाईटेंशन लाइन के तार से छू गया। इससे मशीन में करंट फैल गया और वहां काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद ग्रामीणों ने धरना शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार, छापोली में कदम कुंड की ओर जाने वाली सड़क का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान रोड़ी मिलाने वाली मशीन 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन से टकरा गई। मशीन के बिजली लाइन की चपेट में आने से वहां काम कर रहे मजदूर करंट की चपेट में आ गए। इस हादसे में आठ मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, पांच मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

राहुल गांधी के खेमे में असुरक्षा का माहौल

● कांग्रेस में प्रियंका गांधी को अलग-थलग करने की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी ने दावा किया है कि कांग्रेस पार्टी में नेतृत्व को लेकर दरार आ गई है। बीजेपी ने दावा किया है कि प्रियंका गांधी के बढ़ते प्रभाव की वजह से राहुल गांधी खेमे में असुरक्षा दिख रही है और प्रियंका गांधी को पार्टी में अलग थलग करने की कोशिश की जा रही है। बीजेपी के राष्ट्रीय



प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को इंडिया ब्लॉक की आयोजित रैली में प्रियंका गांधी को बोलने का मौका नहीं दिया गया। शनिवार को आयोजित सांकेतिक संसद की कार्यवाही में भी प्रियंका गांधी को अलग थलग करने की कोशिश की गई। जारी वीडियो मैसेज में प्रदीप भंडारी ने कहा कि कांग्रेस दो शक्ति केंद्रों में बंट चुकी है। राहुल गांधी का खेमा प्रियंका गांधी की राजनीतिक गतिविधियों को सीमित करने की कोशिश कर रहा है। प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की पॉलिटिकल टीम प्रियंका गांधी के प्रभाव से डरी हुई है। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता पर जन-मुद्दों के बजाय राजनीतिक पैंतरेबाजी को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया है।

सीआईएसएफ ने सुरक्षा देने का

56 साल पुराना स्ट्रक्चर बदला

अब पावर-स्टील प्लांट और बंदरगाह के लिए अलग-अलग सेक्टर, पहले जोन वाइज था

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने सबसे बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। फोर्स ने आज से अपने 56 साल पुराने टेरिटोरियल कमांड मॉडल को खत्म करके फंक्शनल सेक्टर मॉडल अपना लिया है। फोर्स अब तक जोन के हिसाब से काम करती थी। जैसे - मुंबई जोन के एक ही अधिकारी के पास पावर प्लांट भी होता था और कोयला खदान भी। इससे सुरक्षा मिली-जुली रहती थी। नए मॉडल में एक जैसी इंडस्ट्रियल यूनिट को एक ही छतरी के नीचे लाया गया है। यानी देशभर के सारे पावर प्लांट, सारे स्टील प्लांट, सारे बंदरगाह अलग-अलग डेडिकेटेड सेक्टर के अधीन होंगे। इस बदलाव का असर बिजली, कोयला, स्टील, पेट्रोलियम और नैचुरल गैस यूनिट पर पड़ेगा। सरकारी इमारतों, संग्रहालयों, स्मारकों, समुद्री बंदरगाहों और दिल्ली मेट्रो जैसी की सुरक्षा के लिए कुल 11 सेक्टर बनेंगे।



सीआईएसएफ का दावा- काम अलग तो सुरक्षा भी अलग हो

अब तक सीआईएसएफ के फील्ड और प्रशासनिक ठिकाने जोनल आधार पर बने थे। इस वजह से एक ही फील्ड फॉर्मेशन अलग-अलग क्षेत्रों में बनी औद्योगिक इकाईयों की सुरक्षा संभालता था। उदाहरण के लिए, किसी फील्ड फॉर्मेशन के पास बिजली और कोयला क्षेत्र की इकाइयों की जिम्मेदारी एक साथ होती थी। अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और एयरपोर्ट की सुरक्षा करने वाली सीआईएसएफ इकाइयां इसका अपवाद थीं। ये पहले से एक ही कमांड के तहत थीं। एजेंसी ने कहा कि इस बदलाव का मूल सिद्धांत यह है कि सुरक्षा केवल संपत्ति की जगह के आधार पर तय नहीं होनी चाहिए। यह भी देखना चाहिए कि संपत्ति क्या काम करती है और उसके प्रभावित होने का देश पर क्या असर पड़ेगा। इस बदलाव के तहत मुंबई मुख्यालय वाले सीआईएसएफ के वेस्टर्न सेक्टर का नाम बदलकर वेस्ट कोस्ट पोर्ट सेक्टर कर दिया गया है। चेन्नई स्थित सदर्न सेक्टर का नाम ईस्ट कोस्ट पोर्ट सेक्टर किया गया है। 2025 में केंद्र सरकार ने सीआईएसएफ को समुद्री बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए नोडल बल बनाया था। सरकार ने इस क्षेत्र के लिए रिकॉग्नाइज्ड सिक्योरिटी ऑर्गनाइजेशन के रूप में भी अधिकृत किया था। पिछले साल 2025 में केंद्र सरकार ने सीआईएसएफ को सभी समुद्री बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए नोडल फोर्स और मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन घोषित किया था।

बम-बम बाजार, अचानक लगाई महा छलांग

भारतीय शेयर बाजार में 1,233 अंक की बड़ी उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को जोरदार तेजी देखी गई। बंबई शेयर बाजार (बीएसई) का सेंसेक्स 1,233.25 अंक यानी 1.66 फीसदी उछलकर 75,692.78 अंक पर बंद हुआ। इंडेक्स के 30 में से 23 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 11.64 फीसदी तक उछल गए। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी इसी तरह की चौतरफा लिवाली देखने को मिली। 50 शेयरों वाला यह सूचकांक 1.68 फीसदी की छलांग लगाकर 23,440.80 अंक पर बंद हुआ। इस तेजी से निवेशकों की संपत्ति में 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का इजाफा हुआ। बाजार में इस ताबड़तोड़ तेजी के पीछे कई फैक्टर रहे। तेल की



कीमतों में इस दिन 3 फीसदी से ज्यादा की नरमी आई। ईरान-कतर के अधिकारियों के बीच लगातार तीसरे दिन बातचीत जारी है। इसका मकसद ईरान युद्ध को खत्म करने के लिए एक समझौते पर पहुंचना है। यह युद्ध इस साल फरवरी में शुरू हुआ था। तब से इसने एनर्जी मार्केट में हलचल मचा रखी है।

डॉलर के मुकाबले रुपए में आई मजबूती

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया करीब 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 94.88 पर खुला। पिछली क्लोजिंग 94.95 थी। सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी रिसर्च एनालिस्ट जतिन त्रिवेदी के अनुसार, त्योहारी सीजन से पहले कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट से आयात के मोर्चे पर कुछ राहत मिली है। इससे घरेलू करेंसी को सपोर्ट मिला है। एक अटकल से भी बाजार का सेंटीमेंट बेहतर हुआ है। वह यह कि कंपनी और वित्त मंत्रालय एफआईआई और संस्थागत निवेश को लुभाने के लिए टैक्स से जुड़े बदलाव या अन्य कदम उठा सकते हैं।

एमपी में शराब तस्करों ने टीआई को कुचला, मौत

● इंदौर-बैतूल हाईवे पर तस्करी रोकने गए थे टीआई दिलीप पुरी

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के देवास में अवैध शराब भरे वाहन (ट्रक) ने खातेगांव टीआई दिलीप पुरी को कुचल दिया। गंभीर रूप से



घायल पुरी को अस्पताल ले जाया गया। यहां करीब दो घंटे तक एसएचओ और इलाज के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। पुरी रविवार रात करीब डेढ़ बजे अवैध शराब की तस्करी की सूचना पर कार्रवाई करने टीम के साथ इंदौर-बैतूल हाईवे पहुंचे थे।

दिल्ली-एनसीआर में सिर्फ दो दिन जला सकेंगे पटाखे

सुप्रीम कोर्ट ने जारी किए निर्देश, ग्रीन पटाखे की दी अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में पटाखे जलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राहत दी है। शीर्ष अदालत ने 7 और 8 नवंबर को ग्रीन पटाखे जलाने की परमीशन दे दी है। हालांकि, इसके लिए समय की



पाबंदी लागू रहेगी। इन दोनों दिनों में सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक ही ग्रीन पटाखे जलाए जा सकेंगे। 9 नवंबर से पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया है कि अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक और जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में किसी भी तरह के पटाखे नहीं जलाए जा सकेंगे। अदालत के निर्देशों के मुताबिक, इन प्रतिबंधित क्षेत्रों में पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं होगी।

पटाखे जलाने का समय किया तय

कोर्ट के आदेश के अनुसार, लोग केवल सुबह 6 बजे से 7 बजे तक और रात 8 बजे से 10 बजे तक ग्रीन पटाखे जला सकेंगे। इसके अलावा अन्य किसी भी समय पटाखे जलाने पर पूरी तरह से पाबंदी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिया है कि कुछ संस्थानों के 300 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार का पटाखा नहीं जलाया जाएगा।

राहुल गांधी ने दिल्ली में घुसपैठिया बचाओ रैली की

● अमित शाह बोले-13 करोड़ वोट काटने का दावा झूठा



नई दिल्ली (एजेंसी)। अमित शाह सोमवार को हैदराबाद में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च में शामिल हुए। यह कार्यक्रम इंडिया ब्लॉक के एसआईआर के खिलाफ चल रहे विरोध के जवाब में किया जा रहा है। शाह ने कहा कि राहुल गांधी ने घुसपैठिया बचाओ रैली की। वे कहते हैं, 13 करोड़ वोट काट दिए गए। वे झूठ बोल रहे हैं। 13 करोड़ में से सवा 6 करोड़ वोट ऐसे हैं, जो दूसरी जगह रहने चले गए। क्या ऐसे लोगों को दो वोट देने का अधिकार है। करीब 3 करोड़ लोगों की मृत्यु हो गई। कांग्रेस पार्टी बोगस वोटों चुनाव हथियाना चाहती है। बीजेपी का लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ देशव्यापी अभियान 22 अक्टूबर 2026 को शुरू हुआ था। पहला चरण 22 अक्टूबर से चला था।

नौसेना को मिलेंगे अगली पीढ़ी के 8 नए युद्धपोत

53,866 करोड़ रुपये होगा खर्च, रक्षा मंत्रालय ने किया करार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए देश में आठ अत्याधुनिक अगली पीढ़ी के कॉर्वेट युद्धपोत बनाए जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने इन युद्धपोतों के निर्माण और खरीद के लिए गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) के साथ कुल 53,866.50 करोड़ रुपए के करार किए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस करार को लेकर खुशी जाहिर की है। 2 नवंबर को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में इन करारों पर हस्ताक्षर किए गए। इन अगली पीढ़ी के कॉर्वेट युद्धपोतों में आधुनिक मिसाइलों, हथियारों और सेंसर प्रणालियों से लैस अत्याधुनिक क्षमताएं होंगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि इन जहाजों के निर्माण से अगले दस वर्षों



में शिपयार्डों में लगभग 72 लाख पर्सन-डे और सहायक उद्योगों तथा नौसेना में 460 लाख 'पर्सन-डे' के बराबर रोजगार पैदा होगा।

भारतीय नौसेना को मिली ताकत

इन युद्धपोत की मदद से नौसेना हवा, समुद्र की सतह और समुद्र के भीतर मौजूद खतरों से निपट सकेगी। इन युद्धपोतों के नौसेना में शामिल होने से उसकी अभियान क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। ये समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा, दुश्मन के युद्धपोतों को निशाना बनाने और पनडुब्बियों का पता लगाकर उनसे मुकाबला करने जैसे महत्वपूर्ण अभियानों में भूमिका निभाएंगे। ये युद्धपोत तटीय सुरक्षा मजबूत करने, समुद्र के किनारे उथले इलाकों में सैन्य अभियान चलाने और समुद्री क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने में भी मदद करेंगे। इनकी तैनाती से भारतीय नौसेना की समुद्र में मौजूदगी और निगरानी क्षमता को मजबूती मिलेगी। प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के जरिए निर्माण कंपनियों का चयन किया गया है।

नौसेना तैयार करेगी युद्धपोतों का डिजाइन

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस परियोजना के तहत कोलकाता स्थित जीआरएसई पांच युद्धपोतों का निर्माण करेगा। वहीं गोवा शिपयार्ड लिमिटेड भारतीय नौसेना के लिए तीन युद्धपोत बनाएगा। खास बात यह है कि इन सभी युद्धपोतों का डिजाइन भारतीय नौसेना खुद तैयार करेगी। इनका निर्माण देश के रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम करेंगे। इस परियोजना का फायदा केवल नौसेना की युद्धक क्षमता तक सीमित नहीं रहेगा। इससे देश के स्वदेशी जहाज निर्माण उद्योग को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। परियोजना में रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों के साथ निजी शिपयार्ड, भारतीय औद्योगिक साझेदारों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भी भागीदारी होगी। इससे देश में जहाज निर्माण से जुड़े उद्योगों के बीच सहयोग और तकनीकी क्षमता मजबूत होगी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, अगले 10 वर्षों में इस परियोजना से रोजगार के बड़े अवसर पैदा होने की उम्मीद है। युद्धपोतों के निर्माण से शिपयार्ड में लगभग 72 लाख पर्सन-डे का रोजगार मिलेगा।

एएपी छोड़ने वाले तीनों विधायक बीजेपी में शामिल

● बोले-पंजाब में फिरौती इंडस्ट्री बनी, गैंगस्टर सरकार में

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के 3 विधायक भाजपा में शामिल हो गए हैं। इनमें अमृतसर नॉर्थ से कुंवर विजय प्रताप सिंह, समाना से चेतन सिंह



जौड़ामाजरा और सनौर से हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। बीजेपी जॉइन करने के बाद विधायक कुंवर ने कहा कि पंजाब में गैंगस्टर सरकार का हिस्सा बन गए हैं। फिरौती की इंडस्ट्री चल रही है। इन तीनों विधायकों ने पिछले 2 दिनों में एएपी से इस्तीफा दिया। रविवार को जौड़ामाजरा और पठानमाजरा के इस्तीफे के बाद सोमवार को कुंवर ने भी पार्टी छोड़ दी। कुंवर और पठानमाजरा ने विधानसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। कुंवर को जून 2025 में एएपी ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते 5 साल के लिए पार्टी से सस्पेंड कर दिया था।

चारधाम में हेली सेवाओं पर ब्रेक, केदारनाथ शटल जारी रहेगी

11 ऑपरेटरों के विरोध के बाद फैसला, अगले सीजन में शुरू होंगी चार्टर उड़ानें, रिफंड होंगे रुपए

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में चारधाम की चार्टर हेली सेवाओं पर पूरी तरह ब्रेक लग गया है। 11 हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों के दो पायलट अनिवार्य करने के नियम के विरोध के बाद यह फैसला लिया गया है। सोमवार को उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के बीच हुई बैठक में तय किया गया कि चार्टर हेली सेवाएं अब अगले सीजन में ही शुरू होंगी। हालांकि, केदारनाथ में शटल हेली सेवा जारी रहेगी। कंपनी के सीईओ प्रतीक जैन ने बताया कि इस सीजन में चार्टर हेली सेवाओं की ज्यादा बुकिंग नहीं हुई थी। जिन यात्रियों ने बुकिंग कराई थी, उन्हें पूरा पैसा रिफंड किया जाएगा।



हर उड़ान से पहले लेनी थी अनुमति

नए दिशा-निर्देशों में दो पायलटों की अनिवार्यता के अलावा उड़ान की अनुमति लेने की प्रक्रिया भी सख्त की गई थी। इसके तहत चार्टर हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों को उड़ान भरने से पहले सहस्रधारा में तैनात कंपनी के हेड ऑफ ऑपरेशंस से गंतव्य की मंजूरी लेनी थी। इसका उद्देश्य हेलीकॉप्टरों की आवाजाही पर निगरानी रखना और संचालन को प्रक्रिया के तहत सुनिश्चित करना था।

10 नवंबर बंद होंगे गंगोत्री के कपाट

केदारनाथ में सामान्य शटल हेली सेवाओं का संचालन जारी है। यहां कंपनी ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल का कंट्रोल रूम बनाया है। यहां से मौसम और उड़ानों की पल-पल की जानकारी के आधार पर हेलीकॉप्टरों को उड़ान की अनुमति दी जा रही है। हालांकि, नए दिशा-निर्देशों का पालन नहीं होने के कारण लंबी दूरी की पर्सनल चार्टर सेवाएं बंद हैं। वहीं, गंगोत्री के कपाट 10 नवंबर, केदारनाथ और यमुनोत्री के 11 नवंबर, जबकि बद्रीनाथ के कपाट 16 नवंबर को बंद होंगे। इसके साथ ही चारों धामों में इस साल की ग्रीष्मकालीन यात्रा का समापन हो जाएगा। दरअसल, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने चार्टर हेलीकॉप्टर सेवाओं में दो पायलट अनिवार्य करने समेत कई नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये नियम 2 नवंबर से लागू होने थे।

बेंगलुरु-पुणे होगा देश का अगला बुलेट ट्रेन कॉरिडोर

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिए संकेत, जल्द मिलेगी अनुमति

बेंगलुरु (एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु और मुंबई को जोड़ने वाली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस की पहली सेवा को हरी झंडी दिखाई। इसी के साथ, रेल मंत्री ने संकेत दिया कि प्रस्तावित बेंगलुरु-पुणे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर अगली उच्च गति रेल परियोजनाओं में शामिल हो सकता है। अन्य बुलेट परियोजनाएं भी शुरू की जानी हैं। उन्होंने कहा, भविष्य में बुलेट ट्रेन से बेंगलुरु से चेन्नई पहुंचने में सिर्फ 73 मिनट लगेंगे—एक घंटा 13 मिनट।



अगले कुछ हफ्तों में शुरू हो जाएगी वंदे भारत एक्सप्रेस

उन्होंने बताया कि बेंगलुरु-मंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस अगले कुछ हफ्तों में शुरू की जाएगी। इस मार्ग पर विद्युतीकरण और परीक्षण का काम पूरा हो चुका है। आठ मोटर कार और चार ट्रेलर कार कोच समेत 16 कोच वाली बेंगलुरु और मुंबई के बीच वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस की पहली सेवा को हरी झंडी दिखाने के बाद ट्रेन की उद्घाटन विशेष सेवा बेंगलुरु के सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीटी) से रवाना हुई।

मीडिया सेंटर के मुजफ्फरनगर गौरव सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियां सम्मानित,प्रतिभाओं का सम्मान और विरासत को किया गया नमन

























मुजफ्फरनगर। समाज को दिशा देने वाली विभूतियों के प्रति कृतज्ञता और अपनी उपलब्धियों से जनपद का मान बढ़ाने वाली प्रतिभाओं के अभिनंदन के साथ मीडिया सेंटर मुजफ्फरनगर का मुजफ्फरनगर गौरव सम्मान समारोह संपन्न हुआ। मेरठ रोड स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में आयोजित समारोह में किसान आंदोलन, सार्वजनिक जीवन, पत्रकारिता, चिकित्सा और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया। भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान, बिजनौर सांसद चंदन सिंह चौहान, कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार और राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल, सपा के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा, जिलाध्यक्ष ज़िया चौधरी, बार संघ अध्यक्ष प्रमोद त्यागी सहित अनेक विशिष्ट अतिथि समारोह के साक्षी बने। समारोह में तीन दिवंगत विभूतियों को मरणोपरांत गौरव सम्मान प्रदान कर उनके योगदान का स्मरण किया गया। जिनमें किसान मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत, यूपी के पूर्व उप मुख्यमंत्री बाबू नारायण सिंह और जनपद की पत्रकारिता के शिखर पुरुष अंकुर दुआ ने ग्रहण किया। वक्ताओं ने इन विभूतियों के जीवन और कार्यों को आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। चिकित्सा के क्षेत्र में सेवाओं के लिए देश- विदेश में प्रसिद्ध वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. मुकेश जैन को गौरव सम्मान प्रदान किया गया।

खेल जगत में अपनी उपलब्धियों से जनपद को पहचान दिलाने वाले अर्जुन पुरस्कार विजेता अनुज पहलवान और दिव्या काकरान को भी सम्मानित किया गया। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त रहे जानसठ निवासी पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. नसीम अहमद जैदी, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रहे दिल्ली के पूर्व पुलिस आयुक्त कमर अहमद की भी मुजफ्फरनगर गौरव सम्मान प्रदान करके देश में उनकी सेवा का स्मरण किया गया । मीडिया सेंटर के अध्यक्ष अनिल रॉयल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह का संयुक्त संचालन कार्यकारी अध्यक्ष बिनेश पंवार और महामंत्री डॉ. अनुज मुदगल ने किया। ह्यसशक्त मीडिया, सशक्त समाजह्व की भावना के साथ आयोजित कार्यक्रम में मीडिया सेंटर के पदाधिकारियों और सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया गया ।

समारोह को संबोधित करते हुए भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने समाज के लिए समर्पित विभूतियों के सम्मान को सार्थक पहल बताते हुए कहा कि उनके जीवन और योगदान से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने कहा कि मुजफ्फरनगर की पहचान यहां की प्रतिभाओं और उनकी उपलब्धियों से है। ऐसी हस्तियों का सम्मान पूरे जनपद का गौरव बढ़ाता है।

सांसद चंदन सिंह चौहान ने अपने दादा स्व. बाबू नारायण सिंह को मरणोपरांत मिले सम्मान पर आभार व्यक्त करते हुए उनके आदर्शों को परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर बताया।

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि समाज में सकारात्मक योगदान देने वाले लोगों को पहचान और सम्मान मिलने से दूसरों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने जनपद में प्रतिभाओं की समृद्ध परंपरा का उल्लेख करते हुए विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों को एक मंच पर सम्मानित करने के लिए मीडिया सेंटर की सराहना की।

डॉ. मुकेश जैन ने ईमानदारी, परिश्रम और सेवाभाव को कार्यजीवन का आधार बताते हुए कहा कि अच्छे कार्यों का सम्मान समाज में सकारात्मक संदेश देता है।

अर्जुन पुरस्कार विजेता और फिरोजाबाद के पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अनुज पहलवान ने खेलों में सफलता के लिए अनुशासन, निरंतर अभ्यास और कठिन परिश्रम को आवश्यक बताया।

दिव्या काकरान ने युवाओं को दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने और खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। दोनों खिलाड़ियों ने कहा कि प्रोत्साहन और सम्मान से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता है।

पूर्व विधायक नवाजिश आलम ने ऐसे आयोजनों को सामाजिक एकता और भाईचारे को मजबूत करने वाला बताया।

पूर्व मंत्री योगराज सिंह ने कहा कि समाजहित में कार्य करने वालों का सम्मान एक प्रेरणादायी परंपरा है।

जिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाल ने जनपद की प्रतिभाओं और समाजसेवियों के अभिनंदन को जिले की सकारात्मक पहचान से जोड़ा।

भाजपा की जिला मंत्री ममता अग्रवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं और युवाओं को आगे बढ़ने का प्रोत्साहन देते हैं।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्वेता कौशिक ने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले लोगों के कार्यों को सामने लाने की आवश्यकता पर बल दिया।

समारोह में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पंकज जैन, वरिष्ठ पत्रकार अंकुर दुआ, बार संघ अध्यक्ष प्रमोद त्यागी, सपा राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा, सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी, रालोद मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर, एसपी क्राइम इंदु मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम में मीडिया सेंटर के वरिष्ठ पदाधिकारी और सदस्य सतीश मलिक, आशीष यादव, दिलशाद गनी, मिर्जा गुलजार बेग, खुशी कुरैशी, राम कुमार बालियान पवन अग्रवाल, नरेश कुमार विश्वकर्मा, डॉ. आरके सिंह, डॉ. प्रवीण कुमार, सुनील वर्मा, शमशेर खान, शाहिद आलम, नरेंद्र बालियान, प्रशांत बख्शी, तंजीम आमिर, शुभम विश्वकर्मा, तनवीर मलिक, अमन खान, आफताब आलम, शिवम शर्मा, दीपक शर्मा, कमल कुमार, जोगिंदर चौधरी, आरिफ, शीश महली, शोएब मंसूरी, राजेश शर्मा, राजकुमार सैनी, ब्रह्म प्रकाश शर्मा और राजू धीमान आदि उपस्थित रहे।

इनके अतिरिक्त मोहम्मद नौशाद, मुकेश दुआ, रामनिवास, आरिफ थानवी, प्रशांत खत्री, सोनू कुमार, वासुदेव शर्मा, इश्तेखार अब्बासी, कुलदीप त्यागी, नसीम सैफी, कान्तू सिंह राठी, इकरार अफरीदी, वसीम अहमद, डॉ. तनवीर गौहर, ताहिर त्यागी, संदीप बंसल, जितेंद्र राठी, आरिफ सिद्दीकी, डॉ. केएस भोज्ञान, अमित कुमार, प्रशांत राठी, अवनीश चौहान, जुनैद, शुजा जैदी, राव एहसान, संदीप कुमार, नौशाद खान, नीरज प्रजापति, सुनील कुमार गर्ग और नवाब अली ने भी सहभागिता की।

गौरव चौटाला, मोहम्मद शाकिर, सरताज अहमद, नदीम त्यागी, नासिर खान, मोनू सिंह, शिवम चौधरी, नलिन वर्मा, धर्मेंद्र सिंह, आशीष गोयल, तहसीन गौर, विजय मुंडे, विनीत कुमार शर्मा, विपिन कुमार शर्मा, दीक्षित कुमार, सिद्धार्थ शर्मा, हर्षित, सैयद आसिफ अली, रामकुमार बालियान, पीयूष शर्मा, सचिन त्यागी, नफीस अहमद, दानिश थानवी, संजय धीमान, अनुज सैनी, कुलदीप वर्मा, अरविंद कुमार और विकास कर्णवाल सहित अनेक सदस्यों की उपस्थिति रही।

सिद्धार्थ, सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी अली अब्बास जैदी, टैक्स बार अध्यक्ष शलभ कौशिक, करण सिंह , उद्योगपति सतीश गोयल, भीम सेन कंसल, डॉक्टर शिशिर और गोहर सिद्दीकी सहित गणमान्य अतिथियों का पटका पहनाकर और स्मृति चिह्न प्रदान कर अभिनंदन किया गया।

दीपावली के उपलक्ष्य में मीडिया सेंटर के सदस्यों को प्रेम, सौहार्द और आत्मीयता के प्रतीक उपहार भी प्रदान किए गए। आयोजकों ने पत्रकारिता के सामाजिक दायित्वों का उल्लेख करते हुए पत्रकारों के बीच सहयोग, एकजुटता और परस्पर सम्मान की भावना को

अनमोल वचन

कोई व्यक्ति कितने भी परिश्रम और लगन से अपने लक्ष्यों की पूर्ति में निरंतरता बनाए रखे, फिर भी परिस्थितिवश कभी-कभी ऐसा भी होता है कि उसे सफलता न मिल पाए। तो आप इसे अपने पूर्वकृत कर्मों का फल मानकर तात्कालिक संतोष प्राप्त कर सकते हैं, किंतु अपने प्रयासों में ढील न आने दें।

आज जो कर लेंगे, वही तो कल भाग्य बनेगा। कल आप अधिक सुख प्राप्त करें, उसकी तैयारी आज नहीं करेंगे तो कब करेंगे? प्राणी की प्रकृति और उसका स्वभाव उसके पूर्व कर्मों से जोड़ा जाता है। इसलिए आज अपनी विश्वास-शक्ति को जगाकर अपने जीवन के सद्गुणों को बढ़ाने का प्रयत्न कीजिए। इससे आपका भावी जीवन निश्चय ही सुखी तथा समुन्नत हो सकेगा तथा भाग्य के संदर्भ में यह सौभाग्य की संज्ञा पाएगा। दुर्भाग्य के प्रमुख कारण मनुष्य के मनोविकार हैं। काम, क्रोध, लोभ तथा मोह आदि के रूप से मनुष्य का जीवन अपवित्र बनता है, इन्हीं से जीवन बर्बाद होता है। संक्षेप में इसी को दुर्भाग्य की संज्ञा दी जाती है। अतः मनुष्य को चाहिए कि वह इंद्रिय, मन और बुद्धि को शुद्ध बनाए रखने का अभ्यास करता रहे। इसी से भविष्य उज्ज्वल बनेगा और सौभाग्य का निर्माण होगा।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः

◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
मंगलवार 03 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



मुजफ्फरनगर में नामी स्टोर के चॉकलेट में निकले कीड़े: खाने के बाद बच्चों की बिगड़ी तबीयत, जमकर हुआ हंगामा, मौके पर पहुंची पुलिस

आदर्श कॉलोनी रिंग रोड स्थित रिलायंस स्मार्ट बाजार के स्टोर का मामला, दोबारा जांच में कई अन्य चॉकलेट में भी कीड़े मिलने का दावा

मुजफ्फरनगर। शहर के नई मंडी थाना क्षेत्र स्थित रिलायंस स्मार्ट बाजार में बिक रही चॉकलेट की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आदर्श कॉलोनी रिंग रोड स्थित स्टोर से खरीदी गई चॉकलेट में कीड़े निकलने का मामला सामने आने के बाद जमकर हंगामा हुआ। शिकायतकर्ता का आरोप है कि चॉकलेट खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। चॉकलेट खोलकर देखने पर उसके अंदर कीड़े दिखाई दिए। इतना ही नहीं, दोबारा स्टोर पहुंचकर अन्य चॉकलेट की जांच कराई गई तो उनमें भी कीड़े मिलने का दावा किया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। शिकायतकर्ता अमजद सैफी के अनुसार, उन्होंने रविवार शाम रिलायंस स्मार्ट बाजार से बच्चों के लिए चॉकलेट खरीदी थीं। रात में बच्चों ने चॉकलेट खाई तो उन्हें खांसी होने लगी और उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। बच्चों की हालत देखकर परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद चॉकलेट को अच्छी तरह खोलकर देखा गया तो उसके अंदर कीड़े दिखाई दिए। यह देखकर परिवार के लोग हैरान रह गए। उन्होंने तत्काल बच्चों को बाकी चॉकलेट खाने से रोक दिया और चॉकलेट में कीड़े होने का वीडियो बना लिया।

दोबारा स्टोर पहुंचकर खुलवाए चॉकलेट के पैकेट

अमजद सैफी का कहना है कि मामले की शिकायत लेकर वह सोमवार सुबह करीब 10 बजे अन्य लोगों के साथ दोबारा रिलायंस स्मार्ट बाजार पहुंचे। वहां स्टोर में मौजूद चॉकलेट के पैकेट और डिब्बियां खुलवाकर जांच कराई गई। शिकायतकर्ता का दावा है कि इस दौरान कई अन्य चॉकलेट में भी कीड़े दिखाई दिए। इसके बाद स्टोर में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उनके भंडारण के तरीके को लेकर लोगों ने सवाल उठाए। देखते ही देखते मौके पर हंगामे की स्थिति बन गई।

चाकलेट खाने से बच्चों की तबीयत खराब

शिकायतकर्ता अमजद सैफी के



मुताबिक, चॉकलेट खाने के बाद बच्चों की तबीयत अभी भी खराब है। वह बच्चों को चिकित्सक के पास लेकर जा रहे हैं। उनका आरोप है कि इतनी गंभीर शिकायत के बावजूद स्टोर प्रबंधन की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। अमजद सैफी का कहना है कि उन्होंने मैनेजर से बात करने का प्रयास किया, लेकिन मैनेजर नीचे आकर उनसे बातचीत करने को तैयार नहीं हुए। इससे नाराज लोगों ने स्टोर प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मैनेजर ने बयान देने से किया इनकार, पुलिस भी पहुंची

मामले को लेकर रिलायंस स्मार्ट बाजार के मैनेजर विवेक शर्मा से बातचीत की गई तो उन्होंने कोई भी बयान देने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि कंपनी की ओर से उन्हें इस मामले में बयान देने की अनुमति नहीं है। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। खबर लिखे जाने तक स्टोर पर हंगामे की स्थिति बनी हुई थी।

खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच पर टिकी निगाहें

इस पूरे मामले में अब खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। चॉकलेट में कीड़े मिलने की शिकायत के बाद संबंधित उत्पादों के नमूने लेकर उनकी प्रयोगशाला में जांच कराना जरूरी है। साथ ही स्टोर में रखे अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, पैकेजिंग, एक्सपायरी डेट और भंडारण की स्थिति की भी जांच होनी चाहिए। फिलहाल शिकायतकर्ता की ओर से लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और विभागीय जांच के निष्कर्ष सामने आना बाकी है। यदि जांच में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से संबंधित गड़बड़ी प्रमाणित होती है तो संबंधित जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई हो सकती है। बच्चों की तबीयत बिगड़ने की शिकायत ने अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। अब देखना होगा कि खाद्य सुरक्षा विभाग इस मामले में कितनी तेजी से कार्रवाई करता है और स्टोर में बिक रहे खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता की जांच कब तक पूरी होती है।

मुजफ्फरनगर में खुजली की मरीज को दे दी दर्द निवारक दवा: सरकारी डाक्टर की लापरवाही से बिगड़ी महिला की तबीयत, सीएमओ ने बैठाई जांच

मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग में मचा हडकंप: सीएचसी शाहपुर प्रभारी को सौंपी गई जांच

मुजफ्फरनगर। जनपद के स्वास्थ्य महकमे से जुड़ी एक और लापरवाही का मामला सामने आया है। शाहपुर क्षेत्र स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) गोयला पर उपचार कराने पहुंची एक महिला मरीज को खुजली और एलर्जी के स्थान पर दर्द निवारक दवा थमा दी गई। गलत दवा के सेवन से महिला की तबीयत बिगड़ने पर मामला मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल तक पहुंच गया। शिकायती पत्र का संज्ञान लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने मामले की जांच शुरू करा दी है और संबंधित चिकित्सक से स्पष्टीकरण तलब किया है। खुजली की जगह थमा दी दर्द निवारक दवा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोयला गांव निवासी एक महिला कुछ दिन पहले त्वचा में खुजली और एलर्जी की समस्या लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोयला पहुंची थी। आरोप है कि पीएचसी प्रभारी डॉ. रमाशंकर को अपनी समस्या बताने के बावजूद उन्हें खुजली की दवा देने के बजाय दर्द निवारक (पेनकिलर) दवा लिख दी गई और अस्पताल की फार्मेसी से दे भी दी गई। महिला ने जब इस दवा का सेवन किया, तो उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और कई तरह की शारीरिक



परेशानियां शुरू हो गईं।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत के बाद विभागीय जांच

चिकित्सक की इस घोर लापरवाही से आक्रोशित पीड़िता ने पूरे मामले की ऑनलाइन शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी विस्तृत जांच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शाहपुर के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. ओमप्रकाश जायसवाल को सौंपी।

जांच रिपोर्ट तैयार, महिला ने कार्रवाई से किया इनकार

इस मामले की जांच अधिकारी डॉ. ओमप्रकाश जायसवाल ने बताया कि आरोपी चिकित्सक डॉ. रमाशंकर को नोटिस जारी कर लिखित स्पष्टीकरण मांगा गया था और पीड़ित महिला मरीज से भी पूरी जानकारी जुटाई गई। जांच में यह पुष्टि हुई कि दवा लेने के बाद महिला की तबीयत असहज हुई थी। हालांकि, जांच प्रक्रिया के दौरान महिला ने आगे कोई कठोर कार्रवाई न कराने की इच्छा जताई है। जांच में यह स्पष्ट नहीं हो सका कि महिला को दी गई दवा वास्तव में दर्द निवारक थी या नहीं। जांच अधिकारी के अनुसार, पूरे प्रकरण की रिपोर्ट तैयार कर सीएमओ को भेजी जा रही है। अब स्वास्थ्य विभाग की जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

मुजफ्फरनगर कोर्ट का 13 साल पुराने मामले में फैसला: दंगे के दौरान बुजुर्ग महिला की मौत के आठ आरोपी दोषमुक्त, एक आरोपी की हो चुकी थी मौत

साक्ष्यों के अभाव में अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में रहा नाकाम, दो प्राथमिकी, मेडिकल रिपोर्ट और गवाहों के बयानों में मिलीं विसंगतियां

मुजफ्फरनगर/शामली। वर्ष 2013 में मुजफ्फरनगर दंगे के दौरान शामली जनपद के लांक गांव में बुजुर्ग महिला सकूरन की गैर इरादतन हत्या के मामले में अदालत ने आठ आरोपियों को दोषमुक्त करार दिया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी अनुराग पंवार ने साक्ष्यों के अभाव और अभियोजन पक्ष की ओर से आरोप सिद्ध नहीं कर पाने के आधार पर यह फैसला सुनाया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान एक आरोपी की मौत हो चुकी थी। मामला सात सितंबर 2013 को नंगला मंदौड़ में हुई पंचायत के बाद मुजफ्फरनगर और आसपास के क्षेत्रों में भड़के दंगे से जुड़ा है। आठ सितंबर की रात शामली जिले के लांक गांव में 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला सकूरन के सिर पर वार किया गया था। घटना के बाद घायल महिला को पुलिस सुरक्षा में पहले शामली और फिर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। बाद में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई थी। मृतका के बेटे युसूफ सैफी ने 21 अक्टूबर को दर्ज कराई गई प्राथमिकी में गांव लांक निवासी वीरेंद्र, विकास, अंकुर, जगपाल, अरविंद, मोहित, अनुज, संदीप और बागपत के सुन्हेड़ा निवासी दीपक को आरोपी बनाया था। आरोप था कि आरोपियों ने घर पर हमला कर उनकी मां को घायल कर दिया था। पुलिस ने विवेचना के बाद आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धाराओं में आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया था।

एक आरोपी की मौत हो चुकी, पांच गवाहों के हुए बयान

मुकदमे की सुनवाई के दौरान सुन्हेड़ा निवासी दीपक की मृत्यु हो गई थी। अदालत में आठ अगस्त 2017 को आरोप तय किए गए। अभियोजन पक्ष की ओर से अपने मामले को साबित करने के लिए पांच गवाह पेश किए गए, लेकिन गवाहों के बयानों और



चिकित्सकीय साक्ष्यों में कई विरोधाभास सामने आए। इन परिस्थितियों में अदालत ने शेष आठ आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया।

दो प्राथमिकी और मेडिकल रिपोर्ट में सामने आईं विसंगतियां

अदालत में सुनवाई के दौरान सामने आया कि सकूरन की मौत के मामले में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराई गई थीं। एक प्राथमिकी मृतका के बेटे युसूफ सैफी ने दर्ज कराई थी, जबकि दूसरी प्राथमिकी कैराना राहत शिविर में साजिद की ओर से दी गई थी। दोनों प्राथमिकी की जांच एक साथ की गई, लेकिन उनमें सामने आए तथ्यों में अंतर पाया गया। इसके अलावा प्राथमिकी दर्ज होने, पंचायतनामा तैयार किए जाने और मेडिकल परीक्षण से संबंधित तथ्यों में भी कई विसंगतियां थीं। अभिलेखों के अनुसार, घायल सकूरन को नौ सितंबर को जिला अस्पताल लाया गया था। 10 अक्टूबर को चिकित्सकों ने उनकी जांच की थी। परिजनों ने 12 सितंबर को अपनी इच्छा से उन्हें अस्पताल से रेफर करा लिया था। इसके बाद के उपचार से संबंधित मेडिकल हिस्ट्री उपलब्ध नहीं हो सकी। 21 अक्टूबर को कैराना में बुजुर्ग महिला की मौत हुई थी। मामले में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी सामने आया कि वादी युसूफ सैफी और उनकी पत्नी ने अदालत में प्रत्यक्षदर्शी होने से इन्कार कर दिया। ऐसे में घटना के संबंध में अभियोजन पक्ष को प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्य का समर्थन नहीं मिल सका।

सबूतों की कड़ियां टूटने और विरोधाभासों से बरी हुए आरोपी

अदालत में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष आरोपों को पूरी तरह साबित करने में नाकाम रहा। फैसले के पीछे मुख्य वजहें निम्नलिखित रहीं:

दो अलग-अलग प्राथमिकियां और विरोधाभास: मामले में वादी युसूफ सैफी के अलावा कैराना राहत शिविर में साजिद की ओर से दूसरी प्राथमिकी दी गई थी। दोनों की एक साथ जांच में तथ्यों में भिन्नता पाई गई।

मुजफ्फरनगर में त्योहारों पर शाम को नहीं होगी बिजली कटौती: विद्युत विभाग ने जारी किए सख्त निर्देश, उपकेंद्रों पर अलर्ट रहेंगे कर्मचारी

शाम 5:30 से रात 10:30 बजे तक निर्बाध रहेगी बिजली आपूर्ति, मुख्य लाइनों, फीडरों और ट्रांसफॉर्मरों की निगरानी के आदेश

मुजफ्फरनगर। त्योहारों के दौरान शहर और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति सुचारू बनाए रखने के लिए विद्युत विभाग ने विशेष इंतजाम किए हैं। त्योहारों पर शाम के समय बिजली गुल होने की समस्या से लोगों को राहत देने के उद्देश्य से विभाग ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि शाम 5:30 बजे से रात 10:30 बजे तक किसी भी व्यक्तिगत शिकायत के आधार पर बिजली शटडाउन नहीं लिया जाएगा। इस दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता ने रविवार शाम को वर्चुअल बैठक कर सभी उपकेंद्र संचालकों (एसएसओ) और संबंधित तकनीकी एवं फील्ड कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में स्पष्ट किया गया कि त्योहारों के दौरान शाम का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है।



इस दौरान बाजारों में खरीदारी, धार्मिक आयोजनों और घरों में पूजा-पाठ सहित विभिन्न गतिविधियां होती हैं। ऐसे में बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। विभाग की ओर से जारी निदेर्शों के मुताबिक, शाम 5:30 बजे से रात 10:30 बजे तक व्यक्तिगत शिकायतों के आधार पर बिजली आपूर्ति बंद नहीं की जाएगी। यदि किसी उपभोक्ता की ओर से इस दौरान बिजली संबंधी शिकायत की जाती है तो उसे दर्ज किया जाएगा। शिकायत का निस्तारण रात 10:30 बजे के बाद अथवा स्थिति सामान्य होने पर प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। त्योहारों के दौरान बिजली व्यवस्था में किसी तरह की बाधा न आए, इसके लिए मुख्य विद्युत लाइनों, फीडरों और ट्रांसफॉर्मरों की निगरानी पर विशेष जोर दिया गया है। सभी उपकेंद्र संचालकों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्क रहने और तकनीकी कर्मचारियों को आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सक्रिय होने के निर्देश दिए गए हैं।

लापरवाही पर विभागीय स्तर से होगी निगरानी अधिशासी अभियंता ने कर्मचारियों को निदेर्शों का सख्ती से पालन करने को कहा है। साथ ही उपकेंद्रों पर पर्याप्त सतर्कता बनाए रखने और बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग की इस व्यवस्था से त्योहारों के दौरान शाम के समय बिजली कटौती से होने वाली परेशानियों में कमी आने की उम्मीद है।

मुजफ्फरनगर:खतौली में अवैध क्लीनिकों पर स्वास्थ्य विभाग की स्ट्राइक: दो अपंजीकृत क्लीनिक सील

खतौली (मुजफ्फरनगर)। जनपद में बिना वैध पंजीकरण और निर्धारित अहर्ता के अवैध रूप से संचालित हो रहे क्लीनिकों, अस्पतालों, नर्सिंग होम, डेंटल सेंटरों और पैथोलॉजी लैबों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) डॉ. सुनील तेवतिया के निदेर्शों के अनुपालन में सोमवार को चलाए गए विशेष सघन जांच अभियान के दौरान खतौली में दो क्लीनिकों को सील कर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की इस बड़ी कार्रवाई से झोलाछाप और अवैध चिकित्सा संचालकों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। शिकायत के बाद एक्शन मोड में आई स्वास्थ्य विभाग की टीम

प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लेते हुए ब्लॉक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एवं उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवनीश कुमार सिंह के नेतृत्व में



स्वास्थ्य विभाग की टीम ने खतौली क्षेत्र के विभिन्न चिकित्सा प्रतिष्ठानों पर औचक छापेमारी की। टीम की इस अचानक जांच से क्षेत्र में फर्जी तरीके से चल रहे क्लिनिकों के शटर धड़ाधड़ गिरने लगे। न मिला पंजीकरण, न दिखा सके चिकित्सकीय योग्यता की डिग्री

जाँच के दौरान स्वास्थ्य टीम ने संचालकों से चिकित्सा प्रतिष्ठान के वैध पंजीकरण और उनकी चिकित्सकीय शैक्षिक योग्यता से जुड़े अभिलेख प्रस्तुत करने को कहा। हालांकि, मौके पर संचालक न तो कोई वैध दस्तावेज दिखा सके और न ही टीम के सवालों का कोई संतोषजनक उत्तर दे पाए। इस्लामनगर और सद्दीक नगर में सीलिंग की सख्त कार्रवाई अभिलेखों के अभाव और स्वास्थ्य नियमों के उल्लंघन पर तुरंत संज्ञान लेते हुए डॉ. अवनीश कुमार सिंह एवं उनकी टीम ने खतौली नगरीय क्षेत्र के मोहल्ला इस्लामनगर और सद्दीक नगर में स्थित क्लीनिकों को नियमानुसार नोटिस थमाया। इसके पश्चात त्वरित विधिक कार्रवाई करते हुए अहमद क्लिनिक और प्राइमरी हेल्थ केयर सेंटर क्लिनिक को पूरी तरह सील कर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को सुरक्षित, प्रामाणिक और मानक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। बिना आवश्यक योग्यता और पंजीकरण के लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा। अधिकारियों के अनुसार अपंजीकृत क्लिनिकों, पैथोलॉजी लैबों और अस्पतालों के खिलाफ यह जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

मुजफ्फरनगर में 720 नशीले कैप्सूल के साथ तस्कर गिरफ्तार: संदिग्धों व वाहन चैकिंग के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी, मुख्य सप्लायर की तलाश तेज

नशे के काले कारोबार पर मुजफ्फरनगर पुलिस का प्रहार, इसके नेटवर्क का पता लगा रही है पुलिस

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में अवैध नशीली दवाओं की तस्करी और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नई मंडी थाना पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। मेरठ-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर सघन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 720 प्रतिबंधित स्पासमोविल-प्लस कैप्सूल बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कासिफ निवासी अंबा विहार के रूप में हुई है, जबकि इस काले कारोबार का मुख्य आपूर्तिकर्ता (सप्लायर) फरार बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उपनिरीक्षक अनुभव चौधरी पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था के तहत चेकिंग अभियान पर थे। नसीरपुर की नई पुलिया के समीप संदिग्ध वाहनों और



व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान मेरठ-हरिद्वार हाईवे पर स्थित एक धर्मकांटे के पास काले रंग का बैग लेकर खड़ा एक युवक पुलिस टीम को देखकर छिपने का प्रयास करने लगा। पुलिस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर उसे हिरासत में ले लिया। आरोपी के पास मौजूद बैग की तलाशी लेने पर तीन डिब्बों में सहेज कर रखे गए कुल 720 नशीले कैप्सूल बरामद हुए। पुलिस हिरासत में ली गई कड़ाई से पूछताछ के दौरान आरोपी कासिफ ने स्वीकार किया कि वह कम समय में अधिक मुनाफा कमाने के लालच में इन प्रतिबंधित कैप्सूलों को मुजफ्फरनगर और आसपास के इलाकों में अवैध रूप से बेचने जा रहा था। आरोपी ने आगे खुलासा किया कि उसने यह नशीली खेप सचिन गुप्ता नाम के व्यक्ति से खरीदी थी। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने सचिन गुप्ता को भी मुकदमे में नामजद कर उसकी तलाश तेज कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीओ नई मंडी राजू कुमार साव और ड्रग इंस्पेक्टर देशबंधु विमल तुरंत मौके पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों की प्रत्यक्ष मौजूदगी में बरामद दवाओं की गिनती और तौल कराई गई। पुलिस ने 720 स्पासमोविल-प्लस कैप्सूल बरामद किये हैं, जिनका कुल वजन 277.2 ग्राम (प्रति कैप्सूल वजन 385 मिलीग्राम) पाया गया। इस दवा के साल्ट में एसिटामिनोफिन, ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड और डाइक्लोमाइन हाइड्रोक्लोराइड पाया गया है। ड्रग इंस्पेक्टर देशबंधु विमल ने स्पष्ट किया कि इन दवाओं का विक्रय केवल पंजीकृत चिकित्सक के पर्चे पर ही अधिकृत मेडिकल स्टोर के माध्यम से किया जा सकता है। बिना पर्चे और लाइसेंस के इनका भंडारण व परिवहन अवैध है।

मुजफ्फरनगर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की जिला कार्यसमिति घोषित: 41 सदस्यीय जिला कार्यसमिति में नए चेहरों को जिम्मेदारी

संगठन के जिलाध्यक्ष विजय वर्मा ने जारी की पदाधिकारियों व सदस्यों की सूची

मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग मोर्चा (पश्चिम क्षेत्र) ने जनपद मुजफ्फरनगर की नई जिला कार्यसमिति की आधिकारिक घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की अनुमति, पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल की संस्तुति तथा क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीमान सुनील भाटी व जिलाध्यक्ष डॉ. सुधीर सैनी की स्वीकृति के बाद मुजफ्फरनगर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष विजय वर्मा ने 41 सदस्यों व पदाधिकारियों की यह सूची जारी की है। संगठन को सर्वसमावेशी और अधिक सक्रिय बनाने के उद्देश्य से नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इस जारी सूची के अनुसार, मोर्चा ने संगठन के विस्तार के लिए अनुभवी और समर्पित कार्यकर्ताओं पर दांव लगाया है। जिला उपाध्यक्ष पद पर ड० सतीश सैनी, सुक्कड सिंह, प्रदीप बालियान, अशोक धीमान, सतनाम बंजारा, मनोज राठी, अमित कसाना और रजत धीमान को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, संगठन की मुख्य धुरी माने जाने वाले जिला महामंत्री पद पर तरुण पाल, राकेश प्रजापति और



रामनरेश को मनोनीत किया गया है।

जिला मंत्रियों व कोषाध्यक्षों की घोषणा

मोर्चा ने 8 कार्यकताओं को जिला मंत्री के पद से नवाजा है, जिनमें हरेन्द्र पाल, इन्दर कश्यप सिंह, हिमांशु सैनी, राजन वालिया, जितेन्द्र प्रधान साल्लाखेडी, मोहित नाथवंशी उपाध्यक्ष, सन्नी वर्मा और देवेन्द्र पाल शामिल हैं। वित्त व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए मन्दर सैनी प्रधान को जिला कोषाध्यक्ष तथा अमित पाल को जिला सह कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

संगठन के प्रचार-प्रसार व डिजिटल उपस्थिति को मजबूत करने के लिए मीडिया और आईटी टीम का भी गठन किया गया है। इसमें जिला मीडिया संयोजक: प्रवीण वर्मा, जिला मीडिया सहसंयोजक: सुरेश आर्य एवं सुनील चाहल, जिला सोशल मीडिया संयोजक: संदीप प्रजापति रोहिया, जिला सोशल मीडिया सहसंयोजक: जोनी गुर्जर, जिला आईटी संयोजक: निशांत धीमान, जिला आईटी सहसंयोजक: जैकी राज सैनी, जिला कार्यालय प्रभारी: अभिनव काकारान तथा

जिला सह कार्यालय प्रभारी: नरेन्द्र प्रजापति शामिल हैं। 11 वरिष्ठ कार्यकताओं को मिली कार्यसमिति सदस्य के रूप में जगह

इसके अतिरिक्त 11 प्रमुख कार्यकताओं को जिला कार्यसमिति सदस्य के रूप में शामिल किया गया है, जो संगठन के अभियानों को धरातल पर गति प्रदान करेंगे। इनमें हरपाल गोपाल कश्यप, संजय प्रजापति, धीर सिंह सैनी, अरविन्द प्रधान खिंदडिया, मनीष सैनी, सुनील सैनी, आलोक प्रजापति, योगी अनिल नाथ, अनुज पाल, डॉ० महेश सैनी और पुष्पेन्द्र गुर्जर शामिल हैं।

पश्चिमी यूपी की हवा फिर जहरीली: मुजफ्फरनगर में 256 पर पहुंचा प्रदूषण स्तर, मेरठ और बागपत समेत रेड जोन में, सांस लेना हुआ मुश्किल

बागपत का एक्यूआई 357 और मेरठ का 327 पहुंचा, दीपावली तक बढ़ सकती हैं मुश्किलें

मुजफ्फरनगर/मेरठ। मौसम में बदलाव के साथ ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश की हवा एक बार फिर जहरीली होने लगी है। मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर और आसपास के शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) तेजी से बढ़ रहा है। सोमवार सुबह सामने आए आंकड़ों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बागपत का एक्यूआई 357 और मेरठ का 327 दर्ज किया गया, जबकि गाजियाबाद में 281 और मुजफ्फरनगर में 256 तक पहुंच गया। बागपत और मेरठ की हवा बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई है। वहीं मुजफ्फरनगर और गाजियाबाद में भी प्रदूषण का स्तर खराब श्रेणी में बना हुआ है। दीवाली का त्योहार नजदीक आते ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हवा में प्रदूषण बढ़ने के कारण लोगों को सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन और गले में खराश जैसी समस्याएं होने लगी हैं। सुबह और शाम के समय स्थिति अधिक परेशान करने वाली है। मौसम में ठंडक बढ़ने, हवा की गति कम होने और वातावरण में प्रदूषक तत्वों के जमाव से प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। दीपावली नजदीक आने के साथ आतिशबाजी से प्रदूषण में और इजाफा होने की आशंका है। मुजफ्फरनगर, मेरठ और बागपत समेत रेड जोन में शामिल हो गये हैं।

मुजफ्फरनगर में 256 पहुंचा एक्यूआई

मुजफ्फरनगर में भी हवा की गुणवत्ता लगातार प्रभावित हो रही है। रविवार को जिले का एक्यूआई 212 रिकॉर्ड किया गया था, जो सोमवार को 256 पर पहुंच गया है। सुबह और शाम के समय कोहरे का असर दिखाई दिया। आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी की शिकायतें भी सामने आने लगी हैं। शनिवार रात न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार तड़के रोहाना कलां, भोपा और पीनना समेत कई क्षेत्रों में कोहरे की चादर छाई रही। कोहरे के कारण सुबह के समय सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी रही। हालांकि दिन में धूप निकलने से लोगों को ठंड से राहत मिली। दोपहर के समय हवा की गुणवत्ता



में कुछ सुधार दिखाई दिया, लेकिन शाम होते-होते प्रदूषण का स्तर फिर बढ़ गया। रविवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि शनिवार को अधिकतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस था।

बुढ़ाना में प्रदूषण का ज्यादा असर

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हवा की गुणवत्ता का असर अलग-अलग दिखाई दे रहा है। बुढ़ाना में प्रदूषण की स्थिति अधिक खराब बताई गई है। इसके अलावा शहर की भरतिया कॉलोनी, मोती बाजार और गांधीनगर में भी प्रदूषित हवा के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मास्क लगाएं, गर्म पानी पिएं : सीएमओ

सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया ने प्रदूषण से बचाव के लिए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि हवा की गुणवत्ता खराब होने पर मास्क का प्रयोग करना चाहिए। इससे सांस संबंधी रोगियों को राहत मिल सकती है। आंखों में जलन से बचने के लिए चश्मे का इस्तेमाल करें। मौसम में उतार-चढ़ाव को देखते हुए सुबह और शाम गर्म पानी का सेवन करें। उन्होंने बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की अपील की। साथ ही मौसम के अनुसार कपड़े पहनने और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही नहीं बरतने की सलाह दी। बागपत की हवा सबसे ज्यादा खराब, मेरठ भी रेड जोन में

सोमवार सुबह के आंकड़ों के अनुसार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों में बागपत की स्थिति सबसे खराब रही। यहां एक्यूआई 357 रिकॉर्ड किया गया। मेरठ में 327, गाजियाबाद में 281 और मुजफ्फरनगर में 256 एक्यूआई दर्ज हुआ। बागपत और मेरठ में हवा बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई है। इन शहरों में रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार हवा में मौजूद सूक्ष्म प्रदूषक कण फेफड़ों और श्वसन तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं।

संपादकीय

दिल्ली की हवा क्यों नहीं हो रही साफ?

इस रिपोर्ट से स्पष्ट है कि प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए केवल तात्कालिक उपाय पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इसके मूल कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत अध्ययन और उसके नतीजों के अनुरूप कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता है।देश की राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण एक ऐसी समस्या बन गई है, जिसके समाधान के लिए अपनाए जा रहे तमाम उपाय कारगर साबित नहीं हो पा रहे हैं। हर साल सर्दी के मौसम में यहां की हवा में सांस लेना जोखिम भरा हो जाता है। कई बार तो वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच जाती है।सरकार की ओर से प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए विशेष नीतियां और नियम बनाए गए हैं, जिन्हें परिस्थितियों की लिहाज से सख्त करने के प्रयास भी होते रहे हैं। इनमें निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध, वाहनों पर पाबंदियां, सड़कों पर पानी का छिड़काव और आसपास के राज्यों में पराली जलाने पर रोक लगाने के उपाय प्रमुख हैं। मगर इस सबके बावजूद यहां की हवा की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा है। ऊर्जा एवं स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र (सीआरईए) की ओर से हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में भी इसकी तस्दीक की गई है। इसमें कहा गया है कि दिल्ली में वर्ष 2022 में चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (ग्रैप) में संशोधन के बाद पिछले चार साल में सर्दी के दौरान वायु गुणवत्ता में सतत सुधार नहीं हुआ है।इस रिपोर्ट से स्पष्ट है कि प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए केवल तात्कालिक उपाय पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इसके मूल कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत अध्ययन और उसके नतीजों के अनुरूप कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता है। राजधानी में सर्दी के मौसम में वायु प्रदूषण बढ़ने का वैज्ञानिक पहलू तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में नमी बढ़ने से प्रदूषक कणों का लंबे समय तक जमीन के करीब बने रहना है।इससे हवा में धूल, धुआं और हानिकारक गैसों की मात्रा बढ़ जाती है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक इकाइयों का उत्सर्जन, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल और पराली जलाने जैसी गतिविधियां स्थिति को गंभीर बनाती हैं।मगर सवाल है कि जब इन ज्ञात कारणों के अध्ययन के बाद ही दिल्ली में ग्रैप की व्यवस्था लागू की गई है और पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने पर रोक लगाने को लेकर भी सख्त नियम बनाए गए हैं, तो फिर क्या वजह है कि स्थिति में सुधार नहीं हो पा रहा है? सीआरईए की रिपोर्ट में भी कहा गया है कि चार साल के दौरान विभिन्न तरह के उपायों के तहत बार-बार कड़े प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद शहर में प्रदूषण का स्तर ऊंचा बना रहा।ऐसे में यह सवाल और भी अहम हो जाता है कि क्या दिल्ली में प्रदूषण के ज्ञात कारणों के अलावा भी कोई ऐसे स्रोत हैं, जो हवा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं?

या फिर जो योजनाएं और नियम बनाए जाते हैं, उन्हें सरकारी कागजों से बाहर निकालकर जमीनी स्तर पर प्रभावी तरीके से लागू करने में ईमानदारी, पारदर्शिता और इच्छाशक्ति का अभाव है!

जियो की छलांग और विकसित भारत की नई आर्थिक गाथा

(ललित गर्ग)



रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा।

किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में प्रवेश के बाद उसने इंटरनेट सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, डेटा की कीमतों में व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जियो की असली उपलब्धि केवल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी का दायरा विस्तृत करना है।

रिलायंस की सफलता को मुकेश अंबानी के नेतृत्व में विकसित दीर्घकालीन कारोबारी दृष्टि, बड़े निवेश और बदलते समय के अनुरूप व्यवसाय का विस्तार करने की रणनीति के संदर्भ में समझना चाहिए। धीरूभाई अंबानी ने जिस उद्यमशीलता को व्यापक जनभागीदारी और पूँजी बाजार से जोड़ने की नींव रखी, उसे आगे बढ़ाते हुए समूह ने पेट्रोकेमिकल, ऊर्जा, खुदरा व्यापार और दूरसंचार जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत की। जियो ने इस विरासत को डिजिटल युग की आवश्यकताओं से जोड़ा। इस यात्रा का संदेश स्पष्ट है-समय के साथ जो नहीं बदलता, समय उसे पीछे छोड़ देता है, जो समय की आहट पहचान लेता है, वही भविष्य की दिशा तय करने लगता है। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता ने इस यात्रा को नया आयाम दिया। लगभग 30,213 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूँजीकरण 12.5 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुँच गया और कारोबार के पहले दिन यह देश की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। रिलायंस समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य भी टाटा समूह से आगे निकल गया। ये आँकड़े भारतीय पूँजी बाजार के बदलते स्वरूप और डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेशकों के विश्वास को दर्शाते हैं। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि बाजार पूँजीकरण कंपनियों के मूल्यांकन का पैमाना है, आम नागरिक की समृद्धि का नहीं। शेयर बाजार में ऊँचाई तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अर्थव्यवस्था की जड़ों तक पहुँचे।

इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदत्त अनंत अंबानी का भावपूर्ण वक्तव्य चर्चाओं में हैं, उन्होंने इस व्यावसायिक उपलब्धि को पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक संवेदना से जोड़कर अर्थ के साथ अध्यात्म के महत्व को उजागर किया है। उन्होंने कारोबार की तुलना पूजा से और शेयरों को प्रसाद की तरह देश के साथ साझा करने की भावना से की। उनके शब्दों में कृतज्ञता, पारिवारिक विरासत और लाखों ग्राहकों के योगदान की स्वीकृति थी। मुकेश अंबानी का भावुक होना भी इस बात का प्रतीक था कि किसी बड़ी उपलब्धि के पीछे वर्षों का परिश्रम, संघर्ष, विश्वास और पीढ़ियों के सपने जुड़े होते हैं। यहाँ एक विचार विशेष रूप से उल्लेखनीय है-व्यापार केवल लाभ कमाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास अर्जित करने का माध्यम भी है। जब कोई कंपनी अपनी सफलता में कर्मचारियों, तकनीशियनों, साझेदारों और उपभोक्ताओं के योगदान को स्वीकार करती है, तब उद्यम का मानवीय पक्ष सामने आता है। फलदार वृक्ष जितना ऊँचा होता है, उसकी शाखाओं में उतनी ही विनम्रता होनी चाहिए। यही विनम्रता किसी कारोबारी साम्राज्य को स्थायी प्रतिष्ठा प्रदान करती है। अनंत अंबानी की पशुसेवा और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता भी इसी व्यापक सामाजिक उत्तरदायित्व के संदर्भ में देखी जा सकती है। उद्योग की वास्तविक प्रतिष्ठा तब बढ़ती है, जब आर्थिक प्रगति के साथ जीवों के प्रति करुणा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी आगे बढ़े।

दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशंस लिमिटेड (एचएफसीएल) के संस्थापक एवं उद्योगपति महेंद्र नाहटा ने जियो के ऐतिहासिक लॉन्चिंग समारोह में सहभागिता करते हुए इसे भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और आध्यात्मिक संवेदना का अनूठा संगम बताया। उनके अनुसार, जियो की यह उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल सामर्थ्य, उद्यमशीलता और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा का प्रतीक है। उनके अनुसार अनंत अंबानी के आशीर्वाद, संस्कार और जनभागीदारी से जुड़े भावपूर्ण उद्बोधन ने इस आयोजन को मानवीय संवेदनाओं की विशिष्ट ऊँचाई प्रदान की। निस्संदेह, जियो की यह उड़ान नए भारत के आत्मविश्वास, नवाचार और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला ऐतिहासिक अध्याय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, डिजिटल भुगतान, आधारभूत डिजिटल सुविधाओं और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने वाली पहलों ने देश के तकनीकी परिवर्तन के लिए अनुकूल वातावरण बनाया है। इस विकास में सरकार की नीतियों, निजी क्षेत्र के निवेश, वैज्ञानिक प्रतिभा और करोड़ों नागरिकों की भागीदारी का साझा योगदान है। जियो ने इस वातावरण का उपयोग करते हुए डिजिटल संपर्क का विस्तार किया। भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी इसी व्यापक विकास यात्रा का हिस्सा है। परंतु आर्थिक आकार के साथ प्रति व्यक्ति आय, गुणवत्तापूर्ण रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। आगे की चुनौती और भी बड़ी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बादल आधारित संगणना, अंतरिक्ष से संपर्क और नई डिजिटल सेवाओं में निवेश भारत के लिए व्यापक अवसर पैदा कर सकता है। मगर तकनीक का लाभ तभी समावेशी होगा, जब ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत संपर्क, डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और व्यक्तिगत आँकड़ों की गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। दूरसंचार कंपनियों को सेवा की गुणवत्ता, उचित कीमत और उपभोक्ता हितों के बीच संतुलन बनाना होगा। टाटा, एयरटेल और दूसरे भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धा भी इस क्षेत्र को अधिक सक्षम बना सकती है। एक हाथ से ताली नहीं बजती-विकसित भारत के निर्माण में सरकार, उद्योग, निवेशक, श्रमिक और उपभोक्ता सभी की भूमिका है।

रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा। आर्थिक विकास का उद्देश्य केवल कुछ कंपनियों को वैश्विक शक्ति बनाना नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के जीवन में स्थिरता, सम्मान और अवसर लाना होना चाहिए। वस्तुतः जियो की उपलब्धि नए भारत की उस आकांक्षा का प्रतीक है, जो तकनीक में आत्मविश्वास, व्यापार में विस्तार और विश्व अर्थव्यवस्था में नेतृत्व चाहती है। किंतु मंजिल अभी दूर है। सच्ची सफलता वह नहीं, जहां कुछ लोग शिखर पर पहुँच जाएं, सच्ची सफलता वह है, जहाँ शिखर तक पहुँचने के रास्ते सबके लिए खुलें। रिलायंस की यह आर्थिक छलांग तभी इतिहास में स्थायी स्थान बनाएगी, जब इसके साथ रोजगार बढ़ेगा, आय की विषमता घटेगी और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचेगी। यही विकसित भारत का सार है-समृद्ध उद्योग, सक्षम नागरिक और संवेदनशील समाज।

अनंत अंबानी ने जियो के नाम में छिपे आशीर्वाद के भाव को जिस आत्मीयता से अभिव्यक्त किया, वह भारतीय संस्कृति, पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक चेतना का सुंदर संगम है। उन्होंने कहा कि माँ कहती है-जियो मेरे लाल, दादी कहती हैं-जुग-जुग जियो और दोस्त कहते हैं-जियो मेरे यार। इस तरह 'जियो' केवल एक व्यावसायिक नाम नहीं, बल्कि शुभकामना, आशीर्वाद, स्नेह और मंगलकामना का जीवंत संदेश बन जाता है। जब उन्होंने कारोबार को पूजा और शेयरों को प्रसाद की संज्ञा दी, तब उन्होंने आर्थिक उपलब्धि को जनभागीदारी और कृतज्ञता से जोड़ने का अनूठा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। सचमुच, जब व्यापार में आशीर्वाद का भाव और सफलता में समाज की साझेदारी जुड़ जाए, तब उद्यम केवल समृद्धि का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास का उत्सव बन जाता है।

-लेखक, पत्रकार, स्तंभकार।
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अच्छा दिखना या अच्छा होना, असली परीक्षा तब होती है जब कोई देख नहीं रहा होता

(संध्या अग्रवाल)

किसी ने हमारी अच्छाई देखी नहीं, हमारी मदद की किसी ने तारीफ नहीं की और हमारे सही निर्णय का किसी को पता ही नहीं चला, तब भी क्या हम वही करेंगे, जो सही है? शायद यही वह सवाल है जो हमें अपने भीतर झांकने के लिए मजबूर करता है। दरअसल, अच्छा होना और अच्छा दिखना, सुनने में भले ही एक जैसे लगें, लेकिन इनके बीच बहुत महीन अंतर है। अच्छा होना हमारे भीतर से आता है, जबकि अच्छा दिखना दूसरों की नजर पर निर्भर करता है। एक के लिए किसी दर्शक की जरूरत नहीं होती, दूसरे के लिए दर्शक जरूरी हो जाता है।

मनुष्य को समाज में सम्मान चाहिए, उसे अपनी छवि की चिंता रहती है। इसमें कुछ गलत भी नहीं है। समस्या तब शुरू होती है जब दूसरों की नजर हमारे व्यवहार की दिशा तय करने लगती है और हम सही काम इसलिए करने लगते हैं कि लोग हमें अच्छा समझें। किसी जरूरतमंद की मदद करना, किसी भूखे को भोजन देना, किसी गरीब बच्चे की फीस भरना या किसी सामाजिक कार्य में सहयोग करना निश्चित रूप से अच्छी बात है।

आज ऐसे कामों को सार्वजनिक करने के अवसर भी बहुत हैं। कभी किसी तस्वीर के माध्यम से, कभी किसी पोस्ट के जरिए। इसका एक सकारात्मक पक्ष भी है। अच्छे काम सामने आएंगे, तो दूसरे लोग प्रेरित हो सकते हैं। कोई पहल व्यापक रूप ले सकती है। लेकिन अगर उस अच्छे काम की कोई तस्वीर न बने, कोई उसे जानने वाला न हो, कोई प्रशंसा न मिले, तो क्या हम तब भी वही काम करेंगे?

अच्छाई की असली परीक्षा अक्सर उन्हीं जगहों पर होती है, जहां कोई कैमरा नहीं होता। किसी प्रभावशाली व्यक्ति के सामने विनम्र होना आसान है, लेकिन उस व्यक्ति के प्रति सम्मान बनाए रखना, जिससे हमारा कोई काम नहीं निकलना, हमारे चरित्र की बड़ी परीक्षा है। किसी वरिष्ठ की गलती पर चुप रहना और किसी कमजोर व्यक्ति की छोटी-सी भूल पर कठोर हो जाना हमारे भीतर के उस अंतर को दिखाता है, जिसे बाहरी छवि छिपा नहीं सकती। रिश्तों में भी अच्छा दिखने और अच्छा होने का अंतर बहुत साफ दिखाई देता है। कई बार हम बाहर की दुनिया में बेहद सभ्य, धैर्यवान और समझदार दिखाई देते हैं, लेकिन घर लौटते ही हमारा व्यवहार बदल जाता है। हम किसी अनजान व्यक्ति की परेशानी देखकर तुरंत संवेदनशील हो जाते हैं, लेकिन घर के किसी अपने की चुप्पी को समझने का धैर्य नहीं रखते। बाहर किसी की भावनाओं का सम्मान करते हैं, लेकिन अपने ही परिवार के सदस्य की बात बीच में काट देते हैं। क्या हमारी अच्छाई उन लोगों तक सीमित है, जिनके सामने हमें अच्छा दिखाई देना है? कभी-कभी हम अपने बारे में एक ऐसी छवि बना लेते हैं, जिसे बचाना वास्तविकता सुधारने से अधिक महत्वपूर्ण लगने लगता है। अगर लोग हमें ईमानदार मानते हैं, तो अपनी गलती स्वीकार करना कठिन हो जाता है। अगर हमें समझदार माना जाता है, तो यह स्वीकार करना मुश्किल लगता है कि किसी मामले में हम गलत थे। हम अपनी कमियों को दूर करने के बजाय उन्हें छिपाने लगते हैं। जबकि शायद सच्ची अच्छाई गलती न करने में नहीं, गलती स्वीकार करने और उसे सुधारने की इच्छा में होती है।

डिजिटल दुनिया ने इस प्रवृत्ति को जरूर नया विस्तार दिया है, लेकिन इसकी जड़ें केवल तकनीक में नहीं हैं। पहले भी लोग सामाजिक प्रतिष्ठा और अपनी छवि के लिए चिंतित रहते थे। फर्क इतना है कि आज हमारी जिंदगी के चुने हुए हिस्से तेजी से बहुत से लोगों तक पहुंच जाते हैं। हम क्या पहनते हैं, कहां जाते हैं, किसकी मदद करते हैं, क्या सोचते हैं- इन सबकी एक सार्वजनिक छवि बन सकती है। ऐसे में यह भ्रम पैदा होना स्वाभाविक है कि जो दिखाई दे रहा है, वही पूरा सच है। जबकि व्यक्ति का वास्तविक चरित्र अक्सर उन क्षणों में सामने आता है, जिन्हें वह किसी के साथ साझा नहीं करता।

यह भी संभव है कि कभी-कभी हम सचमुच अच्छे काम करते हुए भी इस बात से प्रसन्न हों कि लोग उसे अच्छा मान रहे हैं। इसमें भी कोई अस्वाभाविक बात नहीं। किसी अच्छे काम की प्रशंसा मनुष्य को आगे और अच्छा करने की प्रेरणा दे सकती है। इसलिए लक्ष्य यह नहीं होना चाहिए कि हमें प्रशंसा से बिल्कुल फर्क ही न पड़े। लक्ष्य इतना भर हो सकता है कि प्रशंसा हमारी अच्छाई की वजह न बन जाए। असल प्रश्न दूसरों के बारे में कम और अपने बारे में अधिक है।

हम दूसरों के दिखावे को बहुत जल्दी पहचान लेते हैं, लेकिन अपने भीतर की उस इच्छा को पहचानने में देर करते हैं, जो चाहती है कि लोग हमें अच्छा समझें। हम पूछ सकते हैं- यदि कोई मेरी ईमानदारी की प्रशंसा न करे तो क्या मैं ईमानदार रहूंगा? यदि मेरे त्याग को कोई जान न पाए तो क्या उसका मूल्य मेरे लिए कम हो जाएगा? यदि मैंने किसी की मदद की और वह धन्यवाद भी न दे, तो क्या मैं फिर भी संतुष्ट रहूंगा? शायद बच्चों को भी अच्छाई का अर्थ समझाने की जरूरत है। अच्छे अंक, अच्छे कपड़े, सुंदर तस्वीर या अच्छी सामाजिक छवि किसी व्यक्ति को अच्छा नहीं बनाती। व्यक्ति को अच्छा बनाते हैं उसके निर्णय, उसका व्यवहार और दूसरों के प्रति उसका सम्मान।

सवाल यह नहीं कि दुनिया हमें कितना अच्छा मानती है। अधिक महत्त्वपूर्ण यह है कि हम खुद अपने सामने कितने सच्चे हैं। दुनिया की नजर बदल सकती है, प्रशंसा कल नहीं भी मिल सकती, लेकिन हमारा अंतर्मन हमारे साथ रहता है। जीवन की सुंदरता तब बढ़ती है, जब हमारी दिखाई देने वाली छवि और हमारे वास्तविक व्यक्तित्व के बीच दूरी कम होती जाए।

अमेरिका व उसके मित्र देशों की आंतरिक तैयारियां देख किसी बाहरी खतरे का हो रहा स्पष्ट आभास?

दुनिया भर में सामान पहुँचाने में भारी रुकावट आएगी और तेल की सप्लाई पर भी बहुत बड़ा असर पड़ सकता है।और ये सब उस समय हो रहा है, जब अमेरिका का तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर थियोडोर रूजवेल्ट मिडिल ईस्ट पहुँचने वाला है। इतना ही नहीं, अमेरिका ने अपने दूतावासों और सैन्य ठिकानों से गैर-जरूरी कर्मचारियों को भी मिडिल ईस्ट से निकलने के लिए कहा है। यानी अमेरिका वही तैयारियाँ दोबारा करता हुआ दिखाई दे रहा है, जैसी उसने इस साल 28 फरवरी को हुए हमले से पहले की थीं और अब यूरोप की तरफ आइए।

(कमलेश पांडे)

सबसे बड़ी आशंका ये है कि अमेरिका में मिडटर्म चुनावों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच फिर से युद्ध शुरू हो सकता है। साथ ही, यूरोप में रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भी और ज्यादा भड़क सकता है। इधर, भारत के खिलाफ पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश आग उगल सकते हैं। अमेरिका अपनी वैश्विक बादशाहत बनाए रखने के लिए पूरी दुनिया को तृतीय विश्व युद्ध की आग में झोंकने वाला है! चाहे तेल का खेल हो या फिर मजबूत सरकारों को अस्थिर करने का षड्यंत्र-अमेरिकी रणनीति हर मोर्चे पर पिटती हुई प्रतीत हुई। इसी की खीझ में अब वह खाड़ी और मध्य-पूर्व देशों, यूरोप और भारतीय उपमहाद्वीप में कुछ नया गुल खिलाने वाला है क्योंकि उसके पालतू कुत्तों के पांव भी अब जमीन पर नहीं पड़ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिज्ञों का कहना है कि रूस, चीन, भारत, ईरान, ब्राजील, अफगानिस्तान के खिलाफ वह ऐसा युद्ध छेड़ना चाहता है, ताकि इनकी आर्थिक कमर टूट जाए और जी-7 देशों की बादशाहत पूरी दुनिया पर बनी रहे। शायद इसलिए वह कुछ बड़ा करने वाला है और 90 दिन के लक्ष्य निर्धारित करते हुए अपनी तैयारियां पुख्ता कर रहा है।

इस बात की चुगली पूरी दुनिया की वह गिनी चुनी सरकारें कर रही हैं, जो ऐसी चेतावनियाँ दे रही हैं, जैसी शायद आखिरी बार दूसरे विश्व युद्ध से पहले देखने को मिली थीं। जहां एक तरफ अमेरिका का पेंटागन अपने सभी मिलिट्री बेस को ऑपरेशन फोर्टेस के तहत तैयार कर रहा है, जिसके तहत अमेरिकी सैन्य ठिकानों को इस तरह तैयार किया जाएगा कि वे बाहर से खाना, पानी या किसी भी तरह की सप्लाई मिले बिना पूरे 90 दिनों तक अपना काम चला सकें। वहीं दूसरी तरफ, यूरोपीय देशों ब्रिटेन, नीदरलैंड और



फ्रांस एवं एशियाई देश जापान ने अपने नागरिकों से कह दिया है कि वे कम से कम 72 घंटे तक काम आने वाला इमरजेंसी सामान अपने घर में जमा करके रखें। इसमें खाने-पीने की चीजें, पानी, दवाइयाँ और यहाँ तक कि नकद पैसे भी शामिल हैं, ताकि अगर बिजली, पानी और दूसरी जरूरी सुविधाएँ बंद हो जाएँ, तो लोग बिना किसी बाहरी मदद के कम से कम 72 घंटे तक अपना काम चला सकें। भले ही सरकारें इसकी आधिकारिक वजह खराब मौसम, एल नीनो, बिजली गुल होने और साइबर अटैक जैसी स्थितियों को बता रही हैं, लेकिन सर्वाधिक ध्यान देने वाली बात ये है कि कोई भी खुलकर युद्ध शब्द का इस्तेमाल नहीं कर रहा है।

अब सवाल ये है कि आखिर अचानक दुनिया भर में ऐसी तैयारियाँ क्यों हो रही हैं? और अमेरिकी-यूरोपीय टारगेट पर आने वाले देश क्या तैयारियां कर रहे हैं? इसके पीछे सिर्फ दो संभावनाएँ हैं। पहली, ये सारी तैयारियाँ सिर्फ सुरक्षा के लिए की जा रही हैं और इनका किसी असली खतरे से कोई लेना-देना नहीं है। दूसरी, दुनिया की ये सारी सरकारें कुछ ऐसा जानती हैं, जिसके बारे में वे अभी हमें बता नहीं सकतीं या जानबूझकर बता नहीं रही हैं। और अगर दूसरी बात सही है, तो आखिर वो क्या है?

सबसे बड़ी आशंका ये है कि अमेरिका में मिडटर्म चुनावों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच फिर से युद्ध शुरू हो सकता है। साथ ही, यूरोप में रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भी और ज्यादा भड़क सकता है। इधर, भारत के खिलाफ पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश आग उगल सकते हैं।

इसलिए पहले मैं ईरान की बात करता हूँ। अगर इस बार दोबारा युद्ध शुरू होता है, तो इसकी शुरुआत सबसे ज्यादा संभावना के साथ बाब अल-मंदेब के पास हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच टकराव से हो सकती है। इसका मतलब ये है कि तेल की सप्लाई पर खतरा सिर्फ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बाब अल-मंदेब के रास्ते पर भी बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। और धीरे-धीरे ये संकट स्वेज नहर तक फैल सकता है।

आपको बता दूँ कि स्वेज नहर दुनिया के व्यापार का एक बेहद अहम रास्ता है। दावा है कि दुनिया का लगभग 25त्न व्यापार इसी रास्ते से गुजरता है। अगर ये रास्ता बंद हो गया, तो यूरोप, उत्तरी अमेरिका और एशिया के बीच व्यापार के रास्ते लगभग कटकर रह जाएँगे। दुनिया भर में सामान पहुँचाने में भारी रुकावट आएगी और तेल की सप्लाई पर भी बहुत बड़ा असर पड़ सकता है।और ये सब उस समय हो रहा है, जब अमेरिका का तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर थियोडोर रूजवेल्ट मिडिल ईस्ट पहुँचने वाला है। इतना ही नहीं, अमेरिका ने अपने दूतावासों और सैन्य ठिकानों से गैर-जरूरी कर्मचारियों को भी मिडिल ईस्ट से निकलने के लिए कहा है। यानी अमेरिका वही तैयारियाँ दोबारा करता हुआ दिखाई दे रहा है, जैसी उसने इस साल 28 फरवरी को हुए हमले से पहले की थीं और अब यूरोप की तरफ आइए।

ऐसी रिपोर्टें आ रही हैं कि अमेरिका यूरोप में तैनात अपने नाटो सैनिकों में से लगभग एक-तिहाई सैनिकों को वापस बुला सकता है। इससे पहले अमेरिका दक्षिण कोरिया से अपना थाड एयर डिफेंस सिस्टम भी हटा चुका है। अब इस बात को समझिए कि दक्षिण कोरिया से थाड हटने के बाद उत्तर कोरिया से आने वाले संभावित मिसाइल हमलों से बचाव की उसकी क्षमता प्रभावित हो सकती है। ठीक उसी तरह, अगर अमेरिका यूरोप से अपने सैनिकों को वापस बुला लेता है, तो रूस के सामने यूरोप की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है। और रूस के राष्ट्रपति पुतिन इसी स्थिति का फायदा उठाना चाहते हैं। यही वजह है कि यूरोप के देश अपनी सेना और रक्षा पर खर्च लगातार बढ़ा रहे हैं। दूसरी तरफ, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और आम लोगों के लिए जरूरी सार्वजनिक सुविधाओं पर खर्च कम किया जा रहा है। यानी आम जनता की सुविधाओं पर दबाव बढ़ रहा है, लेकिन सेना और हथियारों पर खर्च बढ़ाने का सिलसिला रुक नहीं रहा है। यूरोप के देशों में इसी बात को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं कि सरकारें आम लोगों की जरूरतों पर खर्च कम कर रही हैं, जबकि सेना और रक्षा पर लगातार ज्यादा पैसा लगा रही हैं। इसके बावजूद कोई भी देश अपनी रक्षा तैयारियों को धीमा करने के लिए तैयार नहीं दिख रहा है। यूरोपीय देश सेना और रक्षा पर अब उतना पैसा खर्च कर रहे हैं, जितना दूसरे विश्व युद्ध के बाद से किसी भी समय नहीं किया गया था। खासकर जर्मनी ने तो यहाँ तक कह दिया है कि उसके अस्पतालों को तैयार रहना चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने पर वे एक ही रात में कम से कम 1,000 मरीजों का इलाज कर सकें। अब इन सारी बातों को एक साथ जोड़कर देखिए तो आभास होता है कि दुनिया की सरकारें अपने नागरिकों से इमरजेंसी सामान जमा करने को कह रही हैं। अमेरिका अपने सैन्य ठिकानों को 90 दिनों तक बिना बाहरी सप्लाई के चलने के लिए तैयार कर रहा है। मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य गतिविधियाँ बढ़ रही हैं, दूतावासों और सैन्य ठिकानों से गैर-जरूरी कर्मचारियों को हटाया जा रहा है और दुनिया के सबसे अहम तेल और व्यापारिक रास्तों पर खतरा मंडरा रहा है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं)

निशांत सरोहा को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा में दूसरी बार जिला मंत्री की जिम्मेदारी



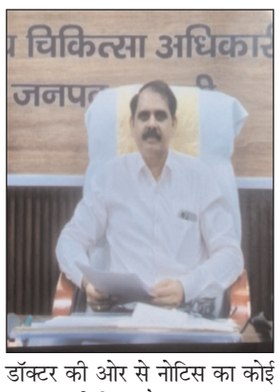
शामली। सैन समाज से ताल्लुक रखने वाले निशांत सरोहा को भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा में दूसरी बार जिला मंत्री बनाया गया है। पार्टी ने उन पर दोबारा भरोसा जताते हुए संगठन में जिला मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी नियुक्ति की जानकारी मिलने पर समर्थकों और सैन समाज के लोगों में खुशी का माहौल है। समर्थकों ने उन्हें बधाई देते हुए पार्टी नेतृत्व का आभार जताया।

शामली मे नियुक्ति के बाद भी ड्यूटी पर नहीं पहुंचे पूर्व सीएमओ, मेडिकल की अवधि भी खत्म

तीन माह का मेडिकल देकर चल रहे थे अवकाश पर, स्वास्थ्य विभाग ने कई नोटिस भेजकर मांगा जवाब, शासन को भी भेजा पत्र

शामली। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के सरकारी प्रयासों के बीच स्वास्थ्य विभाग के एक डॉक्टर की कार्यशैली सवालों के घेरे में आ गई है। पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. अनिल कुमार सेवानिवृत्ति के बाद जिला अस्पताल में वरिष्ठ परामर्शदाता के पद पर नियुक्त किए गए थे। उन्होंने अस्पताल में ज्वाइनिंग भी कर ली, लेकिन इसके बावजूद वह ड्यूटी पर नहीं पहुंचे। बताया जा रहा है कि उनके द्वारा दिया गया तीन माह का मेडिकल अवकाश भी समाप्त हो चुका है। मामले में स्वास्थ्य विभाग की ओर से कई नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

जानकारी के अनुसार, डॉ. अनिल कुमार बीते जून माह में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। इसके बाद शासन की ओर से उन्हें जिला अस्पताल में वरिष्ठ परामर्शदाता के पद पर नियुक्त किया गया था। उन्होंने जिला अस्पताल में ज्वाइनिंग तो कर ली, लेकिन कई महीने बीतने के बावजूद ड्यूटी पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया। इस संबंध में जिला अस्पताल के लिपिक नाजिम ने बताया कि डॉ. अनिल कुमार की ओर से तीन माह का मेडिकल अवकाश दिया गया था, जिसकी अवधि भी समाप्त हो चुकी है। विभागीय स्तर पर उन्हें कई नोटिस भेजकर जवाब मांगा जा चुका है। इसके अलावा शासन को भी पत्र भेजकर पूरे मामले से अवगत करा दिया गया है। हालांकि अभी तक



डॉक्टर की ओर से नोटिस का कोई जवाब नहीं मिला है।

पूर्व सीएमओ के कार्यकाल में भी उठे थे सवाल

वहीं, डॉ. अनिल कुमार का सीएमओ पद पर रहते हुए भी कई विवादों से नाम जुड़ता रहा है। इनमें संविदा कर्मचारियों के नियम विरुद्ध स्थानांतरण, सेनेटरी नैपकिन पैकिंग से जुड़ा मामला और जनपद के अस्पतालों में रंगाई-पुताई के टेंडर में कथित अनियमितताओं के आरोप शामिल हैं। रंगाई-पुताई के टेंडर को लेकर एक विधायक ने भी शिकायत की थी। बताया गया कि जांच के दौरान इस मामले में पूर्व सीएमओ की भूमिका को लेकर अनियमितताएं सामने आई थीं।

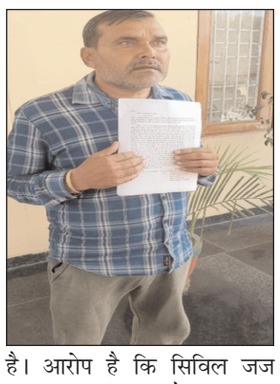
फिलहाल नियुक्ति के बाद भी ड्यूटी पर नहीं पहुंचने और मेडिकल अवधि समाप्त होने के बावजूद जवाब नहीं देने का मामला स्वास्थ्य विभाग में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखना होगा कि शासन स्तर से इस मामले में क्या कार्रवाई की जाती है।

न्यायालय के आदेश के बावजूद विवादित भूमि पर पूजा-अर्चना करने का आरोप, डीएम से कार्रवाई की मांग

कैराना के गांव नौजल-नौजली का मामला, यथास्थिति बनाए रखने और पुलिस सुरक्षा की लगाई गुहार

शामली। कैराना तहसील क्षेत्र के गांव नौजल-नौजली में विवादित भूमि को लेकर एक बार फिर विवाद सामने आया है। न्यायालय द्वारा भूमि पर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश के बावजूद दूसरे पक्ष पर कथित रूप से भूमि पर जबरन प्रवेश कर पूजा-अर्चना करने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में दो ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर न्यायालय के आदेशों का पालन कराने और मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है।

जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में सतिश कुमार और नरेश कुमार निवासी गांव नौजल-नौजली ने बताया कि गांव की खसरा में स्थित विवादित भूमि को लेकर राजेंद्र आदि के साथ न्यायालय में वाद विचाराधीन



है। आरोप है कि सिविल जज (जूनियर डिवीजन), कैराना द्वारा 6 नवंबर को विवादित भूमि पर यथास्थिति (स्टेटस quo) बनाए रखने के स्पष्ट आदेश दिए गए थे।

पीडित ने आरोप लगाया गया है कि इसके बावजूद विपक्षी पक्ष के लोग न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करते हुए विवादित भूमि पर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। दीपावली के त्योहार पर भी भूमि पर पूजा-अर्चना करने के प्रयास किए जाने की बात कही गई है। शिकायतकताओं का कहना है कि इससे न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन हो रहा है और विवाद बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

पीडित ने जिलाधिकारी से मांग की है कि न्यायालय के आदेश की अवहेलना के मामले में उचित कार्रवाई की जाए। साथ ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस को निर्देशित किया जाए कि विवादित भूमि पर यथास्थिति कायम रखी जाए तथा किसी भी पक्ष को वहां अवैध गतिविधि, हस्तक्षेप या पूजा-अर्चना करने से रोका जाए।

गांव के चौकीदार का शव अमरूद के पेड़ से लटका मिला, हत्या का आरोप

शामली । जनपद के गढ़ी पुख्ता थाना क्षेत्र के गांव धनेना में गांव के चौकीदार का शव अमरूद के पेड़ से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मोहकम के रूप में हुई है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस पर गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुए विवाद के बाद से ही मोहकम पर लगातार फैसले का दबाव बनाया जा रहा था। परिजनों का कहना है कि पुलिस ने समय रहते कार्रवाई नहीं की, जिसके चलते यह घटना हुई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

दरअसल, पूरा मामला शामली के गढ़ी पुख्ता थाना क्षेत्र के गांव धनेना का है, जहां सोमवार सुबह करीब आठ बजे गांव के चौकीदार मोहकम का शव संजय के खेत में अमरूद के पेड़ से लटका मिला। बताया जा रहा है कि गांव निवासी मनोज पुत्र कल्याण सुबह शौच के लिए जा रहा था। इसी दौरान उसकी नजर पेड़ से लटके शव पर पड़ी। पास जाकर पहचान होने पर उसने ग्रामीणों और परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पेड़ से नीचे उतारा।



मोहकम की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक का एक बेटा रजत है, जो हरियाणा में नौकरी करता है। पिता की मौत की सूचना मिलने पर वह हरियाणा से गांव के लिए रवाना हो गया। मोहकम की चार बेटियां भी हैं। मौके पर मौजूद परिजन पुलिस से कार्रवाई की मांग करते रहे। उनका आरोप है कि मोहकम पर लगातार फैसले का दबाव बनाया जा रहा था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि महर्षि वाल्मीकि जयंती के दिन गांव में जयंती मनाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। इस दौरान मारपीट में राहुल, राजवीर और बीरसैन गंभीर रूप से घायल हो गए थे। तीनों को उपचार के लिए मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस मामले में पुलिस ने पहले मदन और कविता को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके बाद शुक्रवार को तीसरे आरोपी लाल सिंह को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। वहीं, अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस कार्रवाई कर रही है। अब विवाद के बाद गांव के चौकीदार मोहकम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से मामले ने नया मोड़ ले लिया है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, मोहकम की मौत हत्या है या आत्महत्या, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। अब देखना होगा कि मोहकम की मौत के पीछे क्या वजह सामने आती है और परिजनों के आरोपों पर पुलिस क्या कार्रवाई करती है।

मालेंडी से नया गांव तक सड़क का मोहित बेनीवाल ने किया लोकार्पण, ग्रामीणों को मिली विकास की सौगात

विधान परिषद निधि से कराया गया सड़क निर्माण, किसानों और ग्रामीणों को आवागमन में मिलेगी सुविधा



शामली। उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य मोहित बेनीवाल ने सोमवार को ग्राम मालेंडी से नया गांव तक नवनिर्मित सड़क का लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को विकास की सौगात दी। सड़क निर्माण से ग्रामीणों और किसानों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिव कुमार शर्मा ने की तथा संचालन विश्वेंद्र कालिरमण ने किया। इस दौरान मोहित बेनीवाल ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और क्षेत्र की विकास संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी ली। मोहित बेनीवाल ने कहा कि गांवों का विकास ही विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश की मजबूत नींव है। सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और किसानों की खुशहाली से भी जुड़ी है। मालेंडी से नया गांव तक सड़क बनने से किसानों को अपनी कृषि उपज मंडियों तक पहुंचाने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में केंद्र एवं प्रदेश सरकार किसानों के हितों और ग्रामीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं से किसानों को लाभ मिल रहा है। वहीं प्रदेश सरकार गन्ना किसानों के हितों, सिंचाई सुविधाओं और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता की समस्याओं को सुनना और विकास कार्यों के माध्यम से उनका समाधान कराना उनका दायित्व है।

कार्यालय जिला पंचायत शामली

पत्रांक: 863 / जि०पं०शा० / 2026-27 दिनांक: 02.11.2026

ई-निविदा सूचना

जिला पंचायत शामली के समस्त पंजीकृत ठेकेदारों एवं राज्य सरकार के सिंचाई विभाग व लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि जिला पंचायत शामली द्वारा पन्द्रहवें वित्त आयोग (हेल्थ ग्राण्ट) योजनान्तर्गत स्वास्थ्य विभाग के भवन निर्माण कार्यों की ई-निविदा निम्नलिखित विवरण के अनुसार ई-टेण्डर पोर्टल **https://etender.up.nic.in** के माध्यम से आमंत्रित की जाती है :-

क्रमांक	सूचना का प्रकार	तिथि एवं समय
1	समाचार पत्रों में निविदा सूचना के प्रकाशन की तिथि	03.11.2026
2	ई-टेण्डर वेबसाइट **https://etender.up.nic.in** पर निविदा प्रकाशित करने की तिथि	14.11.2026
3	वेबसाइट पर निविदा डाउनलोड / अपलोड प्रारम्भ करने की तिथि	15.11.2026 रात्रि 12:00 बजे
4	वेबसाइट पर निविदा डाउनलोड / अपलोड करने की अन्तिम तिथि	26.11.2026 दोपहर 12:00 बजे
5	ऑनलाइन निविदा खोले जाने की तिथि	26.11.2026 समय अपरान्ह 02:00 बजे
6	तकनीकी निविदा का मूल्यांकन (Technical Bid Evaluation)	निविदा खोले जाने के पश्चात्
7	वित्तीय निविदा का मूल्यांकन (Financial Bid Evaluation)	तकनीकी निविदा खोले जाने के पश्चात्
8	निविदा के साथ संलग्न मूल अभिलेख जमा करने की अन्तिम तिथि	वित्तीय बिड खोले जाने के पश्चात्

निर्माण कार्यों का विवरण निम्नवत् है :-

क्रमांक	विकास खण्ड का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख रू० में) जी०एस०टी० सहित	निविदा की धनराशि (लाख रू० में) जी०एस०टी० रहित	2% धरोहर धनराशि रू० में	निविदा मूल्य (जी०एस०टी० सहित)
1	ऊन	जनपद शामली के ब्लाक ऊन के ग्राम गंगारामपुर में स्वास्थ्य उपकेन्द्र भवन का निर्माण कार्य।	41.57	35.23	83500	2500
2	कांधला	जनपद शामली के ब्लाक कांधला के ग्राम लोहरीपुर में स्वास्थ्य उपकेन्द्र भवन का निर्माण कार्य।	41.57	35.23	83500	2500
3	थानाभवन	जनपद शामली के ब्लाक थानाभवन के ग्राम भंदौड़ा में स्वास्थ्य उपकेन्द्र भवन का निर्माण कार्य।	41.57	35.23	83500	2500

नोट :-

1. निविदा से सम्बन्धित किसी भी जानकारी के लिए कार्यालय दिवस में कार्यालय जिला पंचायत शामली से सम्पर्क किया जा सकता है।
2. उपरोक्तानुसार सूची में अंकित प्रत्येक कार्य को पूर्ण कराने की अवधि 06 माह है।
3. निविदादाता को निविदा के साथ वांछित पठनीय अभिलेख स्कैन कर आनलाईन पोर्टल **https://etender.up.nic.in** पर अपलोड करना अनिवार्य होगा, जिसके आधार पर निविदा का तकनीकी मूल्यांकन किया जायेगा।

डॉ. दीक्षा सचदेवा राष्ट्रीय लोकदल महिला प्रकोष्ठ की जिला उपाध्यक्ष बनी

मुजफ्फरनगर। सर्कुलर रोड स्थित राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय पर महिला प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी की घोषणा के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दिल्ली में चिकित्सा क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे चुकीं और अब मुजफ्फरनगर में कार्यरत डॉ. दीक्षा सचदेवा को राष्ट्रीय लोकदल ने महिला प्रकोष्ठ में जिला उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। डॉ. दीक्षा सचदेवा की इस नियुक्ति को जनपद में महिला नेतृत्व और सामाजिक भागीदारी के लिहाज से एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राष्ट्रीय लोकदल महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष श्रीमती रेनू तोमर ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों की सहमति से उनका मनोनयन किया। चिकित्सा क्षेत्र में अनुभव रखने वाली डॉ. दीक्षा सचदेवा अब स्वास्थ्य एवं सामाजिक जागरूकता के साथ-साथ महिलाओं के सम्मान, अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगी।

डॉ. दीक्षा सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में कार्य करने के बाद अब मुजफ्फरनगर



में अपनी सेवाएं देना उनके लिए गर्व की बात है। वह अपने चिकित्सकीय दायित्वों के साथ समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने और महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगी।

उन्होंने इस जिम्मेदारी के लिए राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह, राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी एवं प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय राष्ट्रीय अध्यक्ष नारी शक्ति संगठन (महिला प्रकोष्ठ) कपिलावती इंद्राणी, प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ परिणीता सिंह तथा क्षेत्रीय अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ हस्तिनापुर इंद्राणी त्यागी पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व जिलाध्यक्ष संजय राठी एवं जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ रेनू तोमर का आभार व्यक्त किया।

उनकी नियुक्ति पर समाज, सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और विश्वास जताया कि डॉ. दीक्षा सचदेवा के अनुभव एवं सक्रियता से मुजफ्फरनगर में महिला प्रकोष्ठ को नई मजबूती मिलेगी।

साथ ही डॉ. दीक्षा सचदेवा ने सभी नवनियुक्त महिला प्रकोष्ठ की समस्त पदाधिकारियों, कार्यकारिणी एवं सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।

रंग संसार

ओटीटी पर दिखेगी 'छठी मैया' की महागाथा, सिद्धार्थ मल्होत्रा की द वन कब और कहां होगी स्ट्रीम?



नई दिल्ली। आज के दौर में सिनेमा जगत में लोककथाओं से प्रेरित फिल्मों का बोलबाला देखने को मिल रहा है। इसी आधार पर बीते 25 सितंबर को सिनेमाघरों में अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा और अभिनेत्री तमन्ना भाटिया स्टारर फिल्म द वन को रिलीज किया गया था। बिहार की लोककथा और छठी मैया से प्रेरित द वन अब ओटीटी पर दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। ऐसे में आइए जानते हैं कि ऑनलाइन ये फिल्म कब और कहां स्ट्रीम की जाएगी। ओटीटी पर कब आएगी द वन लोककथा से प्रेरित होने के बावजूद निमार्ता एकता कपूर की द वन को फैंस की तरफ से मिला जुला रिस्पॉन्स मिला था। जिसकी वजह से ये एवरेज फिल्म बनकर रह गई। इस बीच अब द वन की ओटीटी रिलीज की चर्चा तेज हो गई है। ओटीटी नाइट्स इंस्टाग्राम पेज की तरफ से दी गई जानकारी के आधार पर 20 नवंबर को सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की ये फिल्म ओटीटी पर एंट्री मारेगी। हालांकि, अभी मेकर्स की तरफ से इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। मालूम हो कि थिएटर्स रिलीज से पहले द वन के डिजिटल राइट्स की डील मशहूर ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो के साथ हो गई थी और फिल्म के प्री क्रेडिट सीन्स में भी डिजिटल पार्टनर के तौर पर प्राइम वीडियो का नाम नजर आया। ऐसे में अगर सिद्धार्थ मल्होत्रा की द वन 20 नवंबर को ओटीटी पर आती है तो वह आपको प्राइम वीडियो पर देखने को मिलेगी। आपने अभी तक इस मूवी को नहीं देखा है तो बस कुछ दिनों के इंतजार के बाद आप ऑनलाइन इसका आनंद ले पाएंगे। जहां एक तरफ लोक-संस्कृति पर आधारित कांतारा, तुम्बाड और स्त्री 2 जैसी कई फिल्मों ने कमर्शियल तौर पर बॉक्स ऑफिस पर सफलता का नया इतिहास लिखा, वहीं द वन कहीं न कहीं इस मामले में पीछे छूट गई।

राज काज

सऊदी अरब के हमलों से दहला यमन का हदीदा पोर्ट, हूती विद्रोहियों ने बताया युद्ध अपराध



सना। यमन में संघर्ष एक बार फिर तेज हो गया है। हूती विद्रोहियों के मुताबिक, सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने लाल सागर के पास स्थित हदीदा प्रांत में एक प्रमुख बंदरगाह और तेल सुविधा केंद्र को निशाना बनाकर हवाई हमले किए। इन हमलों में कुल 7 लोगों के घायल होने की खबर है। हूती स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अनीस अल-अस्बाही ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के माध्यम से इस बात की जानकारी दी। मिली जानकारी के अनुसार, रास ईसा पोर्ट पर हुए हमलों में 4 नागरिक घायल हो गए। हूती टीवी चैनल अल-मसीरा के अनुसार, इस बंदरगाह पर एक जेट्टी और एक कमर्शियल जहाज को भी निशाना बनाया गया। इसके अलावा दूसरा बड़ा हमला बजील जिला में हुआ। यहां एक तेल सुविधा केंद्र पर हुए हमले में 3 अन्य लोग घायल हो गए। इन हमलों से भड़के हूती गुट ने सऊदी गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। प्रवक्ता अनीस अल-अस्बाही ने कहा कि तेल के ठिकानों और महत्वपूर्ण बंदरगाहों पर ये बार-बार होने वाले हमले अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का खुला उल्लंघन हैं। यह यमन में नागरिकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए जा रहे युद्ध अपराधों की कड़ी में एक और इजाफा है। गौरतलब है कि दुनिया के सबसे गरीब देशों में शुमार यमन में पिछले कई सालों से भयानक गृहयुद्ध छिड़ा हुआ है। एक तरफ ईरान समर्थित हूती विद्रोही हैं, तो दूसरी तरफ यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करने वाला सऊदी-नीत गठबंधन है, जिसके चलते यह क्षेत्र लगातार संघर्ष और तबाही का सामना कर रहा है।

दैनिक राशिफल मंगलवार 03 नवम्बर 2026

मेष - निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा।

वृष - अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

मिथुन : अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है।

कर्क - दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे।

सिंह- चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढड्डे के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी।

कन्या - निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतोषजनक सफलता मिलेगी। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे।

तुला - परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

वृश्चिक - संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें।

धनु - शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें।

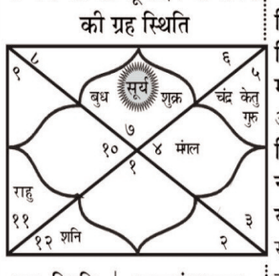
मकर - मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा।

कुंभ - महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी।

मीन - प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

दैनिक पंचांग

3 नवम्बर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय		
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.12 ब.से	
चंद्र	सिंह में	धनु	09.28 बजे से	
मंगल	कर्क में	मकर	11.33 बजे से	
बुध	तुला में	कुंभ	13.19 बजे से	
गुरु	सिंह में	मीन	14.52 बजे से	
शुक्र	तुला में	मेष	16.23 बजे से	
शनि	मीन में	वृष	18.03 बजे से	
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.01 बजे से	
केतु	सिंह में	कर्क	22.14 बजे से	
राहुकाल		सिंह	00.30 बजे से	
3.00 से 4.30 बजे तक		कन्या	02.42 बजे से	
		तुला	04.53 बजे से	

मंगलवार 2026 वर्ष का 307 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि नवमी 11.55 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 03.27 बजे रात्र को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 09.54 बजे को समाप्त। **करण** गर 11.55 बजे तदनन्तर वणिज 23.26 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 23.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 15° 00'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872882
जूलियन दिन 2461347.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल
तारीख 22

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक		काल	05.42 से	07.13 बजे तक	
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक		लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक	
चर	08.15 से	10.19 बजे तक		उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक	
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक		शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक	
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक		अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक	
काल	01.16 से	02.45 बजे तक		चर	01.19 से	02.51 बजे तक	
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक		रोग	02.51 से	04.22 बजे तक	
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक		काल	04.22 से	05.54 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

भगत सिंह रोड मार्केट में बाहरी ठेली-पटरी वालों की मनमानी पर व्यापारियों में आक्रोश, शहर कोतवाल से मिले व्यापारी

दीपावली के मद्देनजर बाजार में जबरन ठेली-पटरी लगाने पर रोक लगाने की मांग, ग्राहकों और व्यापारियों की सुरक्षा का उठाया मुद्दा

मुजफ्फरनगर। भगत सिंह रोड व्यापार मंडल मार्केट के भारी संख्या में व्यापारी एकत्रित होकर नगर कोतवाली पहुंचे और शहर कोतवाल बृजेश शर्मा से मुलाकात कर बाजार में बाहरी ठेली-पटरी एवं रेहड़ी लगाने वालों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग की। व्यापारियों ने कहा कि दीपावली का त्योहार नजदीक है और बाजार में खरीदारी के लिए जिलेभर से बड़ी संख्या में ग्राहक अपने परिवारों के साथ पहुंचते हैं। ऐसे में बाजार की सड़कों पर जबरन ठेली-पटरी लगने से यातायात व्यवस्था बाधित होती है तथा ग्राहकों और दुकानदारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

भगत सिंह रोड व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, महामंत्री राहुल गोयल, कोषाध्यक्ष सुशील संगल, सराफा एसोसिएशन से स्वराज वर्मा, पंसारी संगठन से नितिन जैन, क्रोकरी संगठन से अनुज गोयल एडवोकेट, कला शूज संगठन से राजीव अरोड़ा, संजय वर्मा ज्वेलर्स एवं संजीव गुप्ता सर्राफ ने कहा कि भगत सिंह रोड मार्केट, सराफा बाजार और आसपास के बाजारों में व्यापारी पिछले 40-50 वर्षों से अपना कारोबार कर रहे हैं। दीपावली से कई महीने पहले ही दुकानदार त्योहार की तैयारियां शुरू कर देते हैं। व्यापारी बड़ी पूंजी लगाकर माल खरीदते हैं और अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाते हैं, ताकि ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।



उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ बाहरी रेहड़ी-पटरी वाले अचानक बाजार में पहुंचकर सड़कों पर कब्जा करना शुरू कर देते हैं, जिससे बाजार में अफरा-तफरी का माहौल बन जाता है। बाजार की सड़कें घिरने से ग्राहकों को आवागमन में दिक्कत होती है और वर्षों से यहां कारोबार कर रहे स्थानीय व्यापारियों के व्यापार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

व्यापारियों ने शहर कोतवाल बृजेश शर्मा से अनुरोध किया कि दीपावली के त्योहार को देखते हुए बाजार में व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। बाहरी ठेली-पटरी वालों द्वारा जबरन अतिक्रमण न किया जाए तथा बाजार में आने वाले ग्राहकों और व्यापारियों को भयमुक्त एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। व्यापारियों ने स्पष्ट कहा कि बाजार की व्यवस्था और ग्राहकों की सुविधा सर्वोपरि होनी चाहिए।

इस दौरान भगत सिंह रोड व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, महामंत्री राहुल गोयल, स्वराज वर्मा, नितिन जैन पंसारी, सुशील संगल कपड़े वाले, कुलदीप जैन, संजीव जैन पप्पी, अनुज गोयल क्रोकरी, अशोक गर्ग बुक वाले, मनोज वर्मा सर्राफ, आशु कन्फेक्शनरी, वैभव गुप्ता पंसारी, अमित बर्तन, प्रिंस प्रधान, मुकुल जैन अनमोल ज्वेलर्स, संजय क्रोकरी, अशोक जैन कपड़े, हिमांशु गोयल, सुबोध जैन, अशोक महेश्वरी, श्रीमती मिथिलेश महेश्वरी, विकास ग्रोवर, रविंद्र वर्मा, कैलाश अग्रवाल, संदीप सर्राफ, मुकेश मित्तल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

राजनीतिक हिस्सेदारी को लेकर सैनी समाज ने भरी हुंकार, उचित प्रतिनिधित्व देने वाले दल को ही मिलेगा समर्थन

आगामी चुनावों में संगठन और सरकार में हिस्सेदारी व टिकट देने की मांग, सामाजिक व शैक्षिक उत्थान पर भी दिया जोर

मुजफ्फरनगर। राजनीतिक एवं सामाजिक उपेक्षा से आहत सैनी समाज ने आगामी चुनावों को लेकर अपनी राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है।क्षेत्र के गांव जोहरा स्थित एसडी पब्लिक जूनियर हाईस्कूल परिसर में आयोजित समाज की सभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि आगामी चुनावों में सैनी समाज उसी राजनीतिक दल को समर्थन देगा,जो समाज के लोगों को संगठन और सरकार में उचित प्रतिनिधित्व देने के साथ चुनाव में टिकट भी देगा। सभा की अध्यक्षता मगत सिंह ने की, जबकि संचालन डॉ. सुशील सैनी एवं मास्टर बीर सिंह सैनी ने किया। सभा में क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांवों से पहुंचे समाज के गणमान्य लोगों ने सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि समाज की आबादी और सामाजिक योगदान के अनुरूप राजनीतिक भागीदारी मिलनी चाहिए। सभा में समाज के युवाओं और बच्चों के भविष्य को लेकर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने सामाजिक एकजुटता बढ़ाने के साथ शिक्षा के स्तर में सुधार और युवाओं को आगे बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। समाज के लोगों ने एकजुट होकर अपने अधिकारों और उचित हिस्सेदारी के लिए संगठित प्रयास करने का संकल्प लिया। इस मौके पर आयोजनकर्ता ग्राम प्रधान श्रीमंदर सैनी, प्रधान सुंदरलाल सैनी, मास्टर हरपाल सैनी, भाजपा नेता राकेश सैनी, प्रधान बीर सिंह सैनी, प्रधान प्रमोद सैनी, चरण सिंह, सुकरमपाल प्रधान, समिति के संस्थापक मास्टर मंगतराम सैनी, भाजपा नेता सागर सैनी, हरिओम, नितिन सहित क्षेत्र के अनेक गांवों के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।



अनुप्रिया पटेल फिर बनीं अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष: निर्विरोध हुआ चुनाव, विधानसभा चुनाव में 100 फीसदी स्ट्राइक रेट का लक्ष्य

राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वसम्मति से सौंपी गई पार्टी की कमान

लखनऊ। अपना दल (एस) के राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल को एक बार फिर पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्विरोध चुन लिया गया। सर्वसम्मति से हुए चुनाव के बाद उन्होंने दोबारा पार्टी की कमान संभाल ली। अध्यक्ष चुने जाने पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान अनुप्रिया पटेल ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत करने और उत्तर प्रदेश में पार्टी को नंबर-1 राजनीतिक ताकत बनाने का संकल्प दोहराया।

राष्ट्रीय सम्मेलन मेंअनुप्रिया पटेल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अपना दल (एस) प्रदेश की तीसरी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। अब पार्टी को पहले स्थान पर पहुंचाना है। इसके लिए संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता को पूरी निष्ठा और ताकत के साथ जुटना होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के सामने विधानसभा चुनाव की चुनौती है और इसे अवसर में बदलने के लिए अभी से तैयारियां शुरू करनी होंगी।

विधानसभा चुनाव में 100 फीसदी स्ट्राइक रेट का लक्ष्य

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति और लक्ष्य भी स्पष्ट किए। उन्होंने कहा कि पार्टी इस बार चुनाव में 100 फीसदी स्ट्राइक रेट हासिल करने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। इसके लिए कार्यकर्ताओं को अभी से अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय होना होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के लिए मजबूत संगठन, जनसंपर्क और कार्यकर्ताओं की एकजुटता सबसे महत्वपूर्ण है। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि पार्टी को अब केवल 13 विधायकों या एक सांसद तक सीमित नहीं रहना है। अपना दल (एस) को प्रदेश की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए गांव से



लेकर शहर तक संगठन का विस्तार करना होगा।

हर बूथ पर संगठन मजबूत करने का आह्वान

अनुप्रिया पटेल ने कार्यकर्ताओं के सम्मान और उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन संगठन को समर्पित किया है। पार्टी की असली ताकत उसके कार्यकर्ता हैं। कार्यकर्ताओं के परिश्रम और समर्पण से ही संगठन लगातार आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक बूथ पर पार्टी की मजबूत उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी। बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय बनाकर ही चुनावी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

पिता सोनेलाल पटेल की विरासत को आगे बढ़ाया

अनुप्रिया पटेल का राजनीतिक सफर उनके पिता डॉ. सोनेलाल पटेल की राजनीतिक विरासत से जुड़ा हुआ है। डॉ. सोनेलाल पटेल ने अपना दल की स्थापना की थी और उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई थी। उनके निधन के बाद अनुप्रिया पटेल ने अक्टूबर 2009 में सक्रिय राजनीति में कदम रखा और धीरे-धीरे पार्टी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने लगीं। 28 अप्रैल 1981 को कानपुर में जन्मीं अनुप्रिया पटेल ने दिल्ली के प्रतिष्ठित लेडी श्रीराम कॉलेज से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद एमिटी यूनिवर्सिटी से मनोविज्ञान में परास्नातक की डिग्री हासिल की। उन्होंने छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय से एमबीए की पढ़ाई भी की है।

पति आशीष पटेल योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री

उनके पति आशीष पटेल उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। अनुप्रिया पटेल केंद्र सरकार में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रही हैं। अपना दल (एस) उत्तर प्रदेश विधानसभा में भाजपा और समाजवादी पार्टी के बाद तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में दोबारा निर्विरोध चुने जाने के बाद अनुप्रिया पटेल के सामने अब संगठन का विस्तार, कार्यकर्ताओं को एकजुट करना और आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी का राजनीतिक प्रभाव बढ़ाना बड़ी चुनौती होगी।

नवीन मंडी व्यापार संघ की बैठक में दीपावली पर रविवार को भी मंडी में व्यापार सुचारू रखने का निर्णय

मुजफ्फरनगर। नवीन मंडी व्यापार संघ, मुजफ्फरनगर की एक औपचारिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें मंडी के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं सम्मानित व्यापारियों ने भाग लिया।

बैठक में सभी व्यापारी बंधुओं को पंच पर्व एवं दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। साथ ही दीपावली पर्व के अवसर पर रविवार का साप्ताहिक अवकाश होने के बावजूद नवीन मंडी स्थल में व्यापारिक गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित रखने के विषय पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि दीपावली के अवसर पर रविवार को भी नवीन मंडी स्थल, मुजफ्फरनगर में व्यापार पूर्व की भांति सुचारू रूप से चलेगा। सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठान खोलकर सामान्य रूप से व्यापार एवं कारोबार कर सकेंगे।



संघ के अध्यक्ष संजय मिश्रा ने कहा कि व्यापारी एकता, आपसी सहयोग एवं व्यापारिक हितों को सर्वोपरि रखते हुए संघ निरंतर व्यापारियों के हित में कार्य कर रहा है। महामंत्री अचिंत मित्तल एवं कोषाध्यक्ष अशोक बंसल ने सभी व्यापारियों से आपसी समन्वय एवं सहयोग बनाए रखने की अपील की।

बैठक में सचिन सिंघल, कृष्ण चन्द्र मुंदड़ा, जगवीर सिंह, दिनेश राठी, नितिन कुमार मनीष चौधरी, रिंकल बंसल, अनुज सिंघल, रजत सिंघल, शिवम सिंघल, शुभम मित्तल, भारत सिंघल, पराग गोयल, नवल प्रकाश अग्रवाल, अर्पित सिंघल, अमुल सिंघल, रवि शर्मा, कमल गोयल, विकास गर्ग, संदीप गोयल, संदीप जैन, अरविंद सिंह, राघव मिश्रा, निश्चिंत मित्तल, रमन शर्मा, सुखबीर सिंह, राजीव, विपिन कुमार सहित संघ के समस्त पदाधिकारीगण, कार्यकारिणी सदस्यगण, संरक्षकगण एवं सम्मानित व्यापारी उपस्थित रहे।

डेंगू ने छीनी जैन कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या किरण देवी की जिंदगी, उपचार के दौरान मेदांता अस्पताल में निधन

बरेली के बाद गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में चल रहा था उपचार, क्रिटिकल केयर वार्ड में भर्ती थीं प्रधानाचार्या; निधन की खबर से शिक्षा जगत में शोक की लहर

मुजफ्फरनगर। जनपद में डेंगू के बढ़ते मामलों के बीच जैन कन्या इंटर कॉलेज नई मंडी की प्रधानाचार्या किरण देवी का उपचार के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की खबर से शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। बताया गया कि डेंगू की चपेट में आने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ती चली गई थी। गंभीर हालत में उन्हें बेहतर उपचार के लिए पहले बरेली के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा था, लेकिन स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर उन्हें गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल ले जाया गया था। सोमवार शाम उनके निधन का समाचार मिलने के बाद शिक्षकों, परिचितों और शुभचिंतकों में शोक छा गया। प्रधानाचार्या किरण देवी की गंभीर हालत को लेकर उनके पति सुदर्शन लाल ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर पोस्ट साझा कर लोगों को जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि किरण देवी की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है और उन्हें गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल के क्रिटिकल केयर वार्ड में भर्ती कराया गया है। इससे पहले भी उनके आईसीयू में उपचाराधीन होने की जानकारी सामने आई थी। परिवार और शुभचिंतक



उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे थे, लेकिन सोमवार शाम उनके निधन की खबर ने सभी को स्तब्ध कर दिया। किरण देवी जैन कन्या इंटर कॉलेज नई मंडी में प्रधानाचार्या के पद पर कार्यरत थीं। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी भूमिका के साथ-साथ वह अटेवा संगठन से भी सक्रिय रूप से जुड़ी हुई थीं। संगठन के आंदोलनों और गतिविधियों में उनकी भागीदारी रहती थी। उनके निधन की सूचना मिलने के बाद शिक्षकों, शिक्षा विभाग से जुड़े लोगों और संगठन के सदस्यों में शोक का माहौल है। परिचितों और शुभचिंतकों ने उनके निधन को शिक्षा जगत और संगठन के लिए अपूरणीय क्षति बताया। जिले में डेंगू के 41 मरीजों की पुष्टि, बचाव को लेकर बढ़ी चिंता जनपद में डेंगू और मच्छरजनित बीमारियों का खतरा लगातार चिंता का विषय बना हुआ है।

स्वास्थ्य विभाग के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अब तक जिले में डेंगू के 41 मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बुखार तथा अन्य मच्छरजनित बीमारियों की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। ऐसे समय में एक शिक्षण संस्थान की प्रधानाचार्या की डेंगू से गंभीर रूप से बीमार होने के बाद उपचार के दौरान हुई मौत ने बीमारी की गंभीरता को लेकर चिंता बढ़ा दी है। किरण देवी के निधन के बाद डेंगू से बचाव के लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत एक बार फिर चर्चा में है। मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए जलभराव वाले स्थानों की सफाई, नालियों की नियमित सफाई, फॉगिंग और घरों के आसपास पानी जमा नहीं होने देने जैसे उपाय महत्वपूर्ण हैं।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर चोर नवाब हैदर गोली लगने से घायल, गिरफ्तार; साथी आफताब फरार

नई मंडी पुलिस ने चोरी की घटना का किया खुलासा, अवैध तमंचा, कारतूस, चोरी का गैस सिलेंडर और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद

मुजफ्फरनगर। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नई मंडी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए पचेण्डा रोड स्थित प्लेटिनम रिसोर्ट के पास पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक शातिर चोर को गोली लगने से घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, चोरी किया गया गैस सिलेंडर, बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल तथा चोरी करने के उपकरण बरामद किए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी नई मंडी राजू कुमार साव तथा थाना प्रभारी नई मंडी आनंद देव मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम अपराधियों की तलाश में जुटी हुई थी। बंद मकान से नगदी और दो गैस सिलेंडर किए थे चोरी

पुलिस के अनुसार 30 अक्टूबर 2026 को बच्चन सिंह कॉलोनी गली नंबर-8 निवासी ऋषभ देव शर्मा ने थाना नई मंडी में तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोर उनके घर से नगदी, दो गैस सिलेंडर सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए हैं। इस संबंध में पुलिस ने मुकदमा संख्या 508/2026 धारा 331(4)/305 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमों का गठन किया था।

सोमवार 2 नवंबर को थाना नई मंडी पुलिस की टीम पचेण्डा रोड पर प्लेटिनम रिसोर्ट के पास संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। उनके बीच में एक गैस सिलेंडर रखा हुआ था। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो दोनों मोटरसाइकिल मोड़कर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा किया तो बदमाश मोटरसाइकिल और सिलेंडर छोड़कर ईख के खेत में घुस गए।



पुलिस टीम ने घेराबंदी कर बदमाशों को आत्मसमर्पण की चेतावनी दी, लेकिन बदमाशों ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ नियंत्रित जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका साथी फरार हो गया। घायल अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान नवाब हैदर पुत्र चांद मियां उर्फ हसन निवासी न्याजूपुरा, थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर, उम्र करीब 35 वर्ष के रूप में हुई है। फरार अभियुक्त की पहचान आफताब पुत्र दिलशाद निवासी न्याजूपुरा के रूप में हुई है। पुलिस फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कॉबिंग कर रही है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस 315 बोर, चोरी किया गया एक गैस सिलेंडर, घटना में प्रयुक्त काले रंग की बिना नंबर प्लेट वाली एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल तथा चोरी करने के उपकरणों से भरा बैग बरामद किया है। बैग में प्लास, हथौड़ी, सरिया आदि सामान मिला है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त नवाब हैदर का आपराधिक इतिहास लंबा है। उसके खिलाफ सहारनपुर जनपद के सदर बाजार, देवबंद, जनकपुरी, कुतुबशेर और कोतवाली मंडी थानों में चोरी, नकबजनी, अवैध हथियार और एनडीपीएस एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। इसके अतिरिक्त थाना नई मंडी मुजफ्फरनगर में चोरी के मुकदमे संख्या 508/2026 तथा पुलिस मुठभेड़ से संबंधित मुकदमा संख्या 513/2026 भी दर्ज है। पुलिस अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है।

देहरादून से चोरी की थी मोटरसाइकिल

प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि उसने अपने फरार साथी आफताब के साथ मिलकर 29/30 अक्टूबर की रात बच्चन सिंह कॉलोनी में एक बंद मकान में चोरी की थी।

त्योहारों को लेकर ककरौली पुलिस अलर्ट, व्यापारियों के साथ गोष्ठी कर सुरक्षा व्यवस्था पर किया मंथन

धनतेरस, दीपावली और भैयादूज पर बाजारों में बढ़ेगी पुलिस गश्त, सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त रखने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने की अपील



मुजफ्फरनगर। आगामी पर्व एवं त्योहारों को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना ककरौली पुलिस ने स्थानीय व्यापारियों एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों के साथ गोष्ठी आयोजित की। 2 नवंबर 2026 को थाना ककरौली परिसर में आयोजित गोष्ठी में बाजारों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और शीत ऋतु में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

गोष्ठी में थानाध्यक्ष ककरौली दीपक चौधरी ने व्यापारियों को आगामी धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भैयादूज के त्योहारों के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान बाजारों में भीड़भाड़ बढ़ने के कारण सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए बाजारों में पुलिस गश्त बढ़ाने और संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर नजर रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए वाहनों की पार्किंग व्यवस्थित करने तथा आवश्यकता के अनुसार नो-एंट्री और रूट डायवर्जन लागू करने पर भी चर्चा की गई, ताकि बाजारों में जाम की स्थिति उत्पन्न न हो और आमजन को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अलावा शीत ऋतु में चोरी की घटनाओं की आशंका को देखते हुए पुलिस ने व्यापारियों से अपनी दुकानों एवं प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे चालू रखने, पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की।

शाहपुर पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने दुष्कर्म के मामले में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ग्राम कसेरवा से पकड़ा गया 20 वर्षीय आरोपी दीपक, महिला से दुष्कर्म के मामले में दर्ज था मुकदमा

मुजफ्फरनगर। जनपद में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शाहपुर पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने महिला से दुष्कर्म के मामले में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया। मामले में पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह के मार्गदर्शन में थानाध्यक्ष शाहपुर गजेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम वांछित अभियुक्तों की तलाश में जुटी हुई थी।

इसी क्रम में 2 नवंबर 2026 को थाना शाहपुर की मिशन शक्ति टीम ने महिला से दुष्कर्म के मामले में



वांछित अभियुक्त दीपक पुत्र राजबल निवासी ग्राम कसेरवा, थाना शाहपुर, मुजफ्फरनगर, उम्र करीब 20 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध थाना शाहपुर में मुकदमा अपराध संख्या 293/2026 धारा 331(6), 64(1) एवं 351(3) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज है।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित सारिन को मंसूरपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

ग्राम नरा से पकड़ा गया 24 वर्षीय आरोपी, चोरी और अन्य मामलों में भी दर्ज हैं मुकदमे

मुजफ्फरनगर। जनपद में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मंसूरपुर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को उसके गांव से दबिश देकर पकड़ा। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ पूर्व में चोरी एवं अन्य आपराधिक मामलों में भी मुकदमे दर्ज हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी खतौली रूपाली राव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मंसूरपुर विपिन त्यागी के नेतृत्व में पुलिस टीम वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चला रही थी।

इसी क्रम में 2 नवंबर 2026 को



थाना मंसूरपुर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मुकदमा अपराध संख्या 321/2026 की धारा 2/3 में वांछित अभियुक्त सारिन पुत्र अफसरून निवासी ग्राम नरा, थाना मंसूरपुर, उम्र करीब 24 वर्ष को उसके निवास स्थान से गिरफ्तार कर लिया। चोरी सहित तीन मुकदमे हैं दर्ज पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त सारिन के विरुद्ध थाना मंसूरपुर में तीन मुकदमे दर्ज हैं। इनमें मुकदमा अपराध संख्या 321/2026 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट, मुकदमा अपराध संख्या 312/2023 धारा 380/457/511 भादवि तथा मुकदमा अपराध संख्या 17/2024 धारा 379/411 भादवि शामिल हैं।

पुलिस ने 55 पुराने अपराधियों को थाने बुलाकर किया सत्यापन, अपराध से दूर रहने की दिलाई शपथ

मुजफ्फरनगर। अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मंसूरपुर पुलिस ने सोमवार को विशेष अभियान चलाया। इस दौरान क्षेत्र के संपत्ति संबंधी अपराधों में संलिप्त रहे 55 अपराधियों को थाना परिसर में बुलाकर उनका भौतिक सत्यापन किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर के निर्देशन एवं एसपी सिटी के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने सभी 55 अपराधियों के वर्तमान पते, व्यवसाय और आचरण की



जानकारी जुटाई। साथ ही उनका डोजियर यक्ष एप पर अपडेट कराया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने सभी को भविष्य में किसी भी प्रकार का अपराध नहीं करने की सख्त हिदायत दी। सभी से शपथ दिलाई गई कि वे स्वयं अपराध नहीं करेंगे और न ही किसी अन्य व्यक्ति को अपराध के लिए प्रेरित या प्रोत्साहित करेंगे। इसके अलावा न्यायालयों में लंबित मुकदमों में स्वयं उपस्थित होकर उनके शीघ्र निस्तारण में सहयोग करने तथा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का साथ देने की भी शपथ दिलाई गई। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य पुराने अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ-साथ उन्हें अपराध की दुनिया से दूर रखना और क्षेत्र में कानून व्यवस्था मजबूत करना है।

मुजफ्फरनगर में त्योहारों को लेकर पुलिस अलर्ट: बाजारों में अफसरों ने की पैदल गश्त, अराजक तत्वों पर सख्त नजर, संदिग्धों और वाहनों की हुई जांच

एसएसपी सूरज कुमार राय के निर्देश पर सड़कों पर उतरे अफसर, एसपी देहात ने शाहपुर में संभाली कमान

मुजफ्फरनगर। आगामी त्योहारों (फेस्टिव सीजन) के दौरान जिले में सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखने और आमजन में सुरक्षा का अहसास कराने के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देश पर रविवार शाम जिलेभर के प्रमुख शहरों, कस्बों और संवेदनशील इलाकों में व्यापक पैदल गश्त अभियान चलाया गया। शाम 5 बजे से 7 बजे तक चले इस विशेष अभियान के तहत पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में सड़कों पर उतरकर सुरक्षा व्यवस्था का मुआयना किया।``

एसपी देहात ने शाहपुर की सड़कों पर की गश्त

त्योहारों के मद्देनजर भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस बल की सक्रियता दिखाई दी। एसपी देहात महादिक अक्षय संजय खुद भारी पुलिस बल के साथ शाहपुर कस्बे की सड़कों और बाजारों में गश्त करते नजर आए। इस दौरान उन्होंने स्थानीय व्यापारियों व आम नागरिकों से बातचीत की और क्षेत्र में संदिग्ध दिख रहे व्यक्तियों तथा वाहनों की चेकिंग कराई।

शराब के ठेकों और चौराहों पर कड़ी चौकसी



अभियान के दौरान जिले के सभी क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों ने पुलिसकर्मियों के साथ मुख्य बाजारों, व्यस्त चौराहों, बस स्टैंडों और शराब के ठेकों के आसपास सघन जांच अभियान चलाया। मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों को ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की सख्त हिदायत दी गई।``

अराजक तत्वों और सोशल मीडिया पर पैनी नजर

पुलिस प्रशासन ने साफ किया है कि पर्वों के दौरान सामाजिक सौहार्द और शांति व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले असामाजिक और अराजक तत्वों पर पैनी नजर रखी जा रही है। गश्त के दौरान अधिकारियों ने निर्देश दिए कि किसी भी अप्रिय घटना या सूचना पर तुरंत मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही पुलिस की सोशल मीडिया सेल को भी मुस्तैद किया गया है ताकि अफवाह या भ्रामक पोस्ट फैलाने वालों के खिलाफ सख्त वैधानिक कानूनी कार्रवाई की जा सके।

भोपा में सड़क हादसों पर ब्रेक की तैयारी: पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर लगवाए रिफ्लेक्टर, चलाया गया सघन चेकिंग अभियान

भोपा क्षेत्र में तेजी से बढ रहे हैं सड़क हादसो के खिलाफ पुलिस ने कसी कमर



भोपा (मुजफ्फरनगर)। जनपद में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों पर रोक लगाने और यातायात सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मुजफ्फरनगर पुलिस पूरी तरह सतर्क मोड में आ गई है। इसी क्रम में रात के समय होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए भोपा पुल पर एक विशेष सघन चेकिंग और जागरूकता अभियान चलाया गया।

यह विशेष सुरक्षा अभियान क्षेत्राधिकारी (CO) भोपा राधा रमण के कुशल निर्देशन में आयोजित किया गया, जिसकी अगुवाई थाना भोपा के प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार ने की। अभियान के दौरान भोपा पुल से होकर गुजरने वाले ऐसे वाहनों की बारीकी से जांच की गई, जिनकी रात के समय दृश्यता बेहद कम होती है। पुलिस टीम ने विशेष रूप से गन्ना या सामान से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को रोककर उनकी जांच की। अंधेरे और कोहरे से बचाव के लिए लगाए रिफ्लेक्टर

सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता देते हुए पुलिस टीम ने बिना रिफ्लेक्टर चल रही दर्जनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर मौके पर ही चमकदार रिफ्लेक्टर टेप लगवाए। अधिकारियों ने बताया कि आगामी ठंड के मौसम में कोहरे और रात के अंधेरे में पीछे से आने वाले वाहनों को ये ट्रैक्टर-ट्रॉलियाँ दूर से ही दिखाई दे सकेंगी, जिससे संभावित भयानक हादसों को टाला जा सकेगा। वाहन चालकों को नियमों के प्रति किया जागरूक

कार्रवाई के दौरान पुलिस अधिकारियों ने चालकों को रोककर यातायात नियमों के पालन की नसीहत भी दी। चालकों से गति सीमा नियंत्रित रखने, अपने वाहनों पर अनिवार्य रूप से संकेतक (इंडिकेटर) व रिफ्लेक्टर दुरुस्त रखने और नशे की हालत में वाहन न चलाने की अपील की गई। पुलिस की इस अचानक मुस्तैदी से नियम तोड़ने वाले चालकों में अफरा-तफरी मची रही, वहीं स्थानीय ग्रामीणों व राहगीरों ने हादसों को रोकने के लिए पुलिस की इस जनहितैषी पहल की मुक्तकंठ से सराहना की।

मुजफ्फरनगर के द एसडी पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल दिवस 'अदम्य', छात्रों ने दिखाया खेल कौशल और अनुशासन

एसपी क्राइम इंदु सिद्धार्थ ने किया समारोह का शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान द एसडी पब्लिक स्कूल में सोमवार को वार्षिक खेल दिवस 'अदम्य' का बेहद उत्साहपूर्ण, रंगारंग और भव्य आयोजन किया गया। खेल मैदान में आयोजित इस समारोह में स्कूल के चारों सदनों के छात्र-छात्राओं ने अपनी शारीरिक दक्षता, खेल प्रतिभा और अनुशासन का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब तालियाँ बटोरीं।

मुख्य अतिथि एसपी क्राइम इंदु सिद्धार्थ ने किया शुभारंभ

कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अतिथि एसपी क्राइम इंदु सिद्धार्थ ने किया। इस दौरान विद्यालय के सचिव आकाश कुमार, सपना कुमार, कार्तिक स्वरूप और आकांक्षा विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यालय की निर्देशिका चंचल सक्सेना और प्रधानाचार्या नीलम माहना ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर भावभिना स्वागत व अभिनंदन किया।

विद्यार्थियों को खेल भावना और निष्पक्षता की दिलाई शपथ

समारोह का आगाज विद्यालय के



चारों सदनों के कप्तानों के नेतृत्व में निकाली गई भव्य मार्च-पास्ट से हुआ, जिसमें अनुशासित टुकड़ियों ने मुख्य अतिथि को सलामी दी। इसके उपरांत मुख्य अतिथि इंदु सिद्धार्थ ने पारंपरिक रूप से खेल मशाल प्रज्वलित की, विद्यार्थियों को खेल भावना और निष्पक्षता की शपथ दिलाई और हवा में शांति के प्रतीक सफेद गुब्बारे छोड़कर खेल दिवस का विधिवत शुभारंभ किया।

योग, ड्रिल और दौड़ प्रतियोगिताओं में छाए छात्र

खेल दिवस के दौरान विद्यार्थियों ने योग प्रदर्शन, विभिन्न प्रकार की संगीतमय आकर्षक ड्रिल और विविध दौड़ प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों की इन मनमोहक प्रस्तुतियों ने उनके शारीरिक संतुलन, एकाग्रता, समन्वय और टीम वर्क का बेहतरीन परिचय दिया। पूरे स्टेडियम में अभिभावकों और सहपाठियों का उत्साहवर्धन गूंजता रहा। विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

विभिन्न खेल स्पधाओं के समापन के पश्चात उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को मुख्य अतिथि एवं विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह के अंत में विद्यालय के सचिव आकाश कुमार ने ओवरऑल विजेता हाउस के नाम की घोषणा की और सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों के समर्पण व खेल भावना की दिल खोलकर सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त शिक्षक-शिक्षिका वर्ग, कर्मचारी और बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

सिसौना के नरेश कोरी बने भाजपा बुनकर प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक: छपार क्षेत्र में खुशी की लहर, कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत



मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी के संगठन में मुजफ्फरनगर जनपद का कद और दायरा बढ़ा है। पार्टी के प्रदेश नेतृत्व की संस्तुति पर छपार क्षेत्र के गांव सिसौना के माजरा नयागांव निवासी वरिष्ठ भाजपा नेता नरेश कोरी को भाजपा बुनकर प्रकोष्ठ का प्रदेश सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। उनकी इस शीर्ष नियुक्ति से क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बधाई देने वालों का लगा तांता, हुआ स्वागत नरेश कोरी को बड़ी संगठनात्मक जिम्मेदारी मिलने की सूचना जैसे ही क्षेत्र में पहुँची, भाजपाइयों और स्थानीय ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए मिठाइयाँ बांटीं और ढोल-नगाड़ों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। आवास पर पहुँचे कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाएँ पहनाकर और बुके भेंट कर उन्हें नई ज़िम्मेदारी के लिए बधाई व शुभकामनाएँ दीं। संगठन में लंबी निष्ठा का मिला फल

उल्लेखनीय है कि नरेश कोरी पिछले कई दशकों से भाजपा संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे जिला संगठन में जिला महामंत्री सहित कई अहम पदों की जिम्मेदारियाँ सफलतापूर्वक संभाल चुके हैं। उनके लंबे सांगठनिक अनुभव, जमीनी जुड़ाव और पार्टी के प्रति अटूट निष्ठा को ध्यान में रखते हुए ही प्रदेश अध्यक्ष द्वारा उन्हें बुनकर प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक पद की महती जिम्मेदारी सौंपी गई है। बुनकरों के हितों की रक्षा को बताई प्राथमिकता नई जिम्मेदारी मिलने पर नरेश कोरी ने शीर्ष नेतृत्व और प्रदेश अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य बुनकर समाज की समस्याओं को शासन-प्रशासन के समक्ष उठाकर उनका समाधान कराना और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना होगा।

मुजफ्फरनगर में बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर शिवसेना आक्रामक: अधिकारियों से मिलकर जताई गंभीर चिंता

सिटी मजिस्ट्रेट और एसपी ट्रैफिक को सौंपा ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। शहर में लगातार गहराती यातायात की समस्या, सड़कों पर फैले अतिक्रमण और चेकिंग के नाम पर आम जनता के उत्पीड़न को लेकर शिवसेना के एक प्रतिनिधिमंडल ने शासन-प्रशासन के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की है। जिला प्रमुख मुकेश त्यागी और जिला महासचिव देवेंद्र चौहान के संयुक्त नेतृत्व में पदाधिकारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट और एसपी ट्रैफिक से मुलाकात कर जनसमस्याओं के समाधान की मांग उठाई। चालान के नाम पर आम जनता के आर्थिक शोषण का आरोप

शिवसेना नेताओं ने एसपी ट्रैफिक को सौंपे ज्ञापन में आरोप लगाया कि नगर की ट्रैफिक पुलिस का ध्यान वास्तविक समस्याओं से हट चुका है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी सड़कों पर लगने वाले जाम को सुलझाने में कम और आम वाहन चालकों पर भारी-भरकम चालान थोपकर उनका आर्थिक शोषण करने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने यह गंभीर आरोप भी लगाया कि जैसे ही हिंदुओं के प्रमुख त्योहार नजदीक आते हैं, ट्रैफिक पुलिस अचानक अति-सक्रिय होकर चेकिंग और वसूली के नाम पर आम लोगों को परेशान करना शुरू कर देती है।



ई-रिक्शा और अतिक्रमण के कारण लग रहा भीषण जाम प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि शहर की मुख्य सड़कों पर अवैध रूप से दौड़ रहे ई-रिक्शा और पटरी पर लगे ठेलों के कारण जगह-जगह जाम की स्थिति बनी रहती है। यातायात कर्मी जाम खुलवाने और अतिक्रमण हटवाने की बजाय सिर्फ कागजात चेक करने और चालान काटने में व्यस्त रहते हैं। शिवसेना नेताओं ने मांग की कि इस अव्यवस्था पर तत्काल संज्ञान लेते हुए दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त एक्शन लिया जाए और शहरवासियों को जाम से राहत दिलाई जाए। एसपी ट्रैफिक ने दिया उचित कार्रवाई का आश्वासन शिवसेना प्रतिनिधिमंडल की बातें सुनने के बाद एसपी ट्रैफिक ने मामले की गंभीरता को समझा और आश्वासन दिया कि यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा अनावश्यक उत्पीड़न रोकने के लिए जल्द उचित कदम उठाए जाएंगे। प्रमुख पदाधिकारी रहे मौजूद प्रतिनिधिमंडल के इस ज्ञापन कार्यक्रम के दौरान शिवसेना के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से जिला प्रमुख संजीव वर्मा, नरेंद्र ठाकुर, मंगतराम सोनकर, विकास पुंडीर, महानगर उपाध्यक्ष उज्ज्वल पंडित के अलावा सत्यम प्रधान, प्रभात रावत, राजेश अरोड़ा और दाताराम शामिल रहे।

मुजफ्फरनगर में रोहाना कलां शुगर मिल का पेराई सत्र शुरू: कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने किया शुभारंभ, गन्ने की पहली ट्रॉली डाली

मीठे सफर की शुरूआत होने पर मिल प्रबंधन औरे किसान रहे मौजूद

मुजफ्फरनगर। क्षेत्र की प्रमुख औद्योगिक इकाई इण्डियन पोटैश लिमिटेड (क्द्दछ), इकाई रोहाना कलां में चीनी मिल के पेराई सत्र 2026-27 का धार्मिक रीति-रिवाजों और मंत्रोच्चार के बीच विधिवत शुभारंभ किया गया। मिल परिसर में आयोजित भव्य कार्यक्रम के दौरान वैदिक हवन एवं पूजा-अर्चना के उपरांत केन कैरियर में गन्ना डालकर पेराई कार्य की शुरूआत की गई। इस अवसर पर ईश्वर से नए पेराई सत्र के सफल, सुरक्षित और निर्विघ्न संचालन की प्रार्थना की गई।

केन कैरियर में गन्ना डालकर किया सत्र का आगाज

पेराई सत्र के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कैबिनेट मंत्री माननीय श्री अनिल कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने सहारनपुर मण्डल के उप गन्ना आयुक्त ओमप्रकाश सिंह, ओ०पी० सिंह तथा मिल के इकाई प्रमुख लोकेश कुमार के साथ संयुक्त रूप से केन कैरियर में गन्ना डालकर मिल के पेराई चक्र को गति दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि चीनी मिल का समय से और सुचारू रूप से चलना क्षेत्र के किसानों के आर्थिक उत्थान के लिए अत्यंत आवश्यक है। मिल प्रबंधन ने आश्वस्त किया कि सत्र के दौरान किसानों को गन्ना आपूर्ति और भुगतान में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी।



हवन-पूजन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन

पेराई सत्र के शुभारंभ के उपरांत मिल परिसर में उपस्थित जनसमूह के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इसके बाद एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैंकड़ों किसानों, गणमान्य नागरिकों और मिल कर्मचारियों ने प्रसादी ग्रहण की। पूरे मिल परिसर में नए सत्र की शुरूआत को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला। समारोह के अंत में इकाई प्रमुख लोकेश कुमार ने आए हुए सभी अतिथियों, अधिकारियों और किसान भाइयों का आभार व्यक्त किया और नए पेराई सत्र को सफल बनाने में सभी के सहयोग की अपेक्षा जताई। किसान और मिल प्रशासनिक अधिकारी रहे मौजूद

शुभ अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख किसान नेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों और मिल प्रबंधन के विभागाध्यक्षों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रशासनिक व सामाजिक प्रतिनिधियों में अनिल त्यागी (अध्यक्ष गन्ना सोसायटी), अनुराग श्रीवास्तव (एससीडीआई), प्रवीण कुमार (सदस्य जिला पंचायत), मिल प्रबंधन व विभागाध्यक्ष वीर सैन एवं प्रमोद आनन्द (मुख्य अभियन्ता), आरके तिवारी (विभागाध्यक्ष एचआर एंड लीगल), तरुण कुमार गौड़ (विभागाध्यक्ष एकाउन्ट्स), संजीव कुमार (विभागाध्यक्ष गन्ना), पंकज कुमार बालियान (विभागाध्यक्ष प्रोडक्शन) के अलावा आरके पाण्डेय (प्रबंधक मानव संसाधन एवं विधि), पंकज कुमार (हैड आईटी), जसमेन्द्र सिंह (गेट इंचार्ज), विशाल तिवारी, पंकज शर्मा मौजूद रहे।

समन्वय स्तंभ ने मनाया स्वस्थ नारी-सशक्त नारी जागरूकता अभियान, छात्राओं को वितरित की नि:शुल्क हेल्थ किट

मुजफ्फरनगर। सामाजिक संगठन समन्वय स्तंभ, मुजफ्फरनगर द्वारा ताराचंद वैदिक पुत्री डिग्री कॉलेज में स्वस्थ नारी-सशक्त नारी : बालिका स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य, महिला स्वास्थ्य एवं आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में महिलाओं एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य के लिए सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं एवं उनके समाधान के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. संदीप शर्मा, जिला संयोजक, चिकित्सा प्रकोष्ठ एवं वरिष्ठ समाजसेवी तथा ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष श्री अमित वत्स जी उपस्थित रहे। अभियान के अंतर्गत PAN Health के सौजन्य से Everteen सैनिटरी नैपकिन युक्त नि:शुल्क हेल्थ किट छात्राओं को वितरित की गईं। हेल्थ किट का वितरण मुख्य अतिथि डॉ. सुनील तेवतिया के करकमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में PAN Healt की ओर से दिल्ली से आई विशेष टीम ने छात्राओं को मासिक धर्म एवं महिला स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक एवं सहज तरीके से जानकारी दी। टीम में श्री कनिष्क पारचा, सुश्री परी शर्मा (इवेंट्स कोऑर्डिनेटर) एवं सुश्री भाव्या बंसल (सेशन स्पीकर) शामिल रहे। सुश्री भाव्या बंसल ने अपने विशेष जागरूकता सत्र में छात्राओं को बताया कि मासिक धर्म एक सामान्य प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिस पर बिना किसी झिझक या संकोच के खुलकर बातचीत होनी चाहिए। उन्होंने मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता एवं उचित देखभाल के महत्व के साथ-साथ एंडोमेट्रियोसिस एवं सर्वाइकल कैंसर जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की विस्तृत जानकारी दी। इसके अतिरिक्त संतुलित एवं पौष्टिक आहार, सही जीवनशैली तथा अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। टीम ने छात्राओं को विशेष रूप से प्रेरित



किया कि वे स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर सही तथ्यों एवं वैज्ञानिक जानकारी पर विश्वास करें, न कि समाज में प्रचलित भ्रांतियों एवं मिथकों पर। इस जागरूकता सत्र का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को मासिक धर्म एवं महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूक, आत्मविश्वासी एवं जिम्मेदार बनाना रहा।

तारा चंद वेदिक पुत्री डिग्री कॉलेज की प्राचार्या डॉ. संगीता चौधरी ने समन्वय स्तंभ द्वारा किए जा रहे इस सामाजिक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम छात्राओं के स्वास्थ्य, आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। कॉलेज प्रशासन की ओर से डॉ. योगिता शर्मा, श्रीमती शिवानी गुप्ता, श्रीमती दिव्या, श्रीमती प्रियंका, श्रीमती पूजा राणा एवं समस्त शिक्षिकाओं ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में अपना पूर्ण सहयोग एवं योगदान दिया। इस अवसर पर सुश्री आशिमा गुप्ता, वरिष्ठ महिला संयोजिका, समन्वय स्तंभ ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए बालिकाओं एवं महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम का सफल संचालन समन्वय स्तंभ के मुख्य संयोजक अमित गुप्ता द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम संयोजक अंकुर गुप्ता रहे। कार्यक्रम में समन्वय स्तंभ की ओर से गौरव गर्ग (CA), पुनीत मित्तल, बिजेंद्र धीमान, सोनू गर्ग, संदीप गुप्ता (बुकमेन पब्लिकेशन), श्रीमती प्रीति गुप्ता, श्रीमती मीतू गुप्ता एवं सुश्री आशिमा गुप्ता सहित संगठन के अन्य प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।

PAN Healt की ओर से विकास अग्रवाल (जोनल मैनेजर), मनुज अग्रवाल (सीनियर रीजनल सेल्स मैनेजर), जितेंद्र कुमार (एरिया सेल्स मैनेजर), कनिष्क पारचा, सुश्री परी शर्मा एवं सुश्री भाव्या बंसल सहित पूरी टीम की विशेष सहभागिता रही।कार्यक्रम के समापन पर समन्वय स्तंभ के मुख्य संयोजक श्री अमित गुप्ता ने सभी अतिथियों, कॉलेज प्रशासन एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समन्वय स्तंभ का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों, संस्थाओं एवं जागरूक नागरिकों को एक मंच पर लाकर सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को धरातल पर आगे बढ़ाना है। संगठन भविष्य में भी स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। स्वस्थ बेटी, सशक्त बेटी और जागरूक बेटी ही समृद्ध समाज की आधारशिला है।

मुजफ्फरनगर में ऑपरेशन चक्रवात के तहत मंसूरपुर व पुरकाजी थानों में हिस्ट्रीशीटरों की परेड: 'यक्ष ऐप' पर भरा गया डोजियर

सत्यापन के बाद दिलाई जिम्मेदार नागरिक बनने की शपथ

मुजफ्फरनगर। जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने और आमजन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से मुजफ्फरनगर पुलिस विशेष अभियान चला रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के कुशल नेतृत्व में नगर जोन के थानों पर 'ऑपरेशन चक्रवात' के तहत सघन सत्यापन प्रक्रिया शुरू की गई है।

'यक्ष ऐप' पर बना डिजिटल डाटाबेस

अभियान के तहत नगर जोन के अंतर्गत आने वाले थाना मंसूरपुर और थाना पुरकाजी पर पूर्व में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे व्यक्तियों तथा पुराने अपराधियों को थाने तलब किया गया। थानों पर पहुँचे सभी व्यक्तियों का



मौके पर गहन सत्यापन किया गया। पुलिस अधिकारियों ने आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए 'यक्ष ऐप' पर उनका पूरा डोजियर भरा, जिससे प्रत्येक पूर्व अपराधी का एक सुव्यवस्थित और डिजिटल डाटाबेस तैयार किया जा सके। पुलिस का मुख्य उद्देश्य इन व्यक्तियों की वर्तमान गतिविधियों, रोजगार और रहन-सहन की निगरानी रखना है, ताकि अपराध की पुनरावृत्ति पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

सत्यापन प्रक्रिया के दौरान थाना प्रभारियों ने पूर्व अपराधियों को भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि, गिरोहबाजी या शांति भंग करने वाले कृत्यों से दूर रहने की सख्त चेतावनी दी। साथ ही, थाने में उपस्थित सभी लोगों को कानून का कड़ाई से पालन करने और समाज में एक अच्छा तथा जिम्मेदार नागरिक बनकर जीवन यापन करने की औपचारिक शपथ दिलाई गई।

कानून-व्यवस्था को मजबूत करना पुलिस की प्राथमिकता

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 'ऑपरेशन चक्रवात' का मुख्य उद्देश्य जनपद में पारदर्शी और सुरक्षित वातावरण निर्मित करना है। इस अभियान के जरिए जहाँ एक ओर पुराने अपराधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है, वहीं दूसरी ओर आम नागरिकों के बीच पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि नगर जोन के अन्य थानों में भी यह सघन अभियान लगातार जारी रहेगा।

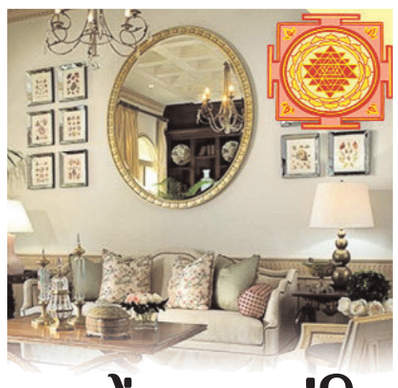
यूपी में पत्रकारों से दुर्व्यवहार पर डीजीपी सख्त: बेहतर समन्वय के निर्देश, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

लोकतंत्र की मजबूती के लिए पुलिस और मीडिया के बीच समन्वय जरुरी:राजीव कृष्ण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने तथा समाचार संकलन के दौरान पत्रकारों के मान-सम्मान की रक्षा को लेकर शासन स्तर पर कड़ा रुख अपनाया गया है। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने राज्य के सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि पत्रकारों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए तथा सूचनाओं के आदान-प्रदान में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। डीजीपी राजीव कृष्ण ने महकमे को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन और मीडिया के बीच संवाद का पारदर्शी और सकारात्मक माहौल होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि थानों और पुलिस कार्यालयों में आने वाले पत्रकारों के



साथ सहयोगपूर्ण रवैया अपनाया जाए। डीजीपी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि समन्वय स्थापित करने में यदि किसी भी स्तर पर पुलिसकर्मियों की लापरवाही या अभद्रता सामने आती है, तो उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अपने निदेशों में डीजीपी ने रेखांकित किया कि लोकतंत्र में मीडिया जनता और शासन-प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है। पत्रकार जमीनी हकीकत, जनसमस्याओं और क्षेत्रीय मुद्दों को सामने लाते हैं, जिससे पुलिस व प्रशासन को कानून-व्यवस्था व सुरक्षा से जुड़े कई अहम मामलों में त्वरित संज्ञान लेने में मदद मिलती है। पुलिस का मुख्य दायित्व कानून-व्यवस्था बनाए रखना है और मीडिया का कार्य जनहित के मुद्दों को उजागर करना है; ऐसे में दोनों के बीच आपसी विश्वास और सम्मान अत्यंत प्रासंगिक है। डीजीपी के इस आदेश के बाद अब प्रदेश भर के सभी जनपदों के कप्तानों, क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों की कार्यप्रणाली पर नजर रहेगी। अक्सर समाचार संकलन के दौरान थानों पर पत्रकारों के साथ होने वाले विवादों और सूचनाओं को छिपाने की शिकायतों पर इस आदेश से प्रभावी अंकुश लगने की उम्मीद जताई जा रही है। डीजीपी के इस रुख को प्रदेश में पुलिस-मीडिया संबंधों को अधिक पेशेवर, पारदर्शी और सौहार्दपूर्ण बनाने की दिशा में एक ठोस कदम के रूप में देखा जा रहा है।



घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम करता है आइना

आइना सिर्फ चेहरा देखने के लिए बल्कि घर की खूबसूरती बढ़ाने का काम भी करता है। मगर आइना अगर वास्तु के हिसाब से लगा हो घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाने के लिए किस आकार, साइज और दिशा में शीशा रखना चाहिए।

पैसों के किल्लत दूर करने के लिए

पैसों की तंगी दूर करने के लिए घर की दक्षिण दिशा में एक बड़ा गोल दर्पण लगाएं। इससे ना सिर्फ पैसों की किल्लत दूर होगी बल्कि यह घर में पॉजिटिव एनर्जी भी बढ़ाएगा।

सुख-शांति बनाए रखने के लिए

वास्तु के अनुसार, घर की उत्तर दिशा में आइना लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और इससे परिवार के सदस्यों में लड़ाई-झगड़ें भी नहीं होती। इसके लिए आप उत्तर दिशा में अंडाकार शीशा लगाएं।

कपल्स के लिए

बेड के सामन दर्पण नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे पति-पत्नी के रिश्ते पर बुरा असर पड़ता है। बेडरूम में शीशा ऐसी जगह लगाएं, जहां से इसमें बेड ना दिखे। आप बेडरूम की दक्षिण में तिकोना आइना लगा सकते हैं।

मुख्य दरवाजा

कभी भूलकर भी घर के मुख्य द्वारा पर शीशा ना रखें। ऐसा करने से घर में नाकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसके साथ ही मुख्य दरवाजे पर कोई चमकदार चीज भी ना रखें

बाथरूम में इस दिशा में लगाएं आइना

जिन लोगों का बाथरूम दक्षिण या पश्चिम दिशा में है उनको उत्तर दिशा में वर्गाकार आइना लगाना चाहिए। ऐसा करने से बाथरूम का वास्तुदोष खत्म हो जाएगा।

घर में ना रखें टूटा हुआ आइना

घर में कभी-भी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है। साथ ही इससे परिवार क बीच झगड़े भी होने लगते हैं।

शीशे के शो-पीस

शीशे के शो-पीस को या एक्वेरियम को हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में ही लगाएं। इस दिशा में आइना या शो-पीस लगाने से घर में साकारात्मक ऊर्जा का वासा होगा।



दिवाली पर पहनें ये ड्रेस और पाएं परफेक्ट ट्रेडिशनल लुक

दिवाली का त्योहार नजदीक है और ऐसे में फेस्टिव सीजन के समय ट्रेडिशनल ड्रेस ही परफेक्ट होते हैं। खासकर दिवाली के मौके पर तो लड़कियां ट्रेडिशनल लुक ही कैरी करना ज्यादा पसंद करती हैं। वहीं ट्रेडिशनल लुक मतलब साड़ी, लहंगा और सलवार सूट के बारे में सबसे पहले विचार आता है। लेकिन अगर आप साड़ी, लहंगा, सलवार सूट पहनकर बोर हो चुकी हैं और चाहती हैं कि इस दिवाली पर कुछ डिफरेंट ट्रेडिशनल ड्रेस ट्राई करना तो शरारा आपके लिए बेहतरीन है। इस वक्त खासकर लड़कियां शरारा ड्रेस को काफी पसंद भी कर रही हैं। वहीं यदि दिवाली के दिन आप एकदम परफेक्ट लुक पाना चाहती हैं तो आपको शरारा जरूर ट्राई करना चाहिए।

ब्लैक एंड व्हाइट शरारा

अगर दिवाली के दिन आप सिम्पल ट्रेडिशनल लुक चाहती हैं तो आप कॉटन का ब्लैक एंड व्हाइट शरारा ट्राई कर सकती हैं। इसके साथ ही आप हल्का-सा मेकअप कर सकती हैं, साथ ही हैवी झूमके भी कैरी कर सकती हैं।

लाइट पर्पल शरारा

इस दिवाली स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो पर्पल कलर का शरारा ट्राई कर सकती हैं और इसके साथ आप ईयररिंग्स कैरी कर सकती हैं और गोटा लगा हुआ दुपट्टा कैरी कर सकती हैं।

गोल्डन शरारा

अगर दिवाली के दिन आप थोड़ा हैवी लुक में रहना चाहती हैं तो आपको गोल्डन शरारा ट्राई करना चाहिए। ये आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगा। आप कुर्ते को स्लीवलेस भी रख सकती हैं। इसके अलावा इससे मैच करता हुई ईयररिंग्स भी कैरी कर सकती हैं।

व्हाइट शरारा

फेस्टिवल सीजन में व्हाइट शरारा एक बेहतरीन विकल्प है। यह आपको एलीगेंट और परफेक्ट लुक देगा। आप चाहें तो व्हाइट शरारा के साथ ब्लैक मेटल की ईयररिंग्स कैरी कर सकती हैं।

दिवाली में इन फैशन टिप्स को करें फॉलो

दिवाली के त्योहार में स्वादिष्ट पकवान, दीये जगमग रोशनी और बहुत सारी खुशियों का त्योहार है। इसके साथ ही दिवाली में अच्छी तरह से तैयार होकर बिलकुल परफेक्ट नजर आना भी जरूरी होता है। दिवाली के दिन परफेक्ट मेकअप और ड्रेसअप का पूरा ख्याल रखा जाता है। यदि आप भी इस दिवाली अपनी ड्रेस को लेकर कन्फ्यूज हैं तो हम आपको यहां कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप अपना ये कन्फ्यूजन बिलकुल खत्म कर सकती हैं। दिवाली की पार्टी में आप ब्लैक और गोल्डन कलर के ब्रोकेड लहंगा ट्राई कर सकती हैं, इसके साथ ही गोल्डन कलर के बड़े-बड़े झूमके, मांगटीका और बालों में गजरे के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस लुक के साथ आप यकीनन किसी बॉलीवुड डीवा से कम नहीं लगेंगी। कलरफुल डिजाइन का लहंगा भी आप इस दिवाली ट्राई कर सकती हैं। कलरफुल डिजाइन का लहंगा और मिरर वर्क के साथ आप इस दिवाली अपने लुक में चार चांद लगा देंगी। इसके साथ ही आप सिम्पल ईयररिंग्स के साथ अपने लुक को कम्प्लीट कर सकती हैं। ब्लैक एंड गोल्डन कलर के लहंगे में आप एक बेहतरीन लुक पा सकती हैं। इसमें आप बेहद खूबसूरत नजर आएंगी। आप इसे व्हाइट कलर के स्टोल के साथ टीमअप करके पहन सकती हैं, साथ में मैचिंग बड़े-बड़े झूमकों के साथ आप अपने लुक को कई गुना और बेहतर बना सकती हैं। इसके साथ ही आप रफल साड़ी, कुर्ती एंड प्लाजो, शॉर्ट कुर्ती एंड स्कर्ट भी इस दिवाली ट्राई कर सकती हैं। लहंगा स्कर्ट और क्रॉप टॉप के साथ भी आप अपना परफेक्ट दिवाली लुक पा सकती हैं, इसके साथ ही आप हैवी झूमके ट्राई कर सकती हैं।





टेंशन फ्री दिवाली क्लीनिंग!

इन ट्रिक्स से जगमग-जगमग करेगा घर का हर कोना

दिवाली का त्योहार आते ही चारों ओर रौनक देखने को मिलती है। इस दौरान घरों को सजाया जाता है। हर तरफ लाइट और दीयों की रोशनी देखने को मिलती है। दिवाली से पहले घरों की सफाई जरूर की जाती है। हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देने जा रहे हैं, जिसे अपनाकर आप भी घर के कोने-कोने की सफाई कर सकेंगी। दिवाली का त्योहार नजदीक है। इस खुशी के मौके पर घर की साफ-सफाई करना तो जरूरी ही होता है, लेकिन अक्सर ये काम काफी थकाऊ और लंबा लगने लगता है। इस बार दिवाली की सफाई को लेकर बिल्कुल भी टेंशन मत लें। हम आपके लिए कुछ ऐसे आसान और जबरदस्त ट्रिक्स लाए हैं, जिनकी मदद से आपका घर सिर्फ तीन दिनों में चमक उठेगा। आपको बस इन ट्रिक्स को फॉलो करना है और आप देखेंगी कि बिना ज्यादा मेहनत किए, घर का हर कोना चकाचक हो जाएगा।

घर के मंदिर को करें साफ

दिवाली पर मां लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा की जाती है। मंदिर और मूर्तियों की सफाई करना बहुत जरूरी है। अगर आपके पास पीतल की मूर्तियां हैं तो नींबू के रस और बेकिंग सोडा से रगड़ सकती हैं। इससे उनमें चमक लौट आएगी। पूजा के दीयों और चौकी को भी गीले कपड़े से पोंछ लें।

नींबू से माइक्रोवेव करें साफ

माइक्रोवेव में खाने के छींटे और बदबू आम बात है। इसे साफ करने भी लोग कतराते हैं। ऐसे में दिवाली के मौके पर आप आधा नींबू निचोड़कर 4 चम्मच पानी में मिलाएं। इसके बाद इसे माइक्रोवेव में 10 से 15 मिनट के लिए गर्म करें। स्टीम बनने से माइक्रोवेव में जमी गंदगी आसानी से निकल जाएगी। इसके बाद सूखे कपड़े से उसे पोंछ दें।

टंकी और टाइलों को ऐसे करें साफ

बाथरूम या किचन में नलों पर जो दाग पड़ जाते हैं, वो देखने में काफी खराब लगते हैं। ऐसे में इनकी सफाई करने के लिए आपको एप्पल साइडर विनेगर और नींबू के रस को बराबर मात्रा में मिलाना होगा। इसे नलों पर 10 मिनट के लिए लगा दें। इसके बाद कपड़े से साफ कर दें। आप खुद देखेंगी कि इसमें नई चमक वापस लौट आई।

शीशे और खिड़कियों की सफाई भी जरूरी

व्हाइट विनेगर और पानी को बराबर मात्रा में मिलाकर स्प्रे बोतल में भर लें। इससे शीशे, खिड़कियां या आइने पर स्प्रे करें। कुछ मिनट बाद साफ कपड़े से पोंछ लें। इससे दाग-धब्बे गायब हो जाएंगे और शीशे बिलकुल नए जैसे चमकने लगेंगे।

बेकिंग सोडा से करें फिटिंग्स क्लीन

बाथरूम की फिटिंग्स या टाइल्स के बीच की जगह पर बेकिंग सोडा छिड़क दें। उस पर थोड़ा लिक्विड साबुन भी डालें और पुरानी ब्रश से रगड़ें। ये तरीका गंदगी और कीटाणु दोनों को हटाने में काफी असरदार है।

पंखे और लाइट्स से हटाएं जाले

अक्सर पंखे और बल्बों पर धूल जम जाती है। इन्हें गीले कपड़े या लंबी डस्टिंग ब्रश से साफ करें। ऐसा करने से घर की लाइटिंग और हवा दोनों में ताजगी महसूस होगी। वहीं दूसरी ओर गद्दे या सोफे पर बेकिंग सोडा छिड़कें, थोड़ा सिरका स्प्रे करें और कुछ घंटे बाद वैक्यूम कर लें। इससे धूल, बदबू और कीड़े-मकोड़े सब भाग जाएंगे। दिवाली से पहले पर्दे, कुशन कवर और बेडशीट बदल लें।



एक से ज्यादा पैन कार्ड तो तुरंत करें सरेंडर

लोगों के मन में दो पैन को लेकर सवाल हैं कि अगर किसी के पास एक से ज्यादा पैन कार्ड है तो इसे सरेंडर कैसे करना होगा। आइए आज हम आपकी कंफ्यूजन दूर करने के साथ-साथ यहां ऑनलाइन प्रोसेस भी बताएंगे।

पैन कार्ड नागरिकों के लिए जरूरी दस्तावेजों में से एक है, जिसको लेकर केंद्र सरकार ने बड़े बदलाव की घोषणा कर दी है। दरअसल, आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने हाल ही में PAN 2.0 परियोजना को मंजूरी दी है। इस परियोजना का उद्देश्य पैन, टैक्स कटौती और TAN जारी करने और मैनेज करने की प्रक्रिया को आसान व सुरक्षित बनाना है। ऐसे में, लोगों के मन में अब एक सवाल यह भी आ रहा है है कि अगर किसी के पास एक से अधिक पैन कार्ड होगा है तो क्या होगा, कितना जुर्माना लगेगा और दूसरे पैन को सरेंडर करने का तरीका क्या है।

एक्स्ट्रा पैन कार्ड रखने पर क्या होता है?

प्रेस सूचना ब्यूरो के अनुसार, आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधानों के मुताबिक, किसी भी व्यक्ति के पास एक से अधिक पैन कार्ड रखने की अनुमति नहीं है। अगर किसी व्यक्ति के पास दो पैन है तो वह जल्द से जल्द अपने पैन को सरेंडर करा लें। वरना इसके लिए आपको जुर्माना भी देन पड़ सकता है। आपको बता दें कि पैन 2.0 प्रोजेक्ट में एक व्यक्ति के एक से अधिक पैन रखने की घटनाएं कम हो सकती हैं। अगर आपने भी एक्स्ट्रा पैन अपने पास रखा है या किसी तरह मिला है तो आपको तुरंत इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को इसकी सूचना देकर इसे रद्द कर देना होगा।

कितना देना पड़ सकता है जुर्माना?

दो पैन कार्ड रखने की अनुमति किसी के पास नहीं है। ऐसे में, अगर किसी व्यक्ति के पास एक से अधिक पैन कार्ड है, तो आयकर अधिनियम की धारा 272बी के अनुसार उनपर 10,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

पैन कार्ड सरेंडर करने की प्रक्रिया

पैन सर्विस वेबसाइट के मुताबिक, एक्स्ट्रा पैन कार्ड को सरेंडर करवाने के लिए आपको आयकर विभाग के समक्ष पैन चेंज कराने का रिक्वेस्ट देना होगा। इसके साथ आपको वर्तमान पैन नंबर का भी जिक्र करना होगा। इसके अलावा, आपको अनजाने में दिए गए अन्य सभी पैन का नंबर भी बताना होगा। इस फॉर्म के साथ आपको सरेंडर के लिए फॉर्म 11 जमा करना होगा। साथ में, संबंधित सारे पैन कार्ड की एक-एक कॉपी भी जमा करनी होगी।

ईशान आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में छह दिवसीय राष्ट्रीय सीएमई कार्यक्रम 'अगद तंत्र' का भव्य समापन



ग्रेटर नोएडा। ईशान आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर, ग्रेटर नोएडा में आयुर्वेद की महत्वपूर्ण चिकित्सा शाखा' अगद तंत्र' विषय पर आयोजित छह दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा सीएमई कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक कार्यक्रम को भारत सरकार के आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित किया गया, जबकि राष्ट्रीय आयुर्वेद परिषद, नई दिल्ली द्वारा इसका समन्वय किया गया। इस छह दिवसीय कार्यक्रम में देश के 11 राज्यों से आए 8 विशेषज्ञ वक्ताओं ने अपने व्याख्यान एवं अनुभव साझा किए। वहीं, पूरे भारत से चयनित 30 चिकित्सकों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य अगद तंत्र के क्षेत्र में चिकित्सकों के ज्ञान, कौशल एवं व्यावहारिक दक्षता को विकसित करना तथा आयुर्वेद की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के वैज्ञानिक अध्ययन को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर संस्थान के चेयरमैन डॉ. डी.के. गर्ग, सीईओ डॉ. तुषार आर्य, डॉ. अमन आर्य एवं प्राचार्य डॉ. एस.के. अकाब द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया था। छह दिनों तक चले इस शैक्षणिक आयोजन में विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान, प्रशिक्षण सत्र, शैक्षणिक संवाद एवं व्यावहारिक जानकारियां प्रदान की गईं।

समापन समारोह का आयोजन संस्थान के ऑडिटोरियम में किया गया जिसमें संस्थान के पदाधिकारियों, अतिथियों, विशेषज्ञ वक्ताओं, प्रतिभागी चिकित्सकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह में विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्होंने कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति एवं परंपरा की सुंदर झलक प्रस्तुत की और उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। इस अवसर पर छह दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सभी विशेषज्ञ वक्ताओं, अतिथियों, प्रतिभागी चिकित्सकों एवं आयोजन से जुड़े सदस्यों को स्मृति चिह्न एवं सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों के योगदान की सराहना करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। अगद तंत्र आयुर्वेद की एक महत्वपूर्ण शाखा है, जिसमें विष विज्ञान, विषैले पदार्थों के प्रभाव, विषाक्तता की पहचान, रोकथाम एवं उपचार से संबंधित विषयों का अध्ययन किया जाता है।

इस सीएमई कार्यक्रम के माध्यम से चिकित्सकों को इस क्षेत्र की नवीनतम शैक्षणिक जानकारियों, विशेषज्ञों के अनुभवों तथा चिकित्सा के व्यावहारिक पहलुओं को समझने का महत्वपूर्ण अवसर मिला। कार्यक्रम के सफल समापन पर संस्थान प्रबंधन ने सभी विशेषज्ञ वक्ताओं, प्रतिभागी चिकित्सकों, अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। साथ ही कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रम आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं चिकित्सकों के निरंतर व्यावसायिक विकास को नई दिशा प्रदान करते हैं। छह दिवसीय इस राष्ट्रीय सीएमई कार्यक्रम का सफल आयोजन ईशान आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि रहा।

मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम का विधिवत रूप से किया शुभारंभ

गौतमबुद्धनगर। माय भारत गौतमबुद्धनगर द्वारा गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के समन्वय से गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में विकसित भारत युवा संसद- 2026-27 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह, डॉ. सुशील कुमार, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, उप निदेशक माय भारत गौतमबुद्धनगर शिवेंद्र सिंह तथा ह्स्स कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गौरव कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं, संवैधानिक समझ, तार्किक अभिव्यक्ति एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि युवा संसद का उद्देश्य युवाओं में संवैधानिक जिम्मेदारियों, नैतिक मूल्यों एवं जिम्मेदार नागरिकता की भावना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि युवा न केवल देश का भविष्य हैं, बल्कि वर्तमान में भी सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण वाहक हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और सकारात्मक सोच का उपयोग देश के विकास के लिए करने का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राणा प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों एवं व्यावहारिक ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को प्रशासनिक व्यवस्था को समझने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवा संसद जैसे मंचों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उनमें लोकतांत्रिक चेतना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

उप निदेशक माय भारत गौतमबुद्धनगर ने युवाओं को सुशासन एवं नीति निर्माण से जोड़ने में युवा संसद की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत ञ्च2047 के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के युवा विकसित भारत के केवल भावी नागरिक नहीं, बल्कि उसके निर्माण के सक्रिय भागीदार हैं। उन्होंने युवाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझने, अपने विचारों को तार्किक ढंग से प्रस्तुत करने और राष्ट्र निर्माण में अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित भाषण प्रतियोगिता का विषय 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' रहा। विद्यार्थियों ने इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषय पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए तथा इसके विभिन्न संवैधानिक, लोकतांत्रिक एवं व्यावहारिक पहलुओं पर पक्ष एवं विपक्ष में तर्क रखे। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की तार्किक क्षमता, विषय की समझ, अभिव्यक्ति कौशल एवं आत्मविश्वास का मूल्यांकन किया गया।

प्रतियोगिता के मूल्यांकन हेतु पांच सदस्यीय निर्णायक मंडल गठित किया गया, जिसमें गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय से डॉ0 रितिका जोशी एवं सृजना जायसवाल, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से डॉ. प्रीतीश कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉ. पवन सिंह तथा अमर उजाला के ब्यूरो चीफ अतुल भारद्वाज शामिल रहे।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. सुशील कुमार, अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, निर्णायक मंडल के सदस्यों, प्रतिभागियों एवं आयोजन में सहयोग देने वाले सभी व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में ह्स्स के डॉ. गौरव कुमार, डॉ0 राकेश कुमार, डॉ0 भास्वती बनर्जी एवं प्रीतेश मिश्रा सहित दिनेश शर्मा एवं अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जारचा में मुठभेड़ के बाद बकरा चोरी गिरोह का बदमाश घायल, 25 हजार का इनामी पुलिस टीम को इनाम

ग्रेटर नोएडा। थाना जारचा क्षेत्र में प्यावली डैम के पास पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। चेकिंग के दौरान पुलिस को देखकर भाग रहे मोटरसाइकिल सवार संदिग्धों को जब रोकने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं उसका साथी मोटरसाइकिल पर सवार होकर भागने में सफल रहा। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम को 25 हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा श्रवण कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि एक नवंबर को जारचा थाने की पुलिस टीम प्यावली डैम के पास चेकिंग कर रही थी। उसी समय बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति वहां से गुजरे। पुलिस टीम ने जब उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो वे भागने लगे। पुलिस टीम ने तुरंत उनका पीछा किया। पीछा करने पर एक बदमाश मोटरसाइकिल से उतरा और पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाने लगा। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा, जबकि उसका दूसरा साथी मोटरसाइकिल लेकर मौके से फरार हो गया।

घायल बदमाश की पहचान और तमंचा बरामद: पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में घायल बदमाश की पहचान 28 साल के कमल उर्फ कमलुआ उर्फ कल्लू के रूप में हुई है। वह जिला संभल के थाना गुन्नौर क्षेत्र के ग्राम जगन्नाथपुर का रहने वाला है। पुलिस ने उसके कब्जे से .315 बोर का एक अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और 7,560 रुपये बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, बरामद किए गए 7,560 रुपये चोरी के बकरे बेचकर हासिल किए गए थे। पैर में गोली लगने के कारण घायल हुए आरोपी को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय था बकरा चोरी करने वाला गिरोह: पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर बकरा चोरी करने वाला संगठित गिरोह चलाता था। गिरोह के सदस्य पहले मोटरसाइकिल से अलग-अलग इलाकों में घूमकर बकरे बांधने के स्थानों की रेकी करते थे। इसके बाद रात के समय चार पहिया वाहन से पहुंचकर बकरे चोरी कर लेते थे। चोरी के बकरों को दिल्ली में ले जाकर बेचा जाता था और बिक्री से मिली रकम को गिरोह के सदस्य आपस में बांट लेते थे। इस गिरोह ने गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, अलीगढ़, बुलंदशहर और संभल सहित दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न क्षेत्रों में बकरा चोरी की कई वारदातों को अंजाम दिया है।

सेवियर ग्रीनआर्च सोसाइटी में सामूहिक सहभागिता से जरूरतमंद परिवारों तक पहुँचे वस्त्र, कई घरों में आई दिवाली की खुशियाँ

नोएडा। समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता तथा वस्त्रों के पुनः उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित सेवियर ग्रीनआर्च क्लोथ डोनेशन ड्राइव-2026 का प्रथम चरण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी ग्रीनआर्च सोसाइटी के निवासियों ने अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और बड़ी संख्या में कपड़े, साड़ियाँ एवं अन्य उपयोगी वस्त्र दान किए। विशेष बात यह रही कि निवासियों द्वारा दान किए गए अधिकांश वस्त्र अत्यंत अच्छी एवं उपयोग योग्य स्थिति में थे, जो उनकी संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाता है। इस अभियान के अंतर्गत वस्त्रों का संग्रह, छँटाई, ट्रक में लोडिंग, वितरण स्थल तक परिवहन तथा जरूरतमंद परिवारों के बीच वितरण की पूरी प्रक्रिया स्वयंसेवकों के सामूहिक प्रयास से सफलतापूर्वक पूरी की गई। ईएमसीटी की संस्थापक एवं समाजसेवी रश्मि पाण्डेय ने कहाः 'यह अभियान केवल पुराने कपड़ों का संग्रह और वितरण नहीं,



बल्कि समाज के जरूरतमंद परिवारों तक सम्मान, अपनत्व और स्नेह पहुँचाने की एक पहल है। मुझे विशेष खुशी है कि ग्रीनआर्च के निवासियों ने इतने अच्छे और उपयोगी वस्त्र दान किए। इन वस्त्रों के माध्यम से कई जरूरतमंद परिवारों के घरों में दिवाली की खुशियाँ और चमक पहुँची हैं। मेरा मानना है कि समाज में बदलाव बड़े संसाधनों से नहीं, बल्कि छोटी-छोटी संवेदनशील पहलों और सामूहिक प्रयासों से आता है। हमारा प्रयास है कि सेवा का यह अभियान निरंतर आगे बढ़ता रहे। '

सोसाइटी निवासी किसलय कृष्णवंशी ने कहा: 'इस अभियान की सफलता सामुदायिक एकजुटता और सामूहिक श्रमदान का बेहतरीन उदाहरण है। वस्त्रों के संग्रह से लेकर उनके वितरण तक सभी ने अपनी जिम्मेदारी समझते हुए समय, श्रम और सहयोग दिया। ग्रीनआर्च के निवासियों, स्वयंसेवकों और हाउसकीपिंग टीम का योगदान सराहनीय रहा। मैं सभी सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। ऐसी पहलें समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और आपसी जुड़ाव की भावना को मजबूत करती हैं। '

इस सेवा अभियान में श्रमदान एवं सक्रिय सहयोग देने वाले स्वयंसेवकों सेवियर ग्रीनार्च निवासी में पंकज कुमार, चंद्रशेखर, लालटू, अतुल जैन, डी.पी. सिंह, गौतम भाटिया, सरिता सिंह, निशांत, अमित गिरी, अमित राय एवं किसलय कृष्णवंशी , रश्मि पांडेय सहित अनेक सहयोगी शामिल रहे। हाउसकीपिंग टीम के सदस्यों ने भी वस्त्रों के संग्रह, लोडिंग एवं अन्य व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

यह पहल इस बात का प्रमाण है कि जब समुदाय एकजुट होकर आगे आता है, तो उसका छोटा-सा योगदान भी किसी जरूरतमंद परिवार के जीवन में बड़ी खुशी ला सकता है।

श्रम आयुक्त, उत्तर प्रदेश ने कार्यालय अपर श्रम आयुक्त व उप निदेशक कारखाना, गौतमबुद्धनगर का किया स्थलीय निरीक्षण

गौतमबुद्धनगर। श्रम आयुक्त, उत्तर प्रदेश सौम्या अग्रवाल द्वारा सोमवार को कार्यालय अपर श्रम आयुक्त, गौतमबुद्धनगर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में अभिलेखों एवं पत्रावलियों के रख-रखाव की स्थिति का अवलोकन किया गया। इस क्रम में डिस्पैच रजिस्टर, बादों की कार्यवाही से संबंधित रजिस्टर, उपकर-संग्रहण से संबंधित पत्रावलियां तथा स्थापना अनुभाग से संबंधित पत्रावलियों, कैशबुक एवं लेजर आदि अभिलेखों का परीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कार्यालय की साफ-सफाई एवं व्यवस्थाओं का भी देखा गया। कार्यालय परिसर में स्वच्छता, अभिलेखों के उचित रख-रखाव तथा कार्यप्रणाली को और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के संबंध में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि जन-सामान्य की शिकायतों का त्वरित कार्यवाही कर उनकी संतुष्टि के साथ निस्तारण किया जाए। बादों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा पुराने बादों की सूची तैयार कर उन पर तत्काल आवश्यक कार्यवाही की जाए। त्योहारों आदि के दृष्टिगत जनपद की औद्योगिक शांति बनाए रखने के लिए सेवायोजको एवं कर्मचारियो के मध्य निस्तर सवाद बनाए रखने तथा छोटे छोटे विवादों को भी अनदेखा न करने के निर्देश दिए गए।

श्रम आयुक्त द्वारा कार्यालय उप निदेशक, कारखाना के कार्यालय का भी निरीक्षण किया गया तथा अभिलेखों के रख-रखाव का अवलोकन किया गया। उप निदेशक, कारखाना को निर्देशित किया गया कि निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदन-पत्रों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा उद्योगों/कारखानों को आवश्यकतानुसार सकारात्मक सहयोग प्रदान किया जाए। कारखाना स्वामियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किए जाने पर भी बल दिया गया।

इसके अतिरिक्त, श्रम आयुक्त द्वारा मेसर्स एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर में जनपद के प्रमुख उद्यमियों एवं उद्यमी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित उद्यमियों को नवीन श्रम संहिताओं के प्रमुख प्राक्कानों तथा उनके अनुपालन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। श्रम संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन, उद्योगों में बेहतर औद्योगिक संबंध बनाए रखने तथा उद्यमियों एवं श्रमिकों के हितों के बीच संतुलन स्थापित करने पर चर्चा की गई।

संवाद कार्यक्रम के दौरान श्रम आयुक्त ने सभी कारखानों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों में एक प्रभावी शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित किए जाने पर विशेष बल दिया, ताकि श्रमिकों की समस्याओं एवं शिकायतों का संस्थान स्तर पर ही समाधान किया जा सके। श्रम आयुक्त द्वारा उद्यमियों से अपेक्षा की गई कि श्रमिकों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने तथा ऐसी व्यवस्था विकसित करने का सुझाव दिया, जिससे अफवाहों एवं भ्रामक सूचनाओं की कोई गुंजाइश न हो और श्रमिकों तक सही एवं प्रमाणिक सूचनाएं समय से मिल सकें।

श्रम आयुक्त द्वारा उद्यमियों से यह अपेक्षा की गयी कि निवेश मित्र पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। अतः अधिक से अधिक औद्योगिक प्रतिष्ठानों / उद्यमियों का पंजीकरण निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से कराया जाए तथा इस प्रक्रिया के व्यापक प्रचार प्रसार के साथ उद्यमियों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, निरीक्षण के लिए तैयार की जा रही चेकलिस्ट को अंतिम रूप दिए जाने से पूर्व संबंधित औद्योगिक संगठनों एवं उद्योग प्रतिनिधियों के साथ साझा किया जाए, ताकि उनके सुझाव प्राप्त कर चेकलिस्ट को व्यावहारिक, स्पष्ट एवं उद्योग के अनुकूल बनाया जा सके।

कार्यक्रम में अपर श्रम आयुक्त, उप निदेशक कारखाना, सहायक श्रम आयुक्तो, सहायक निदेशक कारखाना तथा श्रम प्रवर्तन अधिकारियों सहित उद्यमियों तथा एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के दौरान उद्यमियों द्वारा उठाई गई जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों का समाधान किया गया। श्रम आयुक्त ने उद्योगों में सौहार्दपूर्ण औद्योगिक वातावरण बनाए रखने, श्रम कानूनों के प्रभावी अनुपालन तथा श्रमिकों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए विभाग एवं उद्योगों के बीच निरंतर समन्वय बनाए रखने का आहवान किया।

ग्रेटर नोएडा में पीएनबी के खिलाफ किसानों का प्रदर्शन, बैंक में घुसे प्रदर्शनकारी; खातों में लौटने लगे पैसे

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में पंजाब नेशनल बैंक की ऐच्छर शाखा में करोड़ों रुपये के कथित गबन का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। सोमवार, 2 नवंबर को पीड़ित खाताधारकों के समर्थन में किसानों ने बैंक के बाहर पंचायत आयोजित की। इसमें किसान नेता बृजेश भाटी ने प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व किया। पंचायत में प्रभावित खाताधारकों के साथ सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल हुए. सभी ने बैंक प्रबंधन से जल्द से जल्द लोगों की जमा पूंजी लौटाने और मामले में निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग उठाई। किसान नेता बृजेश भाटी ने कहा कि बैंक घोटाले के कारण कई खाताधारक लंबे समय से परेशान हैं। कुछ लोगों को उनकी रकम वापस मिल चुकी है, लेकिन बड़ी संख्या में प्रभावित लोग अभी भी अपने पैसों का इंतजार कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि त्योहारों का समय नजदीक है और लोगों को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए पैसों की आवश्यकता है। ऐसे में बैंक प्रबंधन को जल्द समाधान निकालकर सभी पीड़ितों की जमा रकम वापस करनी चाहिए। बृजेश भाटी ने कहा कि इस पूरे घोटाले में जिन भी बैंक कर्मचारियों की भूमिका सामने आती है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए. उन्होंने मांग की कि मामले की जांच निष्पक्ष तरीके से हो और केवल छोटे कर्मचारियों पर जिम्मेदारी डालकर बड़े अधिकारियों को बचाया नहीं जाए। किसान नेता ने चेतावनी दी कि यदि खाताधारकों को जल्द न्याय और उनकी पूरी रकम नहीं मिलती है तो किसान आंदोलन को और व्यापक करेंगे। जरूरत पड़ने पर दिल्ली में भी प्रदर्शन किया जाएगा।

बैंक के अंदर घुसे प्रदर्शनकारी, पुलिस रही तैनात: पंचायत के दौरान प्रदर्शनकारी बैंक के बाहर नारेबाजी करते रहे। इसी बीच कुछ लोग बैंक परिसर के अंदर भी पहुंच गए और वहां विरोध जताया. प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस अधिकारियों ने स्थिति को संभालते हुए प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने की अपील की. अधिकारियों ने बताया कि खाताधारकों की रकम लौटाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। बैंक की निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद धीरे-धीरे अन्य प्रभावित लोगों के खातों में भी पैसे वापस भेजे जाएंगे।

16 खाताधारकों को मिली रकम, सीबीआई कर रही जांच: पुलिस के मुताबिक, अब तक 16 खाताधारकों की रकम वापस की जा चुकी है. करोड़ों रुपये के गबन से जुड़े इस मामले की जांच फिलहाल केंद्रीय जांच ब्यूरो कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने किसानों और पीड़ित खाताधारकों को भरोसा दिलाया कि बैंक प्रबंधन सभी प्रभावित लोगों की रकम लौटाने का आश्वासन दे चुका है। बैंक की ओर से जमा राशि ब्याज सहित वापस करने की बात कही गई है. अधिकारियों ने खाताधारकों से धैर्य बनाए रखने और जांच पूरी होने तक सहयोग करने की अपील की।

पुलिस मुठभेड़ के बाद लिफ्ट देकर लूटने वाले गिरोह के चार बदमाश गिरफ्तार, दो को लगी गोली

नोएडा। सेक्टर-63 थाना क्षेत्र में 1 और 2 नवंबर की मध्यरात्रि को पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद एक गिरोह के चार शातिर अपराधियों को दबोच लिया गया है। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम पर गोलियां चलाकर भाग रहे दो बदमाशों को पुलिस की जवाबी गोलीबारी में पैर में गोली लगी है, जबकि उनके दो अन्य साथियों को इलाके में चलाए गए कांबिंग अभियान के दौरान पकड़ा गया है। यह गिरोह राहगीरों को लिफ्ट देने का झांसा देकर उनसे लूटपाट की वारदातों को अंजाम देता था। जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात 1 और 2 नवंबर की मध्यरात्रि को सेक्टर-62 गोलचक्कर के पास पुलिस टीम वाहनों की सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान दो मोटरसाइकिलों पर चार संदिग्ध लोग आते दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया, तो वे बाइक रोककर सरेंडर करने के बजाय तेज रफ्तार में भागने लगे।

संदिग्धों को भागते देख पुलिस टीम ने तुरंत उनका पीछा करना शुरू कर दिया। भागते हुए बदमाश बहलोलपुर अंडरपास से आगे ग्रीन बेल्ट सर्विस रोड पर पहुंच गए। खुद को चारों तरफ से पुलिस से घिरता देखकर बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से सीधी गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की।

मुठभेड़ में दो बदमाश घायल, दो कांबिंग में धराए: डीसीपी सेंट्रल नोएडा डॉ. प्रवीण रंजन सिंह ने बताया कि पुलिस की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। घायल आरोपियों की पहचान 27 वर्षीय विकास उर्फ कालू उर्फ कल्लू और 38 वर्षीय राजेश उर्फ ढेड़ा के रूप में हुई है। विकास दिल्ली का रहने वाला है, जबकि राजेश नोएडा के बसई गांव का निवासी है। दोनों घायल बदमाशों को पुलिस ने तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया है।

इसके साथ ही पुलिस ने मौके पर चलाए गए सघन कांबिंग अभियान के दौरान इनके दो अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए बदमाशों में ईकोटेक-3 के सुल्याना निवासी 20 वर्षीय शंकर शर्मा और फेस-3 के बसई निवासी 20 वर्षीय कपिल कश्यप शामिल हैं।

अवैध हथियार और चोरी की बाइकें बरामद: पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से दो अवैध तमंचे .315 बोर, दो खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस, दो अवैध चाकू और दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। बदमाशों के पास से मिली बुलेट मोटरसाइकिल के बारे में पता चला है कि वह थाना फेस-3 में दर्ज एक मुकदमे से संबंधित है। वहीं, उनके पास से बरामद अपाचे मोटरसाइकिल थाना सेक्टर-49 में दर्ज मुकदमे से जुड़ी हुई पाई गई है।

श्री द्रोणाचार्य पीजी कॉलेज दनकौर में वृहद रोजगार मेले का हुआ आयोजन



गौतमबुद्धनगर। जिला सेवायोजन कार्यालय, गौतमबुद्धनगर द्वारा सोमवार को श्री द्रोणाचार्य (पीजी) कॉलेज, दनकौर में रोजगार मेले का सफल आयोजन किया गया। रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों की कुल 18 कंपनियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें 1,376 अभ्यर्थी रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से उपस्थित हुए। कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों की शैक्षिक योग्यता एवं साक्षात्कार के आधार पर 746 अभ्यर्थियों का रोजगार हेतु चयन/शॉर्टलिस्ट किया गया।

रोजगार मेले में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री द्रोण गौशाला समिति के अध्यक्ष राकेश कुमार गर्ग उपस्थित रहे। मेले में विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए।

इस अवसर पर श्री द्रोणाचार्य पीजी कॉलेज, दनकौर के सचिव/प्रबंधक रजनीकांत मित्तल एवं जिला सेवायोजन अधिकारी मनीषा अत्री द्वारा रोजगार हेतु चयन/शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों में उत्साह देखने को मिला। रोजगार मेले के माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए।

कार्यक्रम में श्री द्रोणाचार्य पीजी कॉलेज, दनकौर के प्राचार्य डॉ. गिरीश कुमार वत्स, रोजगार मेला समन्वयक डॉ. रश्मि गुप्ता सहित जिला सेवायोजन कार्यालय एवं श्री द्रोणाचार्य पीजी कॉलेज, दनकौर के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

समाज सेवा के साथ व्यापार में भी नम्बर 1 बने विकास जैन

नोएडा। समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहने के साथ-साथ व्यापार जगत में अपनी अलग पहचान बना रहे विकास जैन ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। MYK LATICRETE के तीसरे क्वार्टर में जोन यूपी वेस्ट में सर्वाधिक बिक्री करने वाले व्यापारी बनकर उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और व्यावसायिक समर्पण का परिचय दिया। उनकी फर्म सतगुरु ट्रेडिंग कंपनी ने बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में MYK LATICRETE कंपनी द्वारा सेक्टर-51, नोएडा में भव्य दीपावली मिलन एवं डीलर मीट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नई दिल्ली एवं हृष्टक्र के लगभग 200 व्यापारी एवं डीलर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी श्री प्रशांत जी ने विकास जैन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जो व्यापारी पूरी निष्ठा, समर्पण और मेहनत के साथ कार्य करता है, सफलता हमेशा उसके



कदम चूमती है। विकास जैन ने अपने कार्यों से इसे साबित कर दिखाया है।

कंपनी के सीनियर मैनेजर श्री युवराज सिंह ने कहा कि अच्छे कार्य और निरंतर मेहनत करने वाले व्यक्ति को हमेशा नई उपलब्धियां हासिल होती हैं। विकास जैन ने अपनी मेहनत और व्यावसायिक प्रतिबद्धता से एक नई मिसाल पेश की है।

इस अवसर पर विकास जैन ने कंपनी के सेल्स एरिया मैनेजर श्री विशाल चौहान जी का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विशाल चौहान जी के निरंतर मार्गदर्शन, सहयोग और प्रोत्साहन से ही वह इस मुकाम तक पहुंच पाए हैं।

विकास जैन के लिए एक और बड़ी उपलब्धि यह रही कि उन्होंने कंपनी की ओर से आयोजित Meet-Greet का विशेष अवसर भी हासिल किया है। इसके तहत उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एवं महान खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी जी के साथ गोवा में समय बिताने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम के मंच संचालक श्री अमित अरोड़ा जी ने MYK LATICRETE की गुणवत्ता और वैश्विक पहचान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कंपनी के उत्पाद दुनिया के अनेक शहरों में विभिन्न प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट्स में इस्तेमाल किए जा रहे हैं। बेहतरीन गुणवत्ता और ग्राहकों के विश्वास के कारण कंपनी का नाम लगातार आगे बढ़ रहा है।

इस अवसर पर विकास जैन ने कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों, सेल्स एरिया मैनेजर विशाल चौहान जी, पूरी टीम और सभी डीलर भाइयों का हृदय से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, 'यह उपलब्धि अकेले मेरी नहीं है, बल्कि आप सभी के विश्वास, सहयोग और समर्पण का परिणाम है। आप सभी की बदौलत ही मैं यह मुकाम हासिल कर पाया हूं। मेरा प्रयास सदैव व्यापार और व्यवहार दोनों को साथ लेकर चलने का रहेगा। आपका प्यार और सहयोग इसी तरह बना रहे, यही मेरी कामना है। '

समाज सेवा और व्यापार दोनों क्षेत्रों में सक्रिय विकास जैन की यह उपलब्धि उनके निरंतर परिश्रम, मजबूत व्यापारिक संबंधों और ग्राहकों के प्रति समर्पण को दर्शाती है।

बैनामा लेखक की पड़ोसी वकील को फंसाने की साजिश का खुलासा, तीन गिरफ्तार

नोएडा। पुलिस ने बैनामा लेखक पर हुई फायरिंग मामले का सोमवार को पर्दाफाश कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। साजिशकर्ता, उसका भाई और एक साथी अभी फरार है। पुलिस के मुताबिक बैनामा लेखक हरेंद्र नागर ने अपने हिस्ट्रीशीटर भाई के साथ मिलकर अपने पड़ोसी विकल विकास सैन को झूठे मुकदमे में फंसाने के लिए खुद पर फायरिंग कराई थी।

ग्रेटर नोएडा के डीसीपी श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि दादरी कोतवाली क्षेत्र में बाइक सवार दो युवकों ने 25 अक्तूबर को बैनामा लेखक हरेंद्र नागर के ऊपर फायरिंग की थी। बैनामा लेखक ने इस मामले में अपने पड़ोसी वकील विकास सेन को आरोपी बनाते हुए मुकदमा दर्ज करवाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाली। पुलिस की जांच में सामने आया की घटना के समय आरोपी विकास अपने घर पर था।

तीन आरोपियों की गिरफ्तारी और बरामदगी: पुलिस की जांच में सामने आया कि वादी हरेंद्र नागर ने अपने हिस्ट्रीशीटर भाई सत्ते, भतीजे प्रतीक उर्फ कलुआ, साले अतुल भाटी और बेटे अभिषेक नागर समेत अन्य लोगों के साथ मिलकर साजिश रची। इसके तहत अतुल भाटी और कलुआ उर्फ प्रतीक को घर बुलाकर कैमरे के सामने खुद पर फायरिंग कराई। इसके बाद पड़ोसी विकास सैन के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने इस मनगढ़ंत घटना का खुलासा कर सोमवार को बिसाहड़ा अंडरपास से तीन वांछित आरोपी प्रतीक उर्फ कलुआ, अतुल भाटी और अभिषेक नागर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा, एक बाइक और सीसीटीवी की डीवीआर बरामद की। पुलिस साजिशकर्ता वादी हरेंद्र, उसके भाई सत्ते और आकाश चपराना की तलाश में जुटी है।

साजिशकर्ता और उसके भाई को उम्रकैद की सजा हो चुकी: डीसीपी ने बताया कि वादी हरेंद्र और उसका भाई सतेंद्र उर्फ सत्ते को दादरी में वर्ष 2007 में हुई एक हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा हो चुकी है। दोनों भाई पैरोल पर जेल से छूटकर बाहर आए हैं। दोनों भाइयों ने मिलकर पड़ोसी को फंसाने के लिए साजिश रची। डीसीपी के मुताबिक बताया जा रहा है कि खुद के ऊपर फायरिंग करने का मकसद असलाह का लाइसेंस बनवाना और सुरक्षा गनर लेना था। हालांकि, पुलिस अभी मामले की जांच कर रही है। मुख्य आरोपी हरेंद्र और उसके भाई सत्ते के पकड़े जाने के बाद घटना का सही मकसद पता चल सकेगा।

100 से अधिक के फुटेज खंगालने से सुराग मिला: पुलिस की शुरुआती जांच में आरोपी पड़ोसी विकास के बेगुनाह साबित होने पर इस मामले की गहनता से जांच शुरू की गई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। इसके बाद पुलिस ने 10 किलोमीटर के दायरे में करीब 100 से अधिक सीसीटीवी की फुटेज देखी। इसके बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची और इस घटना का खुलासा किया।

औद्योगिक संपत्ति को लीज पर लेकर खुर्दबुर्द किया

नोएडा। मालिक को औद्योगिक संपत्ति लीज पर देना भारी पड़ गया। आरोपी ने लीज की अवधि पूरी होने से पहले ही भवन को खाली कर दिया। भवन स्वामी जब संपत्ति देखने पहुंचे तो उन्हें वह खुर्दबुर्द हालत में मिली। पीड़ित ने 35 लाख रुपये के नुकसान और 91 लाख रुपये किराया बाकी होने का आरोप लगाते हुए सेक्टर-63 थाने में केस दर्ज कराया है। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर निवासी नितिन शर्मा ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-63 के एफ ब्लॉक स्थित एक औद्योगिक संपत्ति के मालिक हैं। उन्होंने यह संपत्ति मैसर्स ओवरलेज क्लोथिंग प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि मुस्कान गोपाल सिंघानिया को एक जुलाई 2024 से 30 जून 2027 के लिए लीज पर दी थी।

तीन सितंबर 2026 को उन्हें पता चला कि मुस्कान गोपाल सिंघानिया ने संपत्ति को खाली कर दिया है। वह संपत्ति को देखने पहुंचे तो पता चला कि बिल्डिंग के बेसमेंट में जगह-जगह गड्ढे थे। आरोप है कि लीज के दौरान उनकी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया गया।शिकायतकर्ता को यह भी पता चला कि आरोपी ने इस दौरान भवन में जादू-टोना की क्रियाएं की और वर्तमान में भी कुछ सामान रखा हुआ है।

बिल्डिंग की बिजली के तार भी गायब हैं। उन्होंने जब आर्किटेक्ट से सर्वे कराया तो उसने कहा कि बेसमेंट तोड़कर दोबारा ठीक करना पड़ेगा। पीड़ित के मुताबिक, भवन को ठीक कराने में करीब 35 लाख रुपये का खर्च आएगा। यही नहीं आरोपी पर 91 लाख 64 हजार 178 रुपये किराया भी बकाया है। बात करने पर आरोपी ने सटीक उत्तर नहीं दिया। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा के सुथ्याना में अवैध निर्माण पर चला प्राधिकरण का चाबुक, 19 करोड़ की जमीन कराई मुक्त

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम ने सोमवार को सुथ्याना में अवैध निर्माण के खिलाफ एक बड़ा ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान कॉलोनाइजरों के अवैध कब्जे से करीब 9,500 वर्ग मीटर जमीन को पूरी तरह मुक्त करा लिया गया है। प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित और कब्जा प्राप्त की जा चुकी इस बहुमूल्य जमीन की अनुमानित कीमत करीब 19 करोड़ रुपये बताई गई है।



ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अधिग्रहित और कब्जा प्राप्त इस जमीन पर कॉलोनाइजर अवैध निर्माण कराकर कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे। प्राधिकरण को जब इस बात की सूचना मिली, तो तुरंत कार्रवाई की योजना बनाई गई। सोमवार को प्राधिकरण के दस्ते ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया और 19 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन खाली करा ली। पूरी कार्रवाई ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के कड़े निर्देशों के तहत अमल में लाई गई। प्राधिकरण की टीम ने सुथ्याना गांव में स्थित खसरा संख्या 798, 810, 815, 816 और 817 की जमीन पर किए गए अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया। इस ध्वस्तीकरण अभियान का विवरण देते हुए प्राधिकरण के महाप्रबंधक एके सिंह ने बताया कि कार्रवाई का नेतृत्व परियोजना विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश निम ने किया। इस टीम में प्रबंधक स्वतंत्र वर्मा और वर्क सर्किल-4 के सदस्य शामिल थे, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया।

अवैध कॉलोनियों में न फंसाएं अपनी मेहनत की कमाई: मामले में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति को अवैध निर्माण करने की इजाजत बिल्कुल नहीं दी जाएगी।

एसीईओ सुमित यादव ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि लोग कोई भी जमीन खरीदने से पहले ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से संपर्क करें। नागरिक जमीन की पूरी जानकारी प्राप्त करने के बाद ही कोई सौदा करें और अवैध कॉलोनियों में अपनी मेहनत की कमाई न फंसाएं।

अवैध कब्जों के खिलाफ लगातार चलेगा अभियान: प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने अधिसूचित क्षेत्र में अवैध रूप से अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अनुसार, अधिसूचित क्षेत्र में सरकारी व अधिग्रहित जमीनों पर अवैध कब्जा करने वालों और अवैध निर्माण कराने वालों के खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

बाइक टैक्सी से जा रही महिला अधिवक्ता से मोबाइल फोन छीना

नोएडा। सेक्टर-122 स्थित पर्थला फ्लाईओवर के पास रविवार रात बाइक सवार दो बदमाशों ने बाइक टैक्सी से जा रही महिला अधिवक्ता से मोबाइल फोन छीन लिया। पीड़िता की शिकायत पर सेक्टर-113 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-16बी स्थित निराला एक्पायर सोसाइटी निवासी तुबा खान ने पुलिस को बताया कि वह पेशे से अधिवक्ता हैं। वह रविवार रात करीब 10 बजे नोएडा से ग्रेटर नोएडा अपने घर जा रही थीं। उन्होंने घर जाने के लिए बाइक टैक्सी बुक की थी। इसी बीच पर्थला फ्लाईओवर पार करने के बाद बाइक पर सवार दो अज्ञात युवक उनके पास पहुंचे। आरोप है कि बदमाशों ने जबरन उनके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और भाग गए। पुलिस मोबाइल आईएमईआई नंबर से लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश कर रही है। साथ ही बदमाशों की पहचान जुटाकर तलाश में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी देखी जा रही है।

यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे बस शेल्टर बनेंगे

नोएडा। यात्रियों की सुविधा के लिए यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे बस शेल्टर बनाए जाएंगे। एक्सप्रेसवे के 36 किलोमीटर पर दोनों ओर इनका निर्माण होगा। आगरा की ओर जाने या आने वाले यात्री शेल्टर पर बस से उतर और चढ़ सकेंगे। यमुना एक्सप्रेसवे से गुजरने वाली बसों विभिन्न जिलों और राज्यों के यात्रियों को लेकर जाती हैं। जेवर और आसपास रहने वाले लोग बस से यात्रा करने के लिए एक्सप्रेसवे पर पहुंचते हैं। चालक बस को बीच रास्ते में रोककर यात्रियों को चढ़ाते और उतारते हैं। इससे हादसे की आशंका बनी रहती है। यात्रियों की सुविधा के लिए एक्सप्रेसवे पर शेल्टर बनाने का निर्णय लिया गया है। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने इस संबंध में यमुना प्राधिकरण को प्रस्ताव दिया था। ये बस शेल्टर एक्सप्रेसवे से उतरते और चढ़ते समय सर्विस मार्ग पर बनेंगे। ग्रेटर नोएडा से आगरा की ओर जाने वाली बसें 36 किलोमीटर माइलस्टोन पर रैंप से नीचे उतरकर बस शेल्टर पर चढ़ाते और उतारते हुए अगले रैंप से एक्सप्रेसवे के रास्ते आगे रवाना होंगी। वहीं, आगरा से ग्रेनो आने वाली बसें भी दूसरी ओर के रैंप से नीचे उतरकर शेल्टर पर रुकते हुए यात्रियों के साथ अगले रैंप से एक्सप्रेसवे पर आएंगी। इससे यात्रियों को बस के लिए एक्सप्रेसवे पर आने की जरूरत नहीं रहेगी और हादसे की आशंका समाप्त हो जाएगी। यीडा महाप्रबंधक परियोजना राजेंद्र भाटी का कहना है कि बस शेल्टर के लिए जेवर किशोरपुर मार्ग के नजदीक स्थान चिह्नित किए गए हैं। जल्द ही इसका निर्माण शुरू हो जाएगा।

पर्थला अंडरपास की डीपीआर आईआईटी को भेजी

नोएडा। पर्थला सिग्नेचर ब्रिज के नीचे गोलचक्कर पर बनने वाले अंडरपास की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो गई है। अब इसको परीक्षण के लिए आईआईटी रुड़की को भेज दिया गया है। अगले 10-15 दिन में आईआईटी से मंजूरी होने की उम्मीद है। इसके बाद इस परियोजना को बनाने के लिए टेंडर जारी करने की प्रक्रिया शुरू होगी। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि इस अंडरपास के निर्माण में करीब 91 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद (एफएनजी) मार्ग पर बनेगा। प्राधिकरण ने लागत और डिजाइन परीक्षण के लिए डीपीआर आईआईटी रुड़की को भेजी है। प्राधिकरण के महाप्रबंधक ए.के अरोड़ा ने बताया कि आईआईटी से मंजूरी मिलने के बाद निर्माण एजेंसी चयन के लिए टेंडर की प्रक्रिया होगी।

यह अंडरपास छह लेन और 710 मीटर लंबा होगा।पर्थला गोलचक्कर पर यह अंडरपास बनाने की योजना कई साल पुरानी है। यहां विकास मार्ग से ग्रेनो वेस्ट की ओर जाने वाला और एफएनजी का ट्रैफिक फंसने से लंबा जाम लगता था। प्राधिकरण ने जनवरी 2021 में विकास मार्ग से ग्रेनो वेस्ट जाने वाले रास्ते पर 600 मीटर के सिग्नेचर ब्रिज का निर्माण शुरू करवाया था। अप्रैल 2023 में केबल सस्पेंशन तकनीक पर यह फ्लाईओवर करीब 81 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार हो गया था। इससे ग्रेनो वेस्ट से सेक्टर-71 अंडरपास की ओर आने-जाने वाले ट्रैफिक को तो रफ्तार मिल गई है, लेकिन फ्लाईओवर के नीचे से गुजरने वाले एफएनजी का ट्रैफिक गोलचक्कर पर फंस रहा है। आने वाले समय में यह समस्या वाहनों के दबाव के साथ और बढ़ेगी। प्राधिकरण ने यह देखते हुए अंडरपास निर्माण का निर्णय लिया है।

फैक्ट्री के बेसमेंट में तोड़फोड़, 91 लाख रुपये से अधिक के नुकसान का आरोप

नोएडा। सेक्टर-63 स्थित एक औद्योगिक इमारत के बेसमेंट में तोडफ़ोड़ कर मशीनरी और अन्य सामान चोरी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बेसमेंट में कई जगह गहरे गड्ढे खोद दिए गए, जिससे इमारत की वॉटरप्रूफिंग और नींव को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा बिजली की वायरिंग भी चोरी कर ली गई। पीड़ित कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि नितिन शर्मा की शिकायत पर सेक्टर-63 थाना पुलिस ने महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

पुलिस को दी शिकायत के अनुसार, मैसर्स सीआरएम ऑटो पार्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने सेक्टर-63 के ब्लॉक-ए स्थित प्लॉट को एक जुलाई 2024 से 30 जून 2027 तक तीन साल के लिए मैसर्स ओवरलेज क्लॉथिंग प्राइवेट लिमिटेड को लीज पर दिया था। कंपनी की ओर से नितिन शर्मा अधिकृत प्रतिनिधि हैं। शिकायत में महिला मुस्कान गोपाल सिंघानिया को आरोपी बनाया गया है।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, तीन सितंबर 2026 को उन्हें जानकारी मिली कि लीज पर दी गई औद्योगिक संपत्ति के बेसमेंट में बड़े पैमाने पर तोडफ़ोड़ की गई है। वहां चार फीट तक गहरे कई गड्ढे खोदे गए थे। इन गड्ढों में तोडने-फोडने के उपकरणों के साथ अन्य सामान भी रखा गया था। आरोप है कि पूरी इमारत की वॉटरप्रूफिंग क्षतिग्रस्त कर दी गई, जिससे भवन की नींव कमजोर होने का खतरा पैदा हो गया है। शिकायत में बताया गया है कि बेसमेंट की वॉटरप्रूफिंग ठीक कराने पर करीब 35 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसके अलावा बिजली की वायरिंग, तांबे की एल्यूमिनियम की बार समेत कई सामान चोरी होने का आरोप लगाया गया है।

नोएडा में मृत पशुओं के सम्मानजनक अंतिम संस्कार के लिए आधुनिक पशु शवदाह केंद्र स्थापित करने की मांग

नोएडा। फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन्स (फोनरवा) ने नोएडा में मृत आवारा एवं पालतू पशुओं के सम्मानजनक, सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल अंतिम संस्कार के लिए आधुनिक पशु शवदाह केंद्र स्थापित करने की मांग की है।

इस संबंध में फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा एवं महासचिव के.के. जैन ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को पत्र लिखकर इस महत्वपूर्ण जनहित के विषय पर आवश्यक कार्यवाही करने का अनुरोध किया है।

फोनरवा ने अपने पत्र में कहा है कि नोएडा में मृत पशुओं के शवों का समयबद्ध एवं वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करना आवश्यक है। कई बार उचित व्यवस्था के अभाव में मृत पशुओं के शव सार्वजनिक स्थलों अथवा आवासीय क्षेत्रों में पड़े



रहने से दुर्गंध, गंदगी, संक्रमण की आशंका एवं पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इससे नागरिकों के स्वास्थ्य और शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

फेडरेशन ने मांग की है कि नोएडा प्राधिकरण आधुनिक तकनीक पर आधारित पर्यावरण-अनुकूल पशु शवदाह केंद्र स्थापित करने की दिशा में ठोस पहल करे। इसके लिए उपयुक्त स्थान का चयन, मशीन की तकनीकी क्षमता एवं प्रदूषण नियंत्रण मानकों का परीक्षण तथा आवश्यक बजट एवं परियोजना प्रस्ताव तैयार कराया जाए।

फोनरवा का मानना है कि इस सुविधा की स्थापना से मृत पशुओं के शवों का सम्मानजनक एवं सुरक्षित निस्तारण संभव होगा। साथ ही, सार्वजनिक स्थानों पर शव पड़े रहने की समस्या को कम करने, स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण एवं पशु कल्याण को बढ़ावा देने में सहायता मिलेगी।

फेडरेशन ने आशा व्यक्त की है कि नोएडा प्राधिकरण इस मांग पर सकारात्मक विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देगा और शहर में मृत पशुओं के वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित निस्तारण के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करने की दिशा में शीघ्र कदम उठाएगा।

एसटीपी में कमियां मिलने के बाद सोसाइटी पर दोबारा जुर्माना

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) ठीक ढंग से संचालित न होने पर सेक्टर-137 स्थित पैरामाउंट फ्लोराविले सोसाइटी पर सात लाख रुपये का जुर्माना लगाया। सोसाइटी पर करीब डेढ़ साल पहले भी इसी तरह की कमियां मिलने पर करीब 34 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। ऐसे में प्राधिकरण ने सोसाइटी और बिल्डर को 41 लाख रुपये जमा करने के लिए नोटिस भेजा है। प्राधिकरण के जल विभाग ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी को पत्र भेजकर कार्रवाई की जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि प्राधिकरण की ओर से सोसाइटी के एसटीपी का निरीक्षण कराया गया था।

जांच के दौरान पाया गया कि सोसाइटी प्रबंधन एनजीटी के नियमों का उल्लंघन कर रहा है। सीवेज को बिना शोधित किए सीधे नाले में प्रवाहित किया जा रहा था। इससे पर्यावरण प्रदूषण का खतरा बढ़ रहा था। इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए प्राधिकरण की पर्यावरण सेल ने सात लाख 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। इसके अलावा प्राधिकरण के रिकॉर्ड में बिल्डर पैरामाउंट प्रॉपबिल्ड प्राइवेट लिमिटेड पर 34 लाख 8 हजार रुपये का बकाया दर्ज है। यह बकाया जुर्माना राशि के रूप में है। करीब डेढ़ साल पहले एसटीपी के ठीक ढंग से काम नहीं करने पर यह जुर्माना लगाया गया था। उस समय भी सीवेज को सीधे नाले में बहाया जा रहा था। प्राधिकरण ने इसकी सूचना पहले भी संबंधित विभाग को पत्रों के माध्यम से दी थी। अब प्राधिकरण ने पर्यावरण सेल और जल विभाग की ओर से कुल 41 लाख 18 हजार रुपये की वसूली सुनिश्चित कराने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पत्र लिखा है। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सोसाइटी के एसटीपी की नियमित निगरानी की जाए कि ठीक ढंग से संचालित हो रहा है या नहीं।

'नया नोएडा' के सेक्टर बसाने की तैयारी तेज, 80 गांवों में जमीन की मैपिंग शुरू

नोएडा। दादरी नोएडा गाजियाबाद विशेष निवेश क्षेत्र (डीएनजीआईआर) के रूप में विकसित होने वाले 'नया नोएडा' को जमीन पर उतारने की तैयारी तेज हो गई है। सेक्टरों की योजना बनाने के लिए गांवों की जमीन की मैपिंग शुरू कर दी गई है। अब तक 361 किसान आपसी सहमति से जमीन देने को तैयार हो चुके हैं, जिन किसानों की सहमति नहीं बनी है, अधिकारी उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर बातचीत करेंगे।।जमीन अधिग्रहण के साथ ही नए शहर के सेक्टरों की योजना पर भी काम चल रहा है। मैपिंग के आधार पर चरणबद्ध विकास योजनाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर का खाका तैयार किया जाएगा। अधिकारियों का जोर पहले चरण के लिए जमीन जल्द उपलब्ध कराने पर है। तय समय सीमा को देखते हुए अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज की जा रही है। नोएडा क्षेत्र में अवैध निर्माण और अतिक्रमण रोकने के लिए प्राधिकरण ने तीन नए सर्किल बनाए हैं। इन्हें सर्किल-11, 12 और 14 नाम दिया गया है। सर्किल-11 की जिम्मेदारी महाप्रबंधक एसपी सिंह को सौंपी गई है। सर्किल-12 और 14 का काम महाप्रबंधक एके अरोड़ा संभाल रहे हैं।

किसानों को मिलेगा छह से सात प्रतिशत आबादी भूखंड: किसानों को जमीन देने के बदले मिलने वाले लाभ चरणों के अनुसार तय किए गए हैं। पहले और दूसरे चरण में जमीन देने वाले किसानों को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की व्यवस्था के तहत मुआवजे के साथ 6 प्रतिशत आबादी भूखंड मिलेगा।

तीसरे और चौथे चरण में जमीन देने वाले किसानों को यमुना प्राधिकरण की व्यवस्था के अनुसार मुआवजे के साथ 7 प्रतिशत आबादी भूखंड दिया जाएगा। 'नया नोएडा' का मास्टर प्लान करीब 20,911.29 हेक्टेयर क्षेत्र में तैयार किया गया है। इसमें 80 गांवों की जमीन शामिल है। पहला चरण 2023-2027 में 3,165 हेक्टेयर, दूसरा चरण 2027-2032 में 3,798 हेक्टेयर, तीसरा चरण 2032-2037 में 5,908 हेक्टेयर और चौथा चरण 2037-2041 में 8,230 हेक्टेयर का होगा।

आईएमएस नोएडा के विद्यार्थियों ने किया माइक्रोसॉफ्ट का शैक्षणिक भ्रमण

नोएडा। आधुनिक तकनीक, डिजिटल नवाचार एवं कॉर्पोरेट कार्यप्रणाली से रूबरू कराने के उद्देश्य से आईएमएस नोएडा के विद्यार्थियों ने माइक्रोसॉफ्ट का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों को वैश्विक तकनीकी क्षेत्र में हो रहे नवीनतम बदलावों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एवं तकनीकी विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हुईं। भ्रमण के दौरान माइक्रोसॉफ्ट के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को कंपनी की कार्यप्रणाली, तकनीकी समाधानों, नवाचार आधारित परियोजनाओं और उद्योग की बदलती आवश्यकताओं के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों के साथ संवाद किया और अपने करियर एवं तकनीकी क्षेत्र से जुड़े सवालों के जवाब प्राप्त किए।

आईएमएस नोएडा की डीन मैनेजमेंट एवं सीआरसी डॉ. वर्तिका



चतुर्वेदी डीन ने बताया कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में विद्यार्थियों के लिए तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ उद्योग की कार्यप्रणाली और व्यावसायिक जरूरतों को समझना भी आवश्यक है। माइक्रोसॉफ्ट जैसे प्रतिष्ठित संस्थान का भ्रमण विद्यार्थियों को तकनीकी नवाचारों, वास्तविक कार्य परिवेश और कॉर्पोरेट संस्कृति को करीब से जानने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि संस्थान का प्रयास है कि विद्यार्थियों को कक्षा में मिलने वाली शिक्षा के साथ ऐसे व्यावहारिक अनुभव भी उपलब्ध कराए जाएं, जो उनके कौशल विकास और भविष्य की व्यावसायिक संभावनाओं को मजबूत बनाए। आईएमएस नोएडा के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ उद्योग जगत के प्रतिष्ठित संगठनों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि वैश्विक कंपनी का शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक, बदलते व्यावसायिक परिवेश और कॉर्पोरेट कार्यप्रणाली को समझने का अवसर प्रदान करता है। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उनमें नेतृत्व क्षमता, व्यावसायिक दक्षता और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने का दृष्टिकोण विकसित करना है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस के जवानों ने घेरा मुख्यालय, वकीलों के दबाव में एसीपी-इंस्पेक्टर के तबादले का हो रहा विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। वकीलों के दबाव में आकर पूर्वी दिल्ली में एक एसीपी और एक इंस्पेक्टर का निष्क्रिय यूनिटों में तबादला किए जाने के विरोध में दिल्ली पुलिस के जवानों ने पुलिस मुख्यालय का घेराव किया। पुलिस जवानों का कहना था कि यह कार्रवाई पूरी तरह से अनुचित है और इससे पुलिसबल का मनोबल गिरता है। तीस हजारी कोर्ट परिसर में हुई हिंसा की घटना के बाद यह दूसरा मौका है जब दिल्ली पुलिस के कर्मियों ने अपने अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए सीधे तौर पर पुलिस मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया है। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस मुख्यालय के आसपास भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया था। प्रदर्शन कर रहे जवानों ने उच्च अधिकारियों से इस मामले में हस्तक्षेप करने और पुलिसकर्मियों के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई रोकने की मांग की। इस अप्रत्याशित प्रदर्शन से महकमे में हड़कंप मच गया है।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए डिजियात्रा, चेहरे की पहचान से अब आसान होगा हवाई सफर



नई दिल्ली, एजेंसी। आइजीआई एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से संबंधित यात्रियों के लिए डिजियात्रा सुविधा का ट्रॉयल शुरू हो गया है। इसके जरिये यात्री चेहरे की पहचान के माध्यम से एयरपोर्ट के निर्धारित चेक प्वाइंट से गुजर सकेंगे। हालांकि, फिलहाल यह सुविधा विदेशी यात्रियों के लिए नहीं है। पहले चरण में ई-पासपोर्ट रखने वाले भारतीय नागरिकों को इसका लाभ मिलेगा। यह सुविधा एअर इंडिया और इंडिगो की चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर उपलब्ध होगी। नई सुविधा के साथ ही भारत घरेलू उड़ानों के बाद अब अंतरराष्ट्रीय विमानन व्यवस्था को भी डिजिटल पहचान और फेस रिकग्निशन तकनीक से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। एक नवंबर से दिल्ली समेत देश के सात प्रमुख एयरपोर्ट पर इस व्यवस्था का ट्रॉयल शुरू किया गया है। इनमें मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोच्चि, चेन्नई और अमृतसर शामिल हैं। ट्रॉयल दिसंबर तक चलेगा। डिजियात्रा का इस्तेमाल अब तक मुख्य रूप से घरेलू हवाई यात्रा में किया जा रहा था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, इस प्लेटफार्म के जरिये देश के 39 घरेलू हवाई अड्डों पर 11 करोड़ से अधिक यात्राएं संभव हुई हैं। सभी की पहचान की जाएगी सुनिश्चित सरकार की योजना वर्ष 2027 तक 25 अन्य घरेलू हवाई अड्डों पर भी इस सुविधा का विस्तार करने की है।बाक्सएऐसे काम करेगी डिजियात्रा इस सुविधा का इस्तेमाल करने के लिए यात्रियों को डिजियात्रा एप पर अपना डिजिटल वेरिफाएबल क्रेडेंशियल तैयार करना होगा।

झिलमिल में गैंगस्टर मुमताज का जुआ अड्डा ध्वस्त, कई गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। कुख्यात गैंग्सटर छेनू पहलवान का शूटर व गैंग्सटर मुमताज झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र में बड़े स्तर पर जुआ चलवा रहा था। एक फैक्ट्री की प्रथम तल पर किराया लेकर जुए का अड्डा चलवाया जा रहा था।
शाहदरा जिला पुलिस व उत्तर पूर्वी जिले की एएटीएस और स्पेशल स्टाफ की टीम ने शनिवार देर रात इस अड्डे पर छापेमार कर मुमताज समेत 32 लोगों को गिरफ्तार किया। इस अड्डे से 30 लाख रुपये व चिप्स समेत अन्य सामग्री बरामद की है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि शनिवार रात को संयुक्त टीमों ने कार्रवाई की है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सीलमपुर निवासी मुमताज, रविंद्र, राशिद, राधे मेहता, ऋषि पाल, दीपक, गौरव चौधरी, मोबिन, अबरार, नरेंद्र सिंह, रवि कुमार, मुजम्मिल, अक्षय अरोड़ा, सचिन गर्ग, अजय, साहिल, संतोष, चेतन, संतोष कुमार, विकास, रिजवान खान, सफदर, शेर मोहम्मद, रोकेन्द्र, कैलाश चंद, रणजीत कुमार, कल्याण सिंह, राजीव चौहान, देवनाथ, आरिफ, ननुआ, कपिल चौधरी, वसीम, अनिल, अरशान खान, के रूप में हुई है। बता दें पिछले साल उत्तर पूर्वी जिले के स्पेशल स्टाफ ने मुमताज को सीलमपुर क्षेत्र में उसके जुए के अड्डे से गिरफ्तार किया था।

कारोबारियों का दावा- 20 बाजारों में दिखा रैली का असर, कनॉट प्लेस में 40% तक गिरी बिक्री



ग्राहक पहले से ही सीपी आने को लेकर डरे: कनॉट प्लेस के कारोबारी संगठन नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) ने जारी बयान में अदालत से आग्रह किया कि कनॉट प्लेस को रैली, विरोध प्रदर्शन या शांति मार्च से दूर रखना चाहिए। क्योंकि इससे उनके आजीविका के अधिकार पर असर पड़ रहा है। एनडीटीए के अध्यक्ष अतुल भार्गव ने कहा कि ग्राहक पहले से ही सीपी आने को लेकर डरे हुए हैं।

कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया आरोप : यहां आने वाले लोगों की संख्या में बड़ी गिरावट आई है। त्योहारों के इस मौसम में यहां की दुकानों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसी गतिविधियां केवल तय की गई जगहों पर ही होनी चाहिए। वहीं, कनॉट प्लेस की बंद दुकानों को लेकर कांग्रेस पार्टी की तरफ से एक्स पोस्ट में दावा किया गया कि दुकानें भाजपा ने बंद करवाई है।

दावे से बहुत कम जमा हो सकी भीड़: उधर, दोपहर बाद चांदनी चौक व सदर बाजार में आशंका के विपरित खरीदार पहुंचे। इसके चलते दुकानदार उत्साहित नजर आए। चांदनी चौक सर्व व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय भार्गव ने कहा कि रैली में 10 लाख प्रदर्शनकारियों के दावे के विपरित प्रदर्शनकारियों की संख्या काफी कम रही है। सुरक्षा व्यवस्था भी दुरुस्त रही। ऐसे में खरीदार शाम को आश्वस्त होकर बाजारों में आ रहे हैं। सदर बाजार में भी दोपहर बाद माहौल बेहतर हुआ ओर दिल्ली के साथ ही एनसीआर के शहरों से खरीदार पहुंचे।

नई दिल्ली, एजेंसी। रामलीला मैदान में आईएनडीआईए की रैली की वजह से दिल्ली के बाजारों का कारोबार प्रभावित होने की आशंका कुछ हद तक सच साबित हुई। खासकर कनॉट प्लेस, पालिका बाजार, सुपर बाजार, जनपथ, चावड़ी बाजार समेत अन्य बाजारों में दीपावली वाली त्यौहारी खरीदारी नहीं हो सकी। सर्वाधिक प्रभावित कनॉट प्लेस व उसके आस-पास के बाजार तथा वहां स्थित रेस्त्रां रहे। जिसका कारोबार रात्रि तक बमुश्किल 40 प्रतिशत तक हो पाया। यह बाजार रैली स्थल के नजदीक पड़ता है। रविवार को भी रैली के दौरान रैली स्थल तक आउटर सर्कल से मिंटो ब्रिज होते हुए आईएनडीआईए नेताओं के मार्च निकालने के चलते कनॉट प्लेस में अनिश्चितता और भय की स्थिति बनी रही।

20 बाजारों पर पड़ा प्रभाव: स्थिति यह कि अधिकांश दुकानें तब तक बंद रही और उसके गलियारों में दरी बिछाकर प्रदर्शनकारी आराम करते तथा खाना खाते नजर आए। शाम को भी ज्यादा चहल पहल नजर नहीं आई और गलियारों से लेकर पार्किंग स्थल तक खाली रहे। इस बीच, कारोबारी संगठन चैंबर आफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने दावा किया कि महारैली की वजह से रामलीला मैदान के आस-पास स्थित 20 बाजारों का करीब 11 हजार करोड़ की बिक्री प्रभावित हुई।

'पांच लाख खरीदारों में बमुश्किल एक लाख लोग पहुंचे': सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने दावा किया कि रविवार को रैली की वजह से बाजारों में तनाव व डर का माहौल बरकरार रहा। ऐसे में रैली स्थल के आसपास स्थित बाजारों की 20 प्रतिशत ही दुकानें खुली रही। दिल्ली के आस-पास के शहरों से आने वाले खुदरा दुकानदार भी डर की वजह से दिल्ली आने से परहेज किया, जिसके चलते आम त्यौहारी खरीदारी में आने वाले पांच लाख खरीदारों में बमुश्किल एक लाख लोग पहुंचे।

रैली रोकने का कई बार किया आग्रह: बता दें कि रैली में आईएनडीआई द्वारा 10 लाख से अधिक प्रदर्शनकारियों के जुटने का दावा किया गया था। दीपावली के मद्देनजर त्यौहारी खरीदारी के प्रभावित होने की आशंका से व्यापारी संगठन ने कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता व विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर रैली को दीपावली बाद तक स्थगित करने का आग्रह किया था। इसी तरह का आग्रह, कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सपा मुखिया अखिलेश यादव व तृणमूल की मुखिया ममता बनर्जी को भी लिखा था।

डीएनडी और चिल्ला बॉर्डर पर भीषण जाम, बीएस-4 वाहनों की दिल्ली में नो-एंट्री; हर चौराहे पर सख्त चेकिंग



नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में दीवाली से पहले ही बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए गैर बीएस-6 वाहनों के प्रवेश पर 1 नवंबर से रोक लगा दी गई है। पहले दिन भी हजारों वाहनों को वापस भेजा गया। यही स्थिति आज यानी दूसरे दिन भी है। जिस वजह से डीएनडी समेत कई मुख्य मार्गों पर भीषण जाम लग गया है। दिल्ली पुलिस द्वारा बीएस-4 वाहनों की चेकिंग की जा रही है, जिस वजह से डीएनडी पर नोएडा की जाने वाली लेन पर भीषण जाम लग गया है।

नोएडा से दिल्ली की ओर जाने वाली लेन पर जाम की स्थिति नहीं हैं। टैफिक पुलिसकर्मी तैनात हैं। हालांकि, नोएडा से दिल्ली की ओर यमुना पुल से जाम है। सराय काले खां और आउटर रिंग रोड व उसके नीचे सर्विस रोड पर भीषण जाम है।

नोएडा सेक्टर-14 ए के पास चिल्ला बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस द्वारा बीएस-4 वाहनों की चेकिंग की जा रही है, इसलिए वहां पर जाम जैसी स्थिति भी बन गई है। बीएस-4 वाहनों को वापस भेजा जा रहा है।

लागू विंटर एक्शन प्लान के पहले दिन पुलिस-प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। नियमों का उल्लंघन करने पर 68.4 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। गुरुग्राम-दिल्ली सीमाओं पर सघन जांच के कारण यातायात धीमा हुआ और वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं।

दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर खालिस्तानी नारे लिखने के मामले में तीन गिरफ्तार

एसएफजे के उकसाने पर किया अपराध



नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मेट्रो स्टेशनों पर देशविरोधी और अलगाववादी नारे लिखने के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने इस मामले में एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि इन आरोपियों ने प्रतिबंधित संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' (एसएफजे) के हैंडलर्स के इशारे पर यह नापाक हरकत को अंजाम दिया था। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपियों की पहचान हरियाणा के पानीपत निवासी सुमीत उर्फ रफ्तार (30 वर्ष), और पंजाब निवासी सुमित कुमार उर्फ काका (22 वर्ष) तथा गुरप्रीत (22 वर्ष) के रूप में हुई है।

जांच में यह बात सामने आई है कि लुधियाना का रहने वाला सुमित कुमार इस पूरे षड्यंत्र का मास्टरमाइंड है। उसे एसएफजे के समर्थकों द्वारा कट्टरपंथी बनाया गया था। मास्टरमाइंड ने ही एक एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए अन्य सहयोगियों को ग्राफिटी के टेम्पलेट भेजे थे और इस काम को पूरा करने के बदले भारी-भरकम रकम का लालच दिया था। इन नारों में प्रतिबंधित संगठन एसएफजे और खालिस्तान विचारधारा का खुला समर्थन किया गया था, साथ ही समुदाय के तथाकथित गद्दारों के खिलाफ बदला लेने की धमकियां भी दी गई थीं।

शापिंग का झांसा देकर लाए थे दिल्ली: स्पेशल सेल के डीसीपी नर्रा चैतन्य ने जानकारी दी कि मुख्य आरोपी सुमीत तक पहुंचने के बाद पुलिस ने बाकी दोनों सहयोगियों की भूमिका का पर्दाफाश किया। मास्टरमाइंड सुमित ने गुरप्रीत को शॉपिंग करवाने के बहाने पंजाब से दिल्ली बुलाया था।

आरोपियों ने 28-29 अक्टूबर की रात को दिल्ली पहुंचकर इस साजिश को अंजाम दिया। सुमीत ने जहांगीरपुरी स्टेशन पर नारे लिखने के बाद उसका वीडियो रिकॉर्ड कर अपने विदेशी हैंडलर्स को भेजा था, जबकि सुमित और गुरप्रीत ने शास्त्री नगर स्टेशन पर ग्राफिटी की थी।

कानूनी कार्रवाई और आगे की जांच: इस सिलसिले में मेट्रो के आजादपुर और एनएसपी (नेताजी सुभाष प्लेस) थानों में संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अब इन आरोपियों के पीछे छिपे मुख्य हैंडलर्स और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों की पहचान करने के लिए आगे की गहनता से छानबीन कर रही है।

शक में हैवान बना पति, दिल्ली के अशोक विहार में पत्नी पर हथौड़े से हमला; गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली के अशोक विहार इलाके में अवैध संबंधों के शक में पति ने पत्नी के सिर पर हथौड़े से कई वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। वारदात के बाद आरोपी पति संजय ने खुद पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला संगीता (28) को लोकनायक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने आरोपी को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया।



8 साल पहले हुई थी शादी: पुलिस के अनुसार, संजय (31) मूलरूप से उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर का रहने वाला है और पेशे से राजमिस्त्री है। उसकी शादी संगीता से करीब आठ साल पहले हुई थी। दंपती के एक बेटा और एक बेटी हैं। संगीता वजीरपुर स्थित बर्तन की फैक्ट्री में काम करती है।

सिर पर किए कई वार: पुलिस का कहना है कि दंपती के बीच अक्सर किसी न किसी बात को लेकर कहासुनी होती रहती थी। रविवार को भी दोनों के बीच विवाद हुआ। इसी दौरान संजय ने हथौड़े से संगीता के सिर पर कई वार कर दिए। पुलिस के मुताबिक, आरोपी को पत्नी पर अवैध संबंध होने का शक था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली में प्रदूषण पाबंदियों के कारण 1,539 वाहन बॉर्डर से वापस लौटाए, 68 लाख से अधिक का जुर्माना वसूला



नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर लगाम कसने के लिए लागू किए गए विंटर एक्शन प्लान और सख्त एंटी-पोल्यूशन पाबंदियों के पहले दिन ही प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी नजर रखते हुए पहले ही दिन अधिकारियों ने कुल 68.4 लाख रुपये का जुर्माना और पर्यावरण मुआवजा वसूला है। विभिन्न चेकपॉइंट्स पर अधिकारियों ने लगभग 15,000 वाहनों की जांच की। दिल्ली में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे प्रदूषण फैलाने वाले और नियमों का पालन न करने वाले 1,539 वाहनों को बॉर्डर से ही वापस लौटा दिया गया। इसके अलावा, पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट (पीयूसीसी) के नियमों का उल्लंघन करने पर 566 चालान भी काटे गए।

लगातार सख्ती बरत रहा प्रशासन: प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली सरकार और संबंधित विभाग पूरी तरह मुस्तैद हैं। दिल्ली-गुरुग्राम और दिल्ली-नोएडा सहित प्रमुख बॉर्डर प्वाइंट्स इंट्स पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिससे पहले दिन यातायात प्रभावित होने के कारण कई जगहों पर वाहनों की लंबी कतारें और जाम की स्थिति भी देखने को मिली। प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे नियमों का सख्ती से पालन करें ताकि वायु गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके।

मंगोलपुरी फैक्ट्री अग्निकांड: फैक्ट्री में सीढ़ी पर कच्चे माल के कट्टे नहीं होते तो बच सकती थी चार जिंदगियां

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र के फेज-एक में स्थित जूता फैक्ट्री में चार श्रमिकों की मौत के मामले में फैक्ट्री की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे हैं।

हादसे में घायल श्रमिक विकास ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया है कि फैक्ट्री की सीढ़ियों पर जूते बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के कट्टे रखे रहते थे। इससे आने-जाने का रास्ता बाधित रहता था।

इस समस्या को लेकर कई बार फैक्ट्री मालिक और ठेकेदार को शिकायत भी दी गई थी, लेकिन वे श्रमिकों को डांटकर चुप करा देते थे। विकास का कहना है कि यदि सीढ़ियों पर कच्चे माल के कट्टे नहीं रखे होते तो श्रमिकों को बाहर निकलने का रास्ता मिल सकता था और साथियों की जान बच सकती थी।

विकास कुमार बिहार के नालंदा जिले का रहने वाला है। वह अपने चचेरे भाई अशोक कुमार के साथ मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र स्थित न्यू एएम प्रोडक्ट्स नामक जूता फैक्ट्री में काम करता था। वह और उसका भाई करीब तीन वर्ष से फैक्ट्री में काम कर रहे थे और शुक्रवार को दोनों



की रात की शिफ्ट थी, जब आग लगी।

वहीं, कुछ ही देर में धुआं इतना बढ़ गया कि श्रमिकों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। दम घुटने की आशंका के बीच सभी बाहर निकलने की कोशिश करने लगे, लेकिन सीढ़ियों पर रखे कच्चे माल के कट्टों के कारण रास्ता बाधित था।

हालत स्थिर बताई: विकास ने आरोप लगाया कि रास्ता खुला होता तो श्रमिक समय रहते बाहर निकल सकते थे। उन लोगों ने बाहर निकलने की हरसंभव कोशिश की, लेकिन नहीं निकल पाए। इस हादसे में चार श्रमिकों की मौत हो गई थी, जबकि विकास और हरेंद्र घायल हो गए। दोनों का संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में उपचार चल रहा है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जाती है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और फारेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। फिलहाल पुलिस फैक्ट्री मालिक मुकेश बंसल और रोहित गोयल की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस ने भी जांच में पाया है कि सभी खिड़कियों पर शीशे लगे हुए थे। आने-जाने के एक ही गेट था और मौके से बच निकलने के सभी रास्ते बाधित थे। मामले की जांच राज पार्क थाने के इंस्पेक्टर ओम प्रकाश मंडल कर रहे हैं। पुलिस हादसे के कारणों और फैक्ट्री में सुरक्षा इंतजामों की जांच कर रही है।

फायर एनओसी के बिना चल रही थी फैक्ट्री: मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र स्थित जूता फैक्ट्री में अग्नि सुरक्षा के इंतजाम नहीं थे। फैक्ट्री के पास फायर एनओसी भी नहीं थी। करीब पांच साल पहले फैक्ट्री मालिक ने एनओसी प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन दमकल विभाग के दिशा निर्देश का पालन नहीं किया गया। इसके चलते एनओसी नहीं मिल पाया था। इसके बाद दोबारा आवेदन भी नहीं किया गया। बाद में बगल का प्लाट किराये पर लेकर फैक्ट्री का विस्तार कर लिया गया था। जांच में पाया गया कि फैक्ट्री में प्रवेश और निकास के लिए केवल एक ही गेट था। आपात स्थिति में बाहर निकलने के लिए अलग द्वार नहीं था, जिससे आग की चपेट में आए श्रमिकों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। एक अधिकारी ने बताया कि 250 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाली औद्योगिक इमारत के लिए फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट जरूरी है।



मेरी डिक्शनरी में डर शब्द नहीं: गंभीर

कप्तान अय्यर ने कहा- गेंदबाजी और फील्डिंग में सुधार की जरूरत

नई दिल्ली। भारत ने न्यूजीलैंड को 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-2 से हराया। सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, मेरी डिक्शनरी और डायरेक्टरी में डर नाम का कोई शब्द नहीं है। गंभीर ने पहले मैच का उदाहरण देते हुए खिलाड़ियों की तारीफ की। उन्होंने बताया कि टीम ने 15 घंटे की लंबी फ्लाइट के बाद सिर्फ एक अभ्यास सत्र किया था, इसके बावजूद मुकाबला जीत लिया। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि गेंदबाजी और फील्डिंग बेहतर हो सकती थी। वहीं न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को सीरीज का बेस्ट खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने पांच मैचों में 341 रन बनाए।

- **ध्यान अब वनडे सीरीज पर: अय्यर** - अय्यर के मुताबिक, न्यूजीलैंड में खेलने के दौरान खिलाड़ियों को अलग तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने आसमान में साफ रोशनी और मैदान पर अंधेरे जैसी स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियां भारत में आमतौर पर देखने को नहीं मिलतीं। कप्तान ने यह भी कहा कि टीम इन कमियों पर चर्चा करेगी। हालांकि, उनका ध्यान अब वनडे सीरीज पर है और खिलाड़ी अच्छे मूड में हैं।
- **ऋषभ पंत की चोट पर गंभीर के पास अपडेट नहीं** - प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर से ऋषभ पंत की उपलब्धता को लेकर भी सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि फिलहाल उनके पास पंत की चोट को लेकर कोई पक्की जानकारी नहीं है।

थकान के बावजूद जीत हासिल की

गंभीर ने कहा, विदेशी परिस्थितियों में खेलते समय टीम को मुश्किल हालात से घबराना नहीं चाहिए। न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद भारतीय खिलाड़ियों को लंबी यात्रा और कम अभ्यास का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद पहले मैच में जीत हासिल करना आसान नहीं था। गंभीर ने इसी प्रदर्शन को टीम की मानसिक मजबूती का उदाहरण बताया। सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में भारत ने लगातार जीत दर्ज की। इसके बाद न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए आखिरी दोनों मैच अपने नाम किए।

सीरीज का नतीजा उलटा भी हो सकता था- सैंटनर

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने माना कि सीरीज काफी करीबी रही। उनके मुताबिक, शुरुआती दो मुकाबलों में कुछ ऐसे मौके आए, जिन्हें न्यूजीलैंड भुना सकता था। अगर टीम उन मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करती, तो सीरीज का नतीजा भारत के बजाय न्यूजीलैंड के पक्ष में भी हो सकता था। सैंटनर ने गेंदबाजी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आखिरी दो मैचों में गेंदबाजों ने परिस्थितियों के हिसाब से अपनी रणनीति बदली। तेज गेंदबाजों ने यॉर्कर, वाइड गेंदों और सही लेंथ का इस्तेमाल किया।

पीवी सिंधु ने रचा इतिहास

हाइलो ओपन जीतकर सीजन का दूसरा खिताब अपने नाम किया

जर्मनी: भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने एक बार फिर अपने शानदार खेल से देश का नाम रोशन किया है। सिंधु ने जर्मनी में खेले गए हाइलो ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में डेनमार्क की लाइन केजर्सफेल्ट को सीधे गेमों में 21-12, 21-14 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ सिंधु ने मौजूदा सीजन का अपना दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया है।

पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहीं सिंधु - सिंधु का हाइलो ओपन में प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने फाइनल तक के सफर में एक भी गेम नहीं गंवाया। अपने अभियान की शुरुआत उन्होंने भारतीय खिलाड़ी प्रकृति भरत को हराकर की। इसके बाद फ्रांस की रोजी ओक्टाविया पंकासारी और जर्मनी की अमाली शुल्ज को मात देकर क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में उन्होंने भारत की ही अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया।

39 मिनट में फाइनल जीतकर बनीं चैंपियन

पीवी सिंधु ने फाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहला गेम महज 17 मिनट में 21-12 से जीतकर डेनमार्क की खिलाड़ी पर दबाव बना दिया। इसके बाद दूसरे गेम में भी सिंधु ने अपनी लय बरकरार रखी और 21-14 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय शटलर ने यह फाइनल केवल 39 मिनट में जीतकर शानदार अंदाज में खिताब पर कब्जा किया।

जापान ओपन के बाद अब हाइलो ओपन पर कब्जा

पीवी सिंधु के लिए यह साल खिताब के लिहाज से शानदार रहा है। उन्होंने जुलाई में जापान ओपन 2026 के फाइनल में जापान की तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराकर खिताब जीता था। अब हाइलो ओपन जीतकर उन्होंने इस सीजन का दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम कर लिया है।



फ्रैंकफर्ट ने हैम्बर्गर को 3-1 से हराया, टॉप-8 में हुई एंट्री



बर्लिन। आइनट्राख्त फ्रैंकफर्ट ने हैम्बर्गर एसवी को 3-1 से हराकर बुंडेसलिगा लीग में आठवां स्थान हासिल कर लिया है। जर्मन कप में जीत के बाद पांच दिनों के भीतर हैम्बर्ग के खिलाफ यह उनकी दूसरी जीत है। 59 हजार दर्शकों के सामने फ्रैंकफर्ट ने शानदार शुरुआत की और 10वें मिनट में ही बढ़त बना ली। कैन उजुन ने पेनल्टी एरिया में फेरेस चैबी को गेंद पास की, जिसे हैम्बर्ग के डिफेंडर वार्मड ओमारी ने रोकने की कोशिश में अपनी ही गोल पोस्ट में डाल दिया। चार मिनट बाद हैम्बर्ग ने बराबरी कर ली। लिलियन ब्रासियर, मिरो मुहेम की गेंद को ठीक से नहीं संभाल पाए, जिसका फायदा उठाते हुए अल्बर्ट ग्रोनबेक ने टेरेम मोफी को पास दिया। मोफी ने करीब से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। हाफ टाइम से ठीक पहले फ्रैंकफर्ट के कप्तान रॉबिन कोच ने गोल करने की कोशिश की, लेकिन गोलकीपर डैनियल ह्यूअर फर्नांडीस ने उनके हेडर को बाहर धकेल दिया। हाफ टाइम के तुरंत बाद फ्रैंकफर्ट ने फिर से बढ़त बना ली। चैबी के कॉर्नर पर ब्रासियर ने हेडर लगाया, जिसे ह्यूअर फर्नांडीस पूरी तरह रोक नहीं पाए। रिबाउंड पर राफेल ओन्येदिका ने 47वें मिनट में गोल किया।

सेंथिलकुमार ने चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में बनाई जगह



ब्रनो। भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने ब्रनो में चल रहे चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। 35,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस पीएसए कॉपर-लेवल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में उन्होंने फ्रांस के खिलाड़ी और विश्व नंबर 32 ऑगस्ट डुसॉर्ड को हराया। सेंथिलकुमार ने सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाड़ी को 11-7, 12-10, 11-1 से मात दी। चौथे वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अब फाइनल में स्कॉटलैंड के ग्रेग लोबन (जो शीर्ष वरीयता प्राप्त हैं और विश्व रैंकिंग में 31वें नंबर पर हैं) का सामना करेंगे। सेंथिलकुमार इस सीजन में अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। शीर्ष वरीयता प्राप्त लोबन ने फ्रांस के तौफिक मेखल्फी को 11-9, 11-5, 11-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले, सेंथिलकुमार ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। पहले गेम में भारतीय खिलाड़ी ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को आसानी से 11-3 से हराया।

दिल्ली में नहीं खेल पाएंगे विराट कोहली

श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे की मेजबानी पर संकट



नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार विराट कोहली को अपने घरेलू मैदान दिल्ली में खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे फैंस को निराशा हाथ लग सकती है। भारत और श्रीलंका के बीच 13 दिसंबर को होने वाले वनडे सीरीज के पहले मुकाबले की मेजबानी दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम से छिन सकती है। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से वेन्यू बदलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

विराट कोहली की दिल्ली वापसी का इंतजार कर रहे थे फैंस - विराट कोहली के लिए दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम बेहद खास है। इसी मैदान और दिल्ली के घरेलू क्रिकेट से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2019 में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने उनके योगदान को सम्मान देते हुए स्टेडियम के एक प्रमुख स्टैंड का नाम 'विराट कोहली पवेलियन' रखा था। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ दिल्ली में होने वाला वनडे मुकाबला स्थानीय फैंस के लिए कोहली को अपने घरेलू मैदान पर देखने का शानदार अवसर हो सकता था।

- **आउटफील्ड के निर्माण कार्य के कारण बदला जा सकता है वेन्यू** - दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में इस समय आउटफील्ड को आधुनिक बनाने का काम चल रहा है। डीडीसीए ने मैदान में सैंड बेस्ड ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने का फैसला किया है। इस तकनीक से बारिश के बाद मैदान से पानी तेजी से निकल सकेगा और मैच दोबारा शुरू करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इस पूरे काम को पूरा होने में करीब चार महीने लगेंगे और स्टेडियम आईपीएल 2027 से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएगा।

अरुण जेटली स्टेडियम में आखिरी वनडे कब खेला गया था?

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आखिरी वनडे इंटरनेशनल मुकाबला 11 अक्टूबर 2023 को खेला गया था। यह आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 का मुकाबला था, जिसमें भारत ने अफगानिस्तान को आठ विकेट से हराया था। फिलहाल स्टेडियम में निर्माण कार्य के चलते दिल्ली की घरेलू टीम को भी अपने रणजी ट्रॉफी मुकाबले पालम स्थित एयरफोर्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में खेलने पड़ रहे हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारी में जुटे विराट कोहली

दूसरी ओर विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए तैयारी कर रहे हैं। टी20 सीरीज खत्म होने के बाद वह न्यूजीलैंड पहुंच चुके हैं और नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे 4 नवंबर को खेला जाएगा। टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद कोहली का फोकस अब मुख्य रूप से वनडे और टेस्ट क्रिकेट पर है।

एंटोनेली ने सबसे कम उम्र के एफ1 चैंपियन का खिताब जीता

नई दिल्ली। किमी एंटोनेली ने रविवार को इतिहास रचते हुए फॉर्मूला वन के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। 20 वर्षीय मर्सिडीज ड्राइवर ने मैक्सिको सिटी ग्रांड प्रिक्स में मैक्स वर्स्टापेन और लुईस हैमिल्टन के बाद तीसरे स्थान पर रहकर यह उपलब्धि प्राप्त की।

किमी, जो फॉर्मूला वन रेसिंग में अपने दूसरे ही सीजन में हैं, ने सेबेस्टियन वेटेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो 2010 में अपनी चार ड्राइवर चैंपियनशिप में से पहली चैंपियनशिप जीतने के समय 23 साल और 133 दिन के थे। अपनी उपलब्धि की वास्तविकता को समझते हुए किमी अपने आँसू रोकने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

टीम रेडियो पर, नव-ताजपोश विश्व चैंपियन पहले तो कुछ बोल नहीं पा रहे थे, लेकिन फिर उन्होंने मर्सिडीज को अपने सपने को साकार करने में मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। 'हमने कर दिखाया! हमने कर दिखाया!' उसे हंसते-हंसते आंसुओं के साथ कहते हुए सुना गया। इसके बाद जो जश्न मनाया गया, वह इस अवसर के अनुरूप ही था।

पोडियम पर एंटोनेली अपनी भावनाओं को काबू में रखने की कोशिश कर रहे थे, तभी वर्स्टापेन और हैमिल्टन ने भी उनका साथ दिया और नव-प्रतिभाशाली चैंपियन को हवा में उठा लिया। यह एक यादगार दृश्य थाः खेल के दो महानतम ड्राइवर फॉर्मूला वन चैंपियन की नई पीढ़ी के आगमन का जश्न मना रहे थे। मैं भविष्य में और अधिक मुकाबलों के लिए उत्सुक हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह तो बस शुरुआत है।' एंटोनेली के लिए, यह सात साल के कार्टिंग के शौकीन से लेकर मोटरस्पोर्ट के शिखर तक की एक उल्लेखनीय यात्रा की परिणति थी।



मर्सिडीज टीम के प्रमुख टोटो वोल्फ के लिए भी, 2025 सीज़न से पहले हैमिल्टन की जगह 18 वर्षीय खिलाड़ी को मौका देने के उनके महत्वपूर्ण जोखिम भरे फैसले की पुष्टि का क्षण था।

उनके बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक मोंज़ा में देखने को मिला, जहाँ उन्होंने ग्रिड पर 19वें स्थान से शुरुआत करने के बावजूद अपने घरेलू ग्रैंड प्रिक्स में जीत हासिल की।

एक यादगार दूसरा सीज़न

एंटोनेली के चैम्पियनशिप जीतने वाले अभियान की विशेषता उनकी गति, निरंतरता और दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता रही है। सीज़न के तीसरे दौर, जापानी ग्रांड प्रिक्स के बाद उन्होंने ड्राइवर्स चैंपियनशिप में बढ़त हासिल कर ली और अपने प्रतिद्वंद्वियों पर निर्णायक बढ़त बना ली। उन्होंने शुरुआती छह रेसों में से पांच में जीत हासिल की और सीज़न आगे बढ़ने के साथ-साथ अपनी इस लय को बरकरार रखा। जब चैंपियनशिप मैक्सिको पहुंची, तब तक एंटोनेली नौ ग्रांड प्रिक्स जीत चुके थे। उन्होंने केवल दो रेसों में अंक हासिल नहीं किए, और दोनों बार यांत्रिक समस्याओं के कारण ऐसा हुआ।

मेसी का शानदार प्रदर्शन, इंटर मियामी ने न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन को 2-1 से हराया

फॉक्सबोरो। लियोनेल मेसी ने एक बेहतरीन असिस्ट और मैच के आखिर में किए गए गोल की मदद से इंटर मियामी को न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही टीम ने अगले साल होने वाले कॉन्काकैफ चैंपियंस कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत से मियामी एमएलएस कप प्लेऑफ से पहले ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में नंबर 2 सीड की स्थिति में पहुंच गई है। इस सीजन में मेसी के नाम अब 26 गोल और 16 असिस्ट हो गए हैं। इसके साथ ही वह लगातार तीसरी बार एमएलएस एमवीपी अवार्ड और लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट' जीतने की रेस में सबसे आगे हो गए हैं।

पहले 45 मिनट तक दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला रहा और हाफ टाइम तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इस दौरान इंटर मियामी को 28वें मिनट में एक अच्छा मौका मिला, जब मेक्सिकन खिलाड़ी बर्टेरामे ने बॉक्स के बाईं ओर से बाएं पैर से शॉट मारा, जिसे न्यू इंग्लैंड के गोलकीपर मैट टर्नर ने बचा लिया। दूसरे हाफ में, 53वें मिनट में डेनियल गाजदाग के गोल की बदौलत मेजबान टीम (न्यू इंग्लैंड) ने खाता खोला। 69वें मिनट में इंटर मियामी ने शानदार टीम वर्क दिखाते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। सेगोविया ने बॉक्स के अंदर एक 'लॉब' पास दिया, जिस पर मेसी ने हेडर से गेंद को बर्टेरामे की तरफ बढ़ाया। बर्टेरामे ने बॉक्स के बीच से एक जोरदार हेडर लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। यह इस रेगुलर सीजन में बर्टेरामे का 10वां गोल था, जबकि मेसी का यह इस लीग सीजन का 16वां असिस्ट रहा।



83वें मिनट में इंटर मियामी ने मैच का पासा पूरी तरह से पलटा। एक बेहतरीन पासिंग सीक्वेंस के बाद मेसी ने निर्णायक गोल किया। सुआरेज ने बॉक्स के बाहर बीच में मेसी को गेंद दी, जहां अर्जेंटीना के इस स्टार खिलाड़ी ने तीन डिफेंडरों को छकाया। इसके बाद सेगोविया के साथ मिलकर वह बॉक्स के अंदर पहुंचे और एक सटीक शॉट के जरिए गेंद को गोल पोस्ट के निचले दाएं कोने में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मेसी के कुल गोल की संख्या 26 हो गई है, जिससे वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे निकल गए हैं। वहीं, इस रेगुलर सीजन में सेगोविया के असिस्ट की संख्या 12 हो गई है। इसके बाद 1-2 की स्कोरलाइन अंतिम सीटी बजने तक कायम रहा, जिससे इंटर मियामी ने अपने घर से बाहर खेलते हुए तीन अंक हासिल किए।